आज

३.००

तीन रुपये मात्र

भाजन

धनलक्ष्मीके आगमनका पर्व



गौरवशाली परम्परा

१०७ वर्ष

धनतेरस

वाराणसी, सोमवार २ नवम्बर, २०२६ सौर १६, कार्तिक कृष्ण ८, २०८३ वि.। वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज (रीवा संस्करण), कानपुर (झांसी संस्करण), लखनऊ, आगरा, बरेली, हल्द्वानी,पटना (कोलकाता संस्करण), रांची (धनबाद संस्करण) तथा जमशेदपुर से प्रकाशित | * काशी संस्करण पृष्ठ १२, मूल्य ३.०० रुपये

रामलीला मैदानमें दिखा विपक्षका शक्ति प्रदर्शन

वोट चोरीसे बनी मोदी सरकार-राहुल

लोकतंत्रकी रक्षाके लिए सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाना पहला कदम, फिर उनके खिलाफ होगी कानूनी कारवाई

नयी दिल्ली (आससे)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं और वोट चोरी के आरोपों को लेकर रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक ने एकजुटता का बड़ा प्रदर्शन किया। रैली में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राजद समेत विपक्षी दलों के प्रमुख नेता एक मंच पर जुटे और केंद्र सरकार तथा चुनाव आयोग पर तीखे हमले किए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश में कई वर्षों से चुनावों में वोट चोरी हो रही है और इसी के जरिए नरेंद्र मोदी सरकार सत्ता में आई। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाना पहला कदम है। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों के चुनावों तथा 2024 के लोकसभा चुनाव में वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ईवीएम में गड़बड़ी, मतदाता सूची से नाम हटाने और नए नाम जोड़ने के जरिए चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया गया। राहुल ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए। उन्होंने कहा कि यह केवल वोट की चोरी नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक की आवाज छीनने जैसा है। राहुल के मुताबिक, ज्ञानेश कुमार के बिना नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री और अमित शाह गृह मंत्री नहीं बन पाते। राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर भी निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जा रहे हैं। राहुल ने कहा कि उन्हें और प्रधानमंत्री को कहीं जाने नहीं दिया जाएगा। ज्ञानेश कुमार के बाद विपक्ष उनके सामने खड़ा होगा और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि देश में कोई भी व्यक्ति संविधान से बड़ा नहीं है। विपक्ष ऐसा भारत चाहता है, जहां किसान को उसकी (शेष पृष्ठ नौ पर)



दिल्ली-एनसीआरमें कोकीन तस्करी सिंडिकेट का खुलासा, विदेशी समेत चार गिरफ्तार

नयी दिल्ली (आससे)। क्राइम ब्रांच ने दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय एक अंतरराज्यीय कोकीन आपूर्ति तंत्र का भंडाफोड़ किया है। इस कारवाई में घाना के एक नागरिक समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरोह दक्षिण दिल्ली और गुरुग्राम के प्रमुख शराबखानों और मनोरंजन स्थलों में युवाओं को निशाना बना रहा था। क्राइम ब्रांच दिल्ली और एनसीआर में संगठित मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। 26 मई को मुख्य आरक्षी संदीप कादियान को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना थी कि हुकमुद्दीन दिल्ली-एनसीआर में कोकीन की आपूर्ति कर रहा है। वह द्वारका इलाके में कोकीन की एक खेप पहुंचाने वाला था। इस सूचना पर निरीक्षक अक्षय गहलोत के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनी। टीम ने द्वारका सेक्टर 9 में जाल बिछाकर हुकमुद्दीन को पकड़ा। उसके पास से 106 ग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन बरामद हुई। इस संबंध में क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। यह प्राथमिकी संख्या 139/2026 (शेष पृष्ठ नौ पर)



मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

सप्तपुरियों में श्रेष्ठ श्रीअयोध्या धाम अपने दसवें भव्य एवं दिव्य दीपोत्सव के स्वागत के लिए पुलकित है। दीपोत्सव अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और आस्था से विकास की यात्रा का प्रतीक है। **यह मात्र दीप प्रज्वलन नहीं, अपितु भारत की सनातन चेतना के पुनर्जागरण तथा सांस्कृतिक गौरव का महापर्व है।** दीप की छोटी-सी लौ सिखाती है कि गहन अंधकार में भी प्रकाश की एक किरण नई आशा का संचार करती है। प्रभु श्रीराम के अयोध्या आगमन की स्मृति से जुड़े इस पावन पर्व पर आप सभी को हार्दिक मंगलकामनाएं।

दीपोत्सव से हमारा सनातन संबंध केवल परंपराओं से नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों से भी है। 14 वर्षों तक भरत जी ने राजसुख त्याग कर प्रभु श्रीराम की चरण-पादुकाओं को सिंहासन पर प्रतिष्ठित रख अयोध्या के राज्य का संचालन किया। रामायण का यह प्रेरक प्रसंग हमें सिखाता है कि सत्ता का वास्तविक अर्थ अधिकार नहीं, दायित्व है। अयोध्या का दीपोत्सव त्याग, मर्यादा और समर्पण की इसी भावना को विश्वपटल पर प्रतिष्ठित कर रहा है। **मां सरयू के तट पर सजी दीपमाला, राम की पैड़ी पर लाखों दीपों की जगमग मानो अयोध्या में आकाश गंगा उतर आई हो। ड्रोन के माध्यम से आकाशीय प्रस्तुतियां और कलाकारों की सहभागिता इस महोत्सव को अलौकिक भव्यता प्रदान करती है।**

आस्था और जनभागीदारी को विकास की शक्ति बनाकर उत्तर प्रदेश ने उत्सव प्रदेश के रूप में नई पहचान स्थापित की है। हमारा स्पष्ट विश्वास है कि **जहां प्रकाश है, वहां सुरक्षा का वास है। जहां सुरक्षा है, वहां निवेश के अवसर हैं। जहां निवेश है, वहां विकास है। जहां विकास है, वहीं रोजगार तथा सुख समृद्धि है। यही उत्सवधर्मिता का आधार है। दीपोत्सव आस्था और अर्थव्यवस्था का संगम भी है। इससे कुम्हारों, पुष्प विक्रेताओं और होटल व्यवसायियों सहित स्थानीय व्यापारियों के लिए रोजगार एवं आय के अवसर बढ़ते हैं।**

मैं आप सभी से विशेष रूप से कहना चाहूंगा कि यदि आपके आस-पड़ोस में कोई वंचित परिवार है, तो अपने सामर्थ्य के अनुसार उसकी दीपावली भी आलोकित करें। दीये, मिठाइयां और नए वस्त्र भेंट कर उसके जीवन में प्रसन्नता का संचार करें। यही दीपोत्सव की सच्ची भावना है। विशेषकर युवा, दीपक के प्रकाश की तरह सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ें, नकारात्मकता से दूर रहें, **अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, क्योंकि स्वच्छता में ही श्री जी का वास है। स्थानीय कारीगरों के दीप एवं उत्पाद खरीदकर उनके परिश्रम को प्रोत्साहन दें।**

मेरी हार्दिक इच्छा है कि आप अपने परिवार और मित्रों के साथ अयोध्या पधारें तथा प्रभु श्रीराम की पावन नगरी में भव्य दीपोत्सव की दिव्य छटा के साक्षी बनें। हर घर में खुशहाली हो, हर मन में सद्भाव हो और प्रगति पथ प्रशस्त हो, इसी मंगलकामना के साथ...

सियावर रामचंद्र की जय।

आपका
योगी आदित्यनाथ

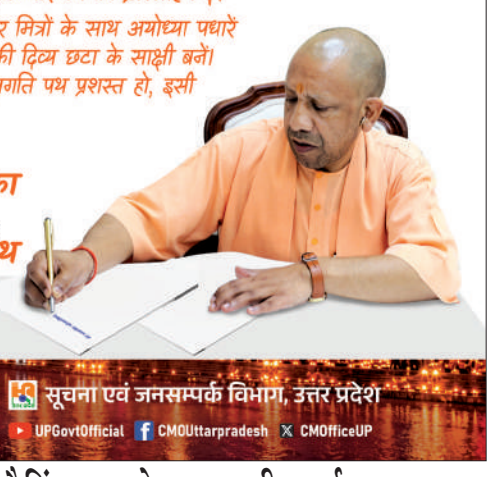

ज्योतिर्मय यूपी

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

भाजपाने विकाससे बदली प्रदेशकी तस्वीर-मुख्यमंत्री

किसानोंको हुए नुकसानकी भरपायीके लिए लायेंगे विशेष पैकेज

गोरखपुर (आससे)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रदेश के अन्नदाता किसानों को आश्वस्त किया कि साइक्लोन के कारण असमय बरसात, अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से हुए नुकसान की भरपाई सरकार पैकेज लाकर करेगी। उन्होंने कहा कि हमने इसका मुआवजा तो दिया है, लेकिन मैं मानता हूं कि यह नाकाफी है। अन्नदाता किसान को जो नुकसान हुआ है, डबल इंजन की सरकार उसकी पूरी भरपाई करने का काम करेगी। सभी जिला प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि पूरा सर्वे कर लीजिए, तात्कालिक मुआवजा दीजिए। हम एक नया पैकेज अन्नदाता किसानों के लिए लाएंगे, जिसके माध्यम से किसानों को हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी रविवार को चौरीचौरा में 59.44 करोड़ रुपये से बने भोपा बाजार (समपार संख्या 147बी) रेल ओवरब्रिज का उद्घाटन करने के साथ ही 287.56 करोड़ रुपये की लागत वाली कुल 84 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा ने अपनी सरकार में उत्तर प्रदेश को अपराध का गढ़ बना दिया था। सपा सरकार अपराध बढ़ाती थी, जबकि डबल इंजन की (शेष पृष्ठ नौ पर)



आजम १४ दिन की न्यायिक हिरासतमें

गाजियाबाद (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान को गाजियाबाद की विशेष प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) अदालत ने रविवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने उन्हें अदालत में पेश किया था। इस दौरान पत्रकारों ने जब आजम खान से पूछा कि क्या वह इस मामले में कुछ कहना चाहेंगे, तो उन्होंने निराशा और बेबसी भरे अंदाज में कहा,अब क्या है, बोलने के लिए। इस बीच सपा के कई नेता भी अदालत परिसर पहुंचे। दो पैन कार्ड मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद शनिवार शाम रामपुर जेल से रिहा होते ही ईडी ने आजम खान को हिरासत में ले लिया था। रविवार को उन्हें पीएमएलए अदालत में पेश किया गया। यह मामला मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय और उससे जुड़े जौहर ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं तथा मनी लॉन्ड्रिंग की जांच से संबंधित है।

देश में अराजकता फैलाने की हो रही साजिश-नड्डा

कहा- झूठ फैलाकर देश को अस्थिर करना ही राहुल की राजनीति

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्षी गठबंधन इंडिया की रैली पर तीखा हमला बोला है। नड्डा ने आरोप लगाया कि



विपक्ष लोकतंत्र के नाम पर देश में अराजकता फैलाना चाहता है। उन्होंने कहा, रामलीला मैदान में आज जो कुछ हो रहा है, वह लोकतंत्र के प्रति सम्मान नहीं है, बल्कि लोकतंत्र के नाम पर देश को अराजकता में धकेलने की सोची-समझी साजिश है। यह उन लोगों का एक बेवकूफी भरा और सुनियोजित नाटक है, जिन्हें जनता चुनावों में हरा चुकी है और बार-बार खारिज कर चुकी है। जनता इस सच्चाई को अच्छी तरह समझती है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को संबोधित करते हुए कहा, राहुल गांधी, मैं आज देश को बताना चाहता हूं कि आपकी राजनीति का मॉडल क्या है। इसका पहला चरण झूठ और अफवाहें फैलाना है। दूसरा चरण सड़कों पर अराजकता और अव्यवस्था पैदा करने के लिए लोगों को उकसाना है। तीसरा चरण देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाना है और चौथा चरण विदेशी ताकतों के इशारे पर चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करना है। राहुल गांधी के 1 नवंबर के इस नाटक के चार मकसद हैं। पहला, हमारे सिख भाइयों के जख्मों पर नमक छिड़कना। (शेष पृष्ठ नौ पर)

ड्रग सिंडिकेट पर एसटीएफ का शिकंजा, चार गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को बड़ी कामयाबी मिली है। एसटीएफ की टीम ने मालदा जिले के कालियाचक में मधुघाट के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-12 पर एक वाहन को रोककर करीब 2.688 किलोग्राम मॉर्फिन बरामद की है।

नेपाल : ट्रैकिंगपर गये छह भारतीय पर्यटक लापता

सिद्धार्थनगर (एजेंसी)। नेपाल के डोल्पा जिले में भारी हिमपात के बीच दो महिलाओं समेत छह भारतीय पर्यटक लापता हो गये हैं। सभी पर्यटक शे-फोक्सुंडो झील की ओर लौटते समय नुमला और वागला पास के बीच बर्फ में फंस गये हैं। पर्यटकों की तलाश के लिए प्रशासन ने हेलीकॉप्टर मांगा है, जबकि नेपाली सेना को भी बचाव अभियान में लगाया गया है। नेपाल से मिली जानकारी के अनुसार, पर्यटक डोल्पो बुद्ध गांवपालिका से शे-फोक्सुंडो झील की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान वे भारी बर्फबारी की चपेट में आ गये। शे-फोक्सुंडो गांवपालिका के वार्ड नंबर चार और आठ के बीच स्थित नुमला पास तथा वागला पास क्षेत्र से उनका संपर्क टूट गया।

हवाई किराया बढ़ानेमें नहीं चलेगी एयरलाइंस की मनमानी

नयी दिल्ली (आससे)। हवाई किरायों में मनमानी बढ़ोतरी होने पर केंद्र सरकार दखल दे सकेगी। सरकार ने इसके लिए भारतीय विमानयान नियम, 2026 के तहत नये प्रावधान अधिसूचित किये हैं। ये नियम 1 जनवरी 2027 से लागू होंगे। इनके तहत सरकार असाधारण हालात में जनहित को देखते हुए एयरलाइंस को किराये पर निर्देश दे सकती है। नियम 192 के मुताबिक, सरकार को लगता है कि हालात असाधारण हैं तो वह किरायों को लेकर निर्देश जारी कर सकती है। ये निर्देश हालात के हिसाब से होंगे और तय अवधि तक ही लागू रहेंगे। हालांकि, नियमों में हवाई किराये की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं की गयी है। न ही यह बताया गया है कि किराया कितना बढ़ने पर सरकार दखल देगी। यानी सरकार जरूरत पड़ने पर निर्देश दे सकेगी, लेकिन कोई तय किराया सीमा लागू नहीं होगी। नियमों के तहत एयरलाइंस को परिचालन लागत समेत अन्य बातों को ध्यान में रखकर किराया तय करना होगा।

लखनऊ में एसजीपीजीआई भर्ती परीक्षा रद,एसटीएफ करेगी जांच

लखनऊ (आससे)। एसजीपीजीआई में नर्सिंग और हॉस्पिटल अटेंडेंट भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया गया है। रविवार को दूसरे चरण की यह परीक्षा 2 पालियों में 7 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। इसमें करीब 8500 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इससे पहले परीक्षा को लेकर विवाद हो गया था। गड़बड़ी और पेपर लीक का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थियों ने जमकर हंगामा किया था। छात्रों का आरोप है कि परीक्षा के दौरान ऑफिस के अंदर ओएमआर शीट भरी जा रही थी। अभ्यर्थियों ने पेपर में चीटिंग कराने के आरोप लगाए। मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्रों को शांत कराया था। एसजीपीजीआई की ओर से बताया गया है कि अभ्यर्थियों के आरोपों की जांच एसटीएफ को सौंपी गई है। एसजीपीजीआई की हॉस्पिटल अटेंडेंट और स्टाफ नर्स भर्ती परीक्षा में छात्रों ने पेपर लीक का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। एसजीपीजीआई की हॉस्पिटल अटेंडेंट और स्टाफ नर्स भर्ती परीक्षा में छात्रों ने पेपर लीक का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। लखनऊ के एसडीएसएन डिग्री कॉलेज, एसडीएसएन पब्लिक स्कूल और ज्यूरिस कॉलेज ऑफ लॉ समेत आसपास के कई केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई थी। अभ्यर्थियों का आरोप है कि कई केंद्रों पर बायोमेट्रिक जांच में दिक्कत आई।

यूपी : बागपत में एक मकान से निकले ३० कोबरा सांप

बागपत (एजेंसी)। रटौल स्थित कहरका गांव में किसान कपिल त्यागी के 35 साल पुराने मकान की नींव से पांच दिन में 30 कोबरा सांप निकल चुके हैं और 200 खाली अंडे भी मिले। इससे भयभीत परिवार मकान खाली कर दूसरे मकान में रहने लगा है। रविवार को भी कई सांप पकड़वाकर हिंडन नदी के किनारे छोड़े गये। कहरका निवासी कपिल त्यागी ने बताया कि उनका मकान काफी पुराना हो चुका है, जिसे उखाड़कर नया बनाया जा रहा है। कई दिन पहले मकान में 12 फीट लंबे कोबरा सांप की कांचली मिली थी। इससे भयभीत परिवार के सदस्य जागकर रात काटने को मजबूर हैं। इसके बाद मकान उखाड़ना शुरू (शेष पृष्ठ नौ पर)

नेपाल : सुरंग खोदकर फरार हुए आठ कैदी

सिद्धार्थनगर (एजेंसी)। नेपाल के डोल्पा जिले के सदरमुकाम दुनै स्थित जिला कारागार से सुरंग खोदकर आठ कैदियों के फरार होने का मामला सामने आया है। फरार कैदियों में दुष्कर्म और चोरी के मामलों में बंद आरोपी शामिल हैं। डीएसपी के नेतृत्व में 34 पुलिसकर्मियों की टीम को तलाश अभियान में लगाया गया है। फरार होने वालों में रुकुम पश्चिम जिले के आठबिसकोट नगरपालिका-10 निवासी 32 वर्षीय राम बीके, डोल्पा जिले के त्रिपुरासुंदरी नगरपालिका-7 निवासी 29 वर्षीय कालीप्रसाद रोकाया और सल्यान जिले के कुमाख गांवपालिका-5 निवासी 28 वर्षीय रेशम राना शामिल हैं। ये तीनों दुष्कर्म के मामलों में जेल में बंद थे। इसके अलावा जाजरकोट जिले के बारेकोट गांवपालिका-1 निवासी 25 वर्षीय यज्ञ बीके और डोल्पा जिले के त्रिपुरासुंदरी नगरपालिका-4 निवासी 28 वर्षीय धन बुढ़ा उर्फ हरिबहादुर बुढ़ा भी फरार हुए हैं। दोनों दुष्कर्म के मामलों में बंद थे। जाजरकोट जिले के नलगाड नगरपालिका-9 निवासी 19 वर्षीय कैलाश उर्फ कपिल परियार चोरी के मामले में जेल में था।फरार अन्य दो कैदियों में रुकुम पश्चिम जिले के आठ बिसकोट नगरपालिका-5 निवासी 38 वर्षीय तिलक भंडारी (शेष पृष्ठ नौ पर)

तलाशमें जुटी पुलिस

अयोध्या : तीन सौ क्विंटल फूलों से महकेगी रामनगरी, दीपोत्सव की आहट से चढ़े दाम

अयोध्या (आससे)। सामान्य दिनों में जहां अयोध्या में प्रतिदिन 20 से 25 क्विंटल फूलों की खपत होती है, वहीं दीपोत्सव के दौरान यह मांग बढ़कर करीब 100 से 150 क्विंटल प्रतिदिन तक पहुंचने का अनुमान है। तीन दिवसीय आयोजन और सजावट को मिलाकर करीब 300 क्विंटल फूलों की खपत होने की संभावना है। दीपोत्सव में रामनगरी सिर्फ लाखों दीपों की रोशनी से ही नहीं दमकेगी, बल्कि फूलों की खुशबू से भी सराबोर होगी। रामपथ से राम की पैड़ी, श्रीरामजन्मभूमि परिसर और प्रमुख मंदिरों से लेकर आयोजन स्थलों तक फूलों से सजावट की तैयारियां चल रही हैं। सात नवंबर को होने वाले दसवें दीपोत्सव को लेकर फूलों के कारोबार में भी तेजी आ गई है। सामान्य दिनों में जहां अयोध्या में प्रतिदिन 20 से 25 क्विंटल फूलों की खपत होती है, वहीं दीपोत्सव के दौरान यह मांग बढ़कर करीब 100 से 150

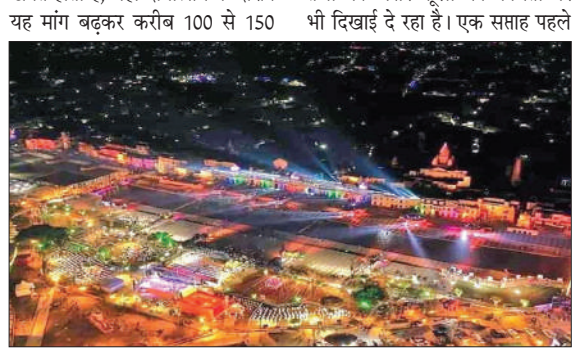

क्विंटल प्रतिदिन तक पहुंचने का अनुमान है। तीन दिवसीय आयोजन और सजावट को मिलाकर करीब 300 क्विंटल फूलों की खपत होने की संभावना है। फूल कारोबारी पिंटू मांझी ने बताया कि मांग में अचानक आई तेजी का असर फूलों की कीमतों पर भी दिखाई दे रहा है। एक सप्ताह पहले की तुलना में फूलों के दाम बढ़ गए हैं। मांग पूरी करने के लिए कोलकाता, दिल्ली और लखनऊ की मंडियों से फूलों की खेप मंगाई जा रही है।एक अन्य फूल कारोबारी आलोक पाल ने बताया कि दीपोत्सव की सजावट में गेंदा और गुलाब की सबसे अधिक मांग है। पीले और नारंगी गेंदे से तोरण, मालाएं, स्वागत द्वार और मंच सजाए जा रहे हैं। वहीं, लाल गुलाब का इस्तेमाल विशेष सजावट और अतिथियों के स्वागत में किया जा रहा है। इसके अलावा रजनीगंधा, गुलदाउदी, चमेली और अन्य सजावटी फूलों की भी मांग है। रजनीगंधा का इस्तेमाल मंचों और विशेष सजावट में किया जा रहा है।पिंटू मांझी ने बताया कि रामनगरी में फूलों की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए स्थानीय बाजार के साथ बाहरी मंडियों पर भी निर्भर रहना पड़ रहा है। कोलकाता, दिल्ली और लखनऊ से अलग-अलग किस्मों के फूल मंगाए जा रहे हैं।

कार से 66.50 लाख बरामद, तीन गिरफ्तार

डालमियानगर (रोहतास) (आससे)। एनएच-19 पर शिवसागर टोल प्लाजा के पास पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 66 लाख 50 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। वाराणसी से कोलकाता जा रही काले रंग की एक्सयूवी-300 कार से मिली इस नकदी के साथ दो महिलाओं समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कार और दो मोबाइल भी जब्त किए हैं। बरामद रकम के वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर आयकर विभाग को सूचना दी गई है। प्रेस वार्ता में डीएसपी-1 विप्लव कुमार ने बताया कि 31 अक्टूबर की रात शिवसागर थानाध्यक्ष रितेश कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि वाराणसी की ओर से आ रही एक कार में भारी मात्रा में नकदी रखी गई है, जिसे लेकर कोलकाता जाया जा रहा है।



यहां भी पढ़ें
-:Website:-
www.ajhindidaily.com
-:For e-Paper:-
www.ajhindidaily.com/
आज गौरव शाली परंपरा का १०७ वर्ष
निःशुल्क ई-पेपर सब्सक्राईब करें।

मौसम

सूर्योदय : ०६.०५
सूर्यास्त : ०५.१७

तापमान
अधि. : २८.०
न्यून. : २२.०

कोटवां के विजयदशमी से पुलिस ड्यूटी गायब, वर्षों से चली आ रही परंपरा टूटी

लोहता। कोटवां में रविवार को विजयदशमी पर जहां हजारों की भीड़ उमड़ी, वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली। वर्षों से चली आ रही परंपरा इस बार टूट गयी। मेले में लोहता थाना



प्रभारी और कोटवां चौकी इंचार्ज ड्यूटी से गायब दिखे, पुलिसकर्मी कहीं नजर नहीं आये। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर साल विजयदशमी पर कोटवां रामलीला मैदान में लोहता थाने की पुलिस और महिला पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगती थी। मुख्य गेट, भीड़भाड़ वाली जगह और रावण दहन स्थल पर पुलिस मुस्तैद रहती थी। इस बार शाम पांच बजे रावण दहन के समय तक भी पुलिस का कोई जवान मैदान में नहीं दिखा।

कमेटी ने अकेले संभाला मोर्चा

पुलिस के न आने पर कमेटी के सारे पदाधिकारी गण जगह-जगह अकेले ही मुस्तैद रहे। कमेटी के कार्यकर्ता ही भीड़ को संभालते, बच्चों को रास्ता दिलाते और माइक से शांति बनाये रखने की अपील करते नजर आये। लोगों का कहना था कि भगवान का शुक्र है कि कोई अप्रिय घटना नहीं हुई, वरना इतनी बड़ी भीड़ में पुलिस के बिना हादसा हो सकता था। मेले में आये दुकानदारों और महिलाओं ने भी सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी।

लोगों में आक्रोश, उठे सवाल

मेले में मौजूद लोगों ने सवाल उठाया कि जब हजारों की भीड़, रावण दहन और आतिशबाजी का कार्यक्रम था, तो पुलिस ड्यूटी क्यों गायब रही? क्या लोहता थाना प्रभारी और कोटवां चौकी इंचार्ज को मेले की सूचना नहीं थी, या जानबूझकर ड्यूटी नहीं लगायी गयी। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस लापरवाही की जांच हो और आगे से ऐसे बड़े आयोजनों में पुलिस की ड्यूटी अनिवार्य रूप से लगायी जाये, ताकि वर्षों से चली आ रही परंपरा और लोगों का भरोसा बना रहे। विजयदशमी समाप्ति पर पहुंचने वाली थी तभी उच्च अधिकारियों के निर्देश पर लोहता थाना प्रभारी कोटवां चौकी इंचार्ज अकेलवा चौकी इंचार्ज पीएसी बटालियन महिला पुलिसकर्मी संघ विजयदशमी में पहुंचे। विजयदशमी समाप्ति तक मौजूद रहे।

समाज के प्रति समर्पित चिकित्सकों को किया गया सम्मानित

इंडियन मेडिकल असोसिएशन का १०८वां वार्षिकोत्सव सम्पन्न





इंडियन मेडिकल असोसिएशन शाखा (बनारस) का १०८वाँ वार्षिकोत्सव रविवार को गिरिजा देवी सांस्कृतिक संकुल (चौकाघाट) में बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि डाक्टर फे.एम. अबुल हसन ने कहा कि आई.एम.ए (बनारस) शाखा के लिए आज हर्ष एवं प्रसन्नता का विषय है, मुख्य अतिथि ने शाखा के गतिविधियों की सराहना की तथा कहा कि शाखा का रक्त बैंक बहुत ही विकसित है तथा पूरे पूर्वांचल के लिए बहुत ही उपयोगी है। विशिष्ट अतिथि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडियन मेडिकल असोसिएशन (मुख्यालय) प्रोफेसर शरद अग्रवाल ने कहा कि मानवता एवं समाजसेवा की मिशाल है बनारस शाखा उन्होंने ने नये सदस्यों को जोड़ने के लिए तथा आई.एम.ए के उद्देश्यों को गतिविधियों को अवगत कराने की जरूरत है। विशिष्ट अतिथि डाक्टर आनंद प्रकाश ने कहा कि बनारस शाखा लगातार दो वर्षों से सबसे ज्यादा सदस्य बना कर सर्वश्रेष्ठ शाखा का उपाधि हासिल किया। अतिथियो का स्वागत शाखा के अध्यक्ष डाक्टर अनुराग टंडन ने किया तथा कहा कि यह सत्र ऐतिहासिक रहा,मानद सचिव डाक्टर अरुण कुमार त्रिपाठी ने शाखा रिपोर्ट प्रस्तुत किया तथा अपने यहाँ चलने वाले सभी प्रकल्पों के बारे में बताया, शाखा के अध्यक्ष निर्वाचित प्रोफ़ेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि इस अवसर पर चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु डाक्टर प्रभाकर शुक्ला,डाक्टर अजीत सैगल,डाक्टर पी.के. तिवारी, डाक्टर भानुशंकर पाण्डेय, डॉक्टर सी.पी.के. सिन्हा, डाक्टर आलोक चंद्र भारद्वाज, डाक्टर अभिषेक चन्द्रा, डॉक्टर मुमताज़ अंसारी, डाक्टर आलोक कुमार सिंह,डाक्टर ए.के. बाजोरिया, डाक्टर श्री प्रकाश सिंह, डाक्टर देवेश पांडेय, डाक्टर आमीर सम्स, डाक्टर के.पी. जयसवाल, डाक्टर स्मिता चन्द्रा,डाक्टर पंकज सिंह, डाक्टर रवि प्रकाश जायसवाल, डाक्टर संध्या मिश्रा, डाक्टर विनीता श्रीवास्तव, डाक्टर हेमन्त गुप्ता, डाक्टर मिशा जैन, डाक्टर अविशा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डाक्टर विजय गुप्ता ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहयोग डाक्टर आलोक चंद्र भारद्वाज, डाक्टर शालिनी टंडन, डाक्टर रितु गर्ग का किया। धन्यवाद ज्ञापन वित्त सचिव डाक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने दिया। इस अवसर पर संस्था के लगभग दो हज़ार चिकित्सक उपस्थित रहे।

आशीष मिश्र का हुआ एकल सारंगी वादन

पद्मविभूषण पंडित किशन महाराज द्वारा स्थापित संगीत सभा के अंतर्गत गायनाचार्य विद्वान पंडित





जालपा प्रसाद मिश्र की स्मृति में आयोजित हरिहरपुर संगीत घराने को समर्पित १११वीं बैठक रविवार को कबीर चौरा स्थित श्री गणेश कक्ष में संगीत कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रथम कार्यक्रम के रूप में आशीष मिश्रा का एकल सारंगी वादन हुआ। राग जोग में विलंबित एकताल में बंदिश बजाकर अपने कार्यक्रम का समापन धुन बजाकर किया। तबले पर आलोक मिश्रा ने कुशल संगत किया। द्वितीय कार्यक्रम के रूप में आलोक मिश्रा का एकल तबला वादन हुआ जिसमें उन्होंने तीनताल में पारंपरिक तिहाई, उठान, चलनचारी, बांट, गत, गर्द इत्यादि का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इनके साथ सारंगी पर ओम सहाय ने कुशल संगत किया। तृतीय कार्यक्रम डॉक्टर गरुण मिश्रा के गायन के रूप में हुआ। उन्होंने विलंबित, मध्य लय एवं द्रुत लय में बंदिशें प्रस्तुत की । इनके साथ तबले पर डॉक्टर मनोज मिश्रा, हारमोनियम पर पंकज मिश्रा और सारंगी पर अनीश मिश्रा ने बेहतरीन संगत किया।कार्यक्रम में पंडित कामेश्वरनाथ मिश्र, पंडित श्याम कुमार मिश्र, पंडित भोलानाथ मिश्र, पंडित कन्हैयालाल मिश्र, पंडित वीरेंद्रनाथ मिश्र, श्रीमती मीना मिश्रा, पंडित माता प्रसाद मिश्र, डॉक्टर प्रेमकिशोर मिश्र, अरविंद राय, पद्मश्री श्रीभाष सुपकार, डॉक्टर रजनीश तिवारी, इत्यादि की उपस्थिति रही।

जय श्रीराम के जयघोष के बीच धूमधाम से निकली रामबारात

मणिकर्णिका घाट पर चारों भाइयों का वैदिक रीति-रिवाज से विवाह, बनारसी लोकपरंपराओं और मंगलगीतों ने बांधा समां

काशी की प्राचीन रामलीला परंपरा और लोकसंस्कृति का अनूठा संगम रविवार को रामबारात



शोभायात्रा में देखने को मिला। श्री मणिकर्णिका रामलीला समिति (काशी) के तत्वावधान में निकली भव्य रामबारात में श्रद्धा और उल्लास का सैलाब उमड़ा। मैदागिन स्थित अग्रसेन इंटर कॉलेज से निकली शोभायात्रा मैदागिन, बुलानाला, नीचीबाग, आस भैरव चौक, कचौड़ी गली और ब्रह्मनाल होते हुए मणिकर्णिका घाट पहुंची। रास्तेभर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा और आरती से स्वागत किया।सजे-धजे घोड़े, ऊंट, लाग विमान, बैंड-बाजा, ढोल-नगाड़े और कालीजी का मुखौटा धारण कर नृत्य करते कलाकार आकर्षण का केंद्र रहे। बनारसी परिधान में सजे बाराती हर-हर महादेव और जय श्रीराम के उद्घोष के साथ आगे बढ़े। मणिकर्णिका घाट पर भगवान श्रीराम सहित चारों भाइयों का विवाहोत्सव आचार्य रानी महाराज के निर्देशन में विधि-विधान से संपन्न हुआ। महिलाओं ने मंगलगीत गाए। खिचड़ी खवाई और नेक की रस्म के साथ पारंपरिक गाली-गीतों ने विवाहोत्सव को बनारसी रंग दिया। आयोजन में सुशील कपूर, विभूति नारायण सिंह, शरित कुमार सिंह, विजय शंकर पांडे, सदन तिवारी, मनोज शर्मा, दीपक तिवारी, यथार्थ सिंह और राहुल तिवारी सहित समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। समिति के प्रचार मंत्री विजय शंकर पांडे ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार जताया।



श्रीकृष्ण लीला के निमित्त हुई मुकुट पूजन

अखाड़ा गोस्वामी तुलसीदास के तत्वावधान में तुलसीघाट पर पवित्र कार्तिक मास में आयोजित होने वाली श्रीकृष्ण लीला की औपचारिक शुरुआत रविवार को पारम्परिक ढंग मुकुट पूजा से हो गयी। इस अवसर पर तुलसी मंदिर में भव्य आयोजन किया गया।शाम से ही इस निमित्त लीला के पात्रों व लीला प्रेमियों का जमावड़ा शुरू हो गया था। व्यास पं श्याम बिहारी पाण्डेय संग रामायणी ब्रजवासी दास लिखित ब्रज बिलास ग्रन्थ का पारायण करने लगे थे। इस क्रम में परम्परानुसार पांच दोहों का परायण किया गया। पूजन के बाद संकट मोचन मंदिर के महंत प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र ने अभिमंत्रित मुकुट की भव्य आरती की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने कलिमल ग्रसित जीवों के उपकारार्थ भगवान के चरित्रों को नेत्रों के समक्ष मूर्तरूप देने के लिए श्रीकृष्ण लीला का प्रादुर्भाव हुआ।लीला विधिवत रूप से छह नवम्बर से शुरू होगी जो २५ नवंबर तक चलेगा। सभी लीलाएं शाम छह बजे से आरंभ होंगी। इसी क्रम में काशी के लक्खा मेले में शुमार नागनथैया लीला (कालिय दमन) १३ नवम्बर को अपराह्न तीन बजे तुलसी घाट पर होगी। श्रीकृष्ण लीलाओं में नागनथैया लीला के अलावा रासलीला,कंस वध, राज्याभिषेक व दशावतार की झांकी महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर स्वर्ण प्रताप चतुर्वेदी,प्रभुदत्त त्रिपाठी, अशोक पाण्डेय, विनोद पांडेय राघवेन्द्र पाण्डेय, हृदय नारायण मिश्र,संदीप पाण्डेय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

ड्रोन से पुष्पवर्षा और हाइड्रो रॉकेट प्रक्षेपण ने बढ़ाया विद्यार्थियों का उत्साह

दिल्ली पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय अंतरिक्ष कार्निवल का शुभारंभ

दिल्ली पब्लिक स्कूल में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों में जिज्ञासा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अनुसंधान की भावना विकसित करने के उद्देश्य से दो दिवसीय स्पेस कार्निवल का शनिवार को शुभारंभ हुआ। नवरस स्पेस लैब के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन ड्रोन से गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा और हाइड्रो रॉकेट के प्रक्षेपण के साथ हुआ। आयोजन के प्रमुख आकर्षणों में वायु रॉकेट एवं जल रॉकेट प्रदर्शन, सूर्य का प्रत्यक्ष अवलोकन, सचल तारामंडल, दूरमिति रॉकेट प्रक्षेपण, ड्रोन उपग्रह, पैराशूट और पैराड्रॉप चुनौती शामिल रहे। विद्यार्थियों के लिए खगोल विज्ञान एवं ब्रह्मांड, रॉकेट विज्ञान, उपग्रह एवं अंतरिक्ष यान, चंद्रयान एवं चंद्र अन्वेषण, मंगल ग्रह अन्वेषण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, भारतीय खगोल विज्ञान, अंतरिक्ष कला और व्यावहारिक कार्यशाला सहित नौ विशेष प्रदर्शन क्षेत्र बनाये गये। इनमें विक्रम लैंडर, प्रज्ञान रोवर, उपग्रहों के नमूने, रॉकेट मॉडल, दूरबीन, त्रिविमीय डिजाइन और अंतरिक्ष संबंधी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को प्रयोगात्मक जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में बीएचयू की वैज्ञानिक डॉक्टर पुरबी सैकिया, आईआईटी बीएचयू के असिस्टेंट प्रोफेसर कुलदीप वर्मा तथा खगोल वैज्ञानिक प्रोफेसर अमित पाठक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रो-वाइस चेयरमैन गौतम राजगढ़िया ने कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान बच्चों को सीमाओं से आगे सोचने और नयी संभावनाएं खोजने के लिए प्रेरित करता है। निदेशक सिद्धार्थ राजगढ़िया ने कहा कि ऐसे



आयोजन विद्यार्थियों में प्रश्न पूछने, प्रयोग करने और नये विचारों को साकार करने की क्षमता विकसित करते हैं। अतिथियों का स्वागत विद्यालय की प्रधानाचार्य मुनमुन सेनगुप्ता ने किया। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्य रोली मनखंड, विद्यालय प्रशासन के गौतम मिश्र, सभी लर्निंग लीडर्स, शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

चौबेपुर क्षेत्र के कादीपुर रेलवे स्टेशन से पांच सौ मीटर दूर बहादुरपुर गांव के समीप रविवार की शाम पांच बजे पथरी की दवा लेने जा रहे युवक डाउन दुर्ग एक्सप्रेस गाड़ी संख्या १५१६० की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गयी। मृतक की पहचान बहादुरपुर गांव निवासी चंदन कुमार ३० वर्ष के रूप में की गई।वह पथरी की दवा लेने शाम तीन बजे घर से निकला था।वह राजगीर मिस्त्री का काम करता था। मृतक को दो बच्चे हैं सूरज चार वर्ष व नागेश दो वर्ष है। पत्नी सुशीला को जब घटना की जानकारी हुई तो बेहोश हो गयी।घटना की सूचना मिलने पर वाराणसी सीटी की जी आर पी की पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि घटना स्थल पर थाने की पुलिस मौजूद है। जीआरपी पुलिस शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेज दी।

अहोई अष्टमी पर बाबा लाट भैरव का श्रृंगार

अहोई अष्टमी पर श्री कपाल भैरव अथवा लाट भैरव प्रबंधक समिति के



तत्वावधान में कज्जाकपुरा स्थित अनादिकालेश्वर बाबा श्री कपाल भैरव का विधिवत श्रृंगार किया गया।बाबा श्री को स्नानादि कराकर पुष्पहार से सुसज्जित कर रागभोग समर्पित किया गया।प्रथमेश श्री गणेश जी के पूजन के साथ अनुष्ठान प्रारम्भ हुआ।नवग्रह पूजन, जगतजननी जगदंबा माता काली व अष्ट भैरव का विधिवत पूजा किया गया।वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बाबा श्री लाट भैरव के विग्रह के सम्मुख पांच यजमानों द्वारा यज्ञकुंड में आहुतियां दी गईं।शुभ मुहूर्त में आचार्य रविन्द्र त्रिपाठी के आचार्यत्व में अष्टमी पूजन संपन्न कराया गया।देर रात्रि आरती उतारी गयीं।प्रसाद वितरण किया गया।मंदिर प्रबंध की ओर से अध्यक्ष रोहित जायसवाल, प्रधानमंत्री मुन्नालाल यादव, कोषाध्यक्ष छोटन केशरी, मीडिया प्रभारी शिवम अग्रहरि, बच्चेलाल बिंद, कृष्णा, आशीष कुशवाहा, रवि कुशवाहा आदि उपस्थित रहें।

मुगलसराय में नरायन दास सर्राफ के पांचवें शोरूम का शुभारम्भ

अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने किया उद्घाटन, अंगूरी भाभी की एक झलक पाने उमड़े प्रशंसक

मुगलसराय पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर (मुगलसराय) के जीटी रोड स्थित नरायन दास सर्राफ एंड संस ज्वेलर्स के पांचवें शोरूम



का रविवार को शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि अभिनेत्री एवं बिग बास सीजन-११ की विजेता शिल्पा शिंदे ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इससे पूर्व स्वर्गीय नरायन दास अग्रवाल की पत्नी विशुन रानी अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित किया। चौखंभा एवं गोपाल मंदिर के षष्ठ पीठाधीश्वर गोस्वामी श्याम मनोहर जी महाराज विशिष्ट अतिथि रहे। अंगूरी भाभी के नाम से मशहूर शिल्पा शिंदे को देखने प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। उन्होंने प्रशंसकों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और अपने चर्चित संवाद सुनाकर लोगों का मनोरंजन किया। उन्होंने प्रतिष्ठान को ग्राहकों के विश्वास का प्रतीक बताया। शोरूम के अधिष्ठाता अमित अग्रवाल ने सोने, हीरे, पोलकी, कुंदन और चांदी के आभूषणों की उपलब्धता की जानकारी दी। निदेशिका धारा अग्रवाल ने पूर्वांचल और बिहार में विस्तार की योजना बताई। दीपावली पर सोने के आभूषणों की मेकिंग चार्ज पांच प्रतिशत से शुरू है।

आज की नारी सब पर भारी, आत्मनिर्भरता ही उसकी ताकत-शिल्पा शिंदे

मुगलसराय टेलीविजन अभिनेत्री और बिग बास सीजन-११ की विजेता शिल्पा शिंदे ने कहा कि आज की नारी आत्मनिर्भर है और उसे किसी सहारे की जरूरत नहीं है। वह सब पर भारी है। रविवार को मुगलसराय स्थित नरायन दास सर्राफ एंड संस ज्वेलर्स के नये शोरूम के उद्घाटन के दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि बनारस आना खुद को रीचार्ज करने जैसा है। पहली बार यहां आकर उन्हें शहर की जीवंतता का अनुभव हुआ। भाभी जी घर पर हैं धारावाहिक से अंगूरी भाभी के रूप में पहचान बनाने वाली शिल्पा ने कहा कि बिग बास और लाकअप में भी दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। बालीवुड फिल्मों में काम करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि फिलहाल ऐसा नहीं सोचा है, लेकिन अच्छा प्रस्ताव मिलने पर जरूर विचार करेंगी। उन्होंने नरायन दास सर्राफ एंड संस ज्वेलर्स के आभूषणों की गुणवत्ता और आकर्षक डिजाइनों की सराहना की। प्रतिष्ठान के अधिष्ठाता अमित अग्रवाल और निदेशिका धारा अग्रवाल भी मौजूद रहे।

वॉलीबॉल खिलाड़ियों को दिया राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रसेवा का संदेश

राष्ट्रीय एकता दिवस पर रोटरी क्लब ऑफ वाराणसी कबीर की ओर से शनिवार को बीएलडब्ल्यू में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें करीब 40 वॉलीबॉल खिलाड़ियों ने सहभागिता की।



सदस्यों ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन करते हुए उनके बताए एकता और राष्ट्रसेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन डाक्टर अजय दुबे ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन एकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। खेल शारीरिक विकास के साथ टीम भावना, नेतृत्व और अनुशासन भी सिखाते हैं। कार्यक्रम संयोजक रोटेरियन अशोक राय ने कहा कि युवाओं में राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना जरूरी है। इस अवसर पर रोटेरियन पवन केशरी, सुधीर दुबे, प्रत्युष मिश्रा, शुभम जायसवाल, करण यादव और दिव्यांशु मौजूद रहे। खिलाड़ियों में मोहन शर्मा, कुलदीप, आशीष, सुरेश, हरीश राय और शुभांकर मिश्रा प्रमुख रहे। अंत में रोटेरियन सुधीर दुबे ने आभार जताया।

क्षय मुक्त काशी – निरोग काशी
क्षय रोग (TB) के लक्षण
समुचित आहार लेने पर भी शरीर का वजन कम होना। * भूख न लगना, अरुचि होना। * दो हफ्तों से अधिक समय तक खाँसी का ठीक न होना। * गहरी सांस लेने, खाँसने, छींक या हँसी आदि से छाती में चुभन सा दर्द। * थोड़ा श्रम करने से भी हाँफना। * हल्का बुखार जो बना रहे। * मुख से बलगम के साथ रक्त आना। * गले में गाँठ का तीन सप्ताह से अधिक समय तक बने रहना।
क्षय रोग उन्मूलन हेतु
सामाजिक संस्था संकल्प द्वारा 26 वर्षों से अनवरत चलने वाला शिविर/अभियान
क्षय मुक्त काशी–निरोग काशी
डॉ0 अश्विनी जैन क्लिनिक,मलदहिया, वाराणसी से प्रत्येक कार्यदिवस में संचालित है।
चिकित्सक
डॉ0 हर्षित जैन डॉ0 आंचल अग्रवाल (जैन)
संकल्प द्वारा प्रचारित व प्रसारित
-: सहयोग :-
आज
KGS कन्हैयालाल गुलालचन्द सर्राफ
सोने, कुन्दन व हीरे के आभूषणों का अनुपम संग्रह, चांदी के बर्तन, सोने व चांदी के सिक्कों एवम् ग्रह रत्नों की विशाल शृंखला उपलब्ध
चांदी सिल प्रति किलो- 1,84,000/–
सिक्का प्रति सैकड़ा- 2,24,000/–
सोना स्टैण्डर्ड 10 ग्राम- 1,37,200/–
सोना 22 कैरेट प्रति 10 ग्राम- 1,28,900/–

एक नजर इधर भी

दीपावली से पहले वंदे भारत स्लीपर का जलवा, पहली बुकिंग में ही फुल हुई ट्रेन

९ घंटे में बनारस से दिल्ली का सफर, प्रीमियम सुविधाओं के चलते यात्रियों की पहली पसंद बनी नयी ट्रेन

बनारस से नयी दिल्ली के बीच शुरू होने जा रही वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस को यात्रियों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। ट्रेन की बुकिंग शुरू होते ही यात्रियों में इसे लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। आलम यह है कि ८ नवंबर तक नयी दिल्ली से वाराणसी आने वाली इस ट्रेन की सभी सीटें फुल हो चुकी हैं। दीपावली और छठ पर्व पर घर लौटने वाले यात्रियों के बीच यह ट्रेन खास आकर्षण का केंद्र बन गई है।इस ट्रेन का नियमित



संचालन २ नवंबर से शुरू होगा। इससे पहले ३१ अक्टूबर को बनारस स्टेशन पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरी झंडी दिखाकर इस आधुनिक रेल सेवा का शुभारंभ किया था। वंदे भारत स्लीपर की सबसे बड़ी खासियत इसकी रफ्तार है। यह ट्रेन महज नौ घंटे में बनारस से नई दिल्ली का सफर पूरा करेगी। कम समय में आरामदायक यात्रा की सुविधा मिलने से यात्रियों का रुझान इसकी ओर तेजी से बढ़ रहा है। राजधानी और शिवगंगा एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों के बीच यह नई सेवा यात्रियों को एक और विकल्प उपलब्ध करा रही है।

तीन श्रेणियों में सफर, तय हुआ किराया

वंदे भारत स्लीपर में यात्रियों के लिए तीन श्रेणियां उपलब्ध हैं। वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का किराया १९१५ रुपये, द्वितीय श्रेणी का २४७० रुपये और प्रथम श्रेणी का किराया ३०३० रुपये निर्धारित किया गया है। किराया अपेक्षाकृत अधिक होने के बावजूद आधुनिक सुविधाओं और कम यात्रा समय के चलते यात्रियों में इस ट्रेन को लेकर खासा उत्साह है।

आटोमैटिक दरवाजे और कवच से लैस होंगे कोच

यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन में आधुनिक सुविधाएं दी गयी हैं। इसमें आटोमैटिक दरवाजे, आरामदायक बर्थ, आधुनिक कोच और कवच सुरक्षा प्रणाली जैसी सुविधाएं शामिल हैं। साफ-सुथरे कोच और प्रीमियम सफर का अनुभव भी इसे खास बना रहा है। त्योहारी सीजन में ट्रेनों में बढ़ती भीड़ के बीच वंदे भारत स्लीपर को मिल रहा रिस्पान्स रेलवे के लिए भी अहम है। बुकिंग शुरू होते ही सीटों का भर जाना इस बात का संकेत है कि यात्री अब तेज, सुरक्षित और आरामदायक रेल सफर को प्राथमिकता दे रहे हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव का वाराणसी दौरा कल



समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ एवं जिला प्रवक्ता संतोष यादव बबलू एडवोकेट ने संयुक्त बयान में बताया कि तीन नवम्बर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पूर्वाह्न ११.४५ बजे लालबहादुर शास्त्री एयरपोर्ट वाराणसी पहुंचेंगे जहां से पार्टी के जिला उपाध्यक्ष स्वर्गीय राजेश यादव नत्थू के असामयिक निधन पर उनके आवास सीर गोवर्धनपुर डाफी में उनके परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे। इसके पश्चात वे सीर गोवर्धनपुर स्थित पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश फौजी के यहां जायेंगे। इसके पश्चात राजेंद्र विहार कॉलोनी सुंदरपुर स्थित राजेश सिंह के आवास पर जायेंगे। इसके पश्चात वे वाराणसी एयरपोर्ट से लखनऊ चले जायेंगे।

व्यापारियों के वोट से बनेगी २०२७ की सरकार-डॉक्टर अनूप शुक्ल

२० दिसंबर को लखनऊ में होगी व्यापारी अधिकार रैली, २५ हजार व्यापारियों के जुटने का दावा

प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अनूप शुक्ल ने कहा कि व्यापारी अपनी राजनीतिक हिस्सेदारी के लिए अब चुप नहीं बैठेगा। व्यापारियों की मांगों को लेकर २० दिसंबर को लखनऊ के



रामलीला मैदान में व्यापारी अधिकार रैली आयोजित होगी, जिसमें २५ हजार व्यापारियों के शामिल होने की तैयारी है। वाराणसी आगमन पर उन्होंने कहा कि महंगाई से बिक्री प्रभावित है और विभिन्न विभागों की जांच के नाम पर व्यापारियों का उत्पीड़न तथा वसूली हो रही है। अतिक्रमण के नाम पर दुकानें तोड़ी जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों से उत्पीड़न बंद करने की मांग की। डॉक्टर शुक्ल ने कहा कि व्यापारी आगामी विधानसभा चुनाव में उसी दल का समर्थन करेंगे, जो उन्हें राजनीतिक हिस्सेदारी देगा। रैली की तैयारी के लिए संगठन प्रदेश की करीब ३०० विधानसभा क्षेत्रों में जनसंपर्क करेगा। इस दौरान सुनील शुक्ल, मनीषा जन, आनंद पांडेय, पारस केशरी, राजेश उपाध्याय, राजेश केसरी, महेश्वरी, किशन जायसवाल, सुनील मिश्र, माणिक चंद्र, सुनंदा सिंह और रश्मि जायसवाल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

म्यूजियम स्तूप घूमने आई जापानी महिला का खोया हुआ विदेशी, मुद्रा और दस्तावेज सहित बैग सकुशल वापस

सारनाथ क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाये रखने तथा पर्यटकों की सहायता हेतु निरंतर सतर्कता के मद्देनजर थानाध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी मय हमराह पुलिस बल के क्षेत्र में चेकिंग एवं शाम गश्त के दौरान म्यूजियम स्तूप घूमने आयी जापानी महिला पर्यटक का बैग कहीं गिर जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर थानाध्यक्ष सारनाथ ने तत्काल हमराह पुलिसकर्मियों एवं सारनाथ बीट पर नियुक्त अधिकारी/कर्मचारियों को बैग की तलाश हेतु लगाया गया। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए बैग को खोजकर सकुशल महिला पर्यटक के सुपुर्द कर दिया गया। बैग में एक हजार अमेरिका डॉलर, ६५ हजार भारतीय मुद्रा, ९० हजार जापानी येन, दो अदद क्रेडिट कार्ड और एकअदद पासपोर्ट सुरक्षित मिले। बैग एवं उसमें रखे समस्त सामान को सकुशल वापस पाकर जापानी महिला पर्यटक द्वारा थाना सारनाथ पुलिस की त्वरित काररवाई एवं सहयोग की सराहना करते हुए पूरी पुलिस टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी।



पार्टी हार गयी चुनाव, नेता जी अभी भी भ्रम में

मोदी के संसदीय क्षेत्र में विधान परिषद चुनाव में हार की गूंज दिल्ली तक पहुंची,विधानसभा चुनाव से पहले उच्च सदन में सपा के बढ़ते दखल ने इंडी गठबंधन को दी संजीवनी

बीते एक दशक में उत्तर प्रदेश की राजनीति ने काफी परिवर्तन देखा, सत्ता बदली, सियासी चेहरे बदले और निजाम भी बदल गया। कई विकास की लकीरें बनीं और कुछ दूरगामी नीतियां वर्ष २०१४ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद ही इन कयासों को पंख लग गये थे कि केंद्र के बाद अब उत्तर प्रदेश भाजपा का मुख्य लक्ष्य है। हुआ भी ऐसा ही। मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ा और ऐतिहासिक जीत मिली। नये चेहरों पर पार्टी ने विश्वास जताया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथ में इनकी कमान दी गयी। इसमें कोई दो राय नहीं है कि योगी सरकार का पहला कार्यकाल अच्छा था तभी उत्तर प्रदेश जैसे जटिल, बहुलतावादी राज्य में दोबारा योगी आदित्यनाथ



के नेतृत्व में सरकार बनी लेकिन इसके बाद हुए लोकसभा चुनाव में पार्टी को प्रदेश में अपेक्षित परिणाम नहीं मिले और इसका एक मुख्य कारण विपक्ष का एकजुट होकर चुनाव लड़ना था। विपक्ष मतलब समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और अन्य दलों ने मिलकर ऐसा गठबंधन बनाया, जो लोकसभा चुनाव के बाद से ही प्रदेश में हर छोटी-बड़ी बात पर सड़क पर आ जाता है। चुनावी हार से सबक नहीं लेना और सब कुछ नरेंद्र मोदी-अमित शाह पर छोड़ देना मोदी लहर में नेता बने नेताओं पर अब भारी पड़ता दिख रहा है। बीते विधान परिषद चुनावों में पार्टी को अपेक्षा अनुसार सीटें नहीं मिलना समझ आ सकता है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र से जुड़ी स्नातक, शिक्षक दोनों सीटें हारना भाजपा नेताओं के गले नहीं उतर रहा है। यही वजह है कि इसकी चर्चा दिल्ली तक हो रही है।

नेताओं का बदला लहजा, सार्वजनिक गुटबाजी

बताने की जरूरत नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी नहीं आते और उनकी कृपा नहीं होती तो आज जो नये पैराशूट नेताओं की फौज बनारस में दिख रही है, उनकी पैदाइश ही नहीं होती। एक दशक में आम जनता से इनके बातचीत का लहजा और गुटबाजी चरम पर है। हो भी क्यों न। गुटबाजी का कारण अन्य दलों से भाजपा में आये वह नेता हैं, जिनका भाजपा और संघ के मूल्यों से जीवनभर कोई लेना देना ही नहीं था। कुछ विशेष नेताओं की कृपा पर आज वह माननीय हो गये और जिन्होंने जीवनभर पोस्टर चिपकाए, अपना परिवार छोड़कर पार्टी के लिए गांव-गिरांव की खाक छानी, उनकी उपेक्षा हो रही है। कोई भी बड़ा आदमी आता है तो पैराशूट इंट्री से आये नेताओं का काकस एक्टिव मोड में आ जाता है। नतीजा यह कि आम कार्यकर्ता, जनता की बात पहुंच नहीं पाती। इस बात को आसानी से समझा जा सकता है कि बाहर से आये नेताओं को अभी तक इस बात की चिंता नहीं है कि वाराणसी खण्ड स्नातक और शिक्षक विधान परिषद चुनाव में हार हुई है। सही मायने में इसकी समीक्षा होनी चाहिए थी और जिम्मेदार नेताओं से जवाब लिया जाता। इसके इतर पार्टी की हार हो गयी है और नेता जी को रत्तीभर का फर्क ही नहीं है।

टिकट के लिए बात हो गयी है

सियासत में लंबा दांव खेलने के लिए जरूरी है कि नेता बनने के लिए पहले गॉडफादर बनाइए। यह कान्सेप्ट सभी नेताओं ने अपना लिया है। ऐसे में वार्ड, मंडल और विधानसभा की चिंता से पहले उन्होंने अपने गाडफादर के चक्कर लगाने शुरू कर दिये हैं। इन माननीयों के करीबियों की मानें तो उनके बास की बात बॉस के बास से हो गयी है और टिकट पक्का है। चाहे जो हो, जनता से भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की बढ़ती दूरी पार्टी के नेताओं को भी चिंता में डाले हुए है। यह हालत रही तो यह तय है कि विधानसभा चुनाव में नतीजे रोमांचित करने वाले होंगे।

मतदाता सूची में फर्जी नामों की भरमार, शिक्षक संघ ने उठाए सवाल

अस्तित्वहीन विद्यालयों के नाम पर ४२ मतदाता दर्ज, कई बूथों पर दोहरी प्रविष्टियां भी मिलीं

विधान परिषद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में गड़बड़ियों को लेकर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ने गंभीर सवाल उठाये हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुधांशु शेखर त्रिपाठी ने गाजीपुर जिले की अंतिम मतदाता सूची में फर्जी विद्यालयों, अपात्र शिक्षकों और दोहरी प्रविष्टियों के जरिये नाम शामिल किये जाने का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी, लखनऊ को ज्ञापन भेजा है। संघ के अनुसार, छह जनवरी २०२६ को प्रकाशित सूची में मोहम्मदाबाद के बूथ संख्या ४९ पर अस्तित्वहीन आदर्श इंद्र इंटर कालेज के नाम पर ४२ मतदाता दर्ज हैं। बिरनो के बूथ ४६ पर बीपीएसपीयूपी के नाम से २२ और भांवरकोल के बूथ ५१ पर २८ मतदाता बनाये गये हैं। जंगीपुर, बिरनो और कासिमाबाद में भी ४६ मतदाताओं के नाम विद्यालय का उल्लेख किये बिना दर्ज हैं। कई नाम दो-दो बूथों पर भी दर्ज होने का आरोप है। संघ ने तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव नहीं रखने वाले और बेसिक शिक्षा के शिक्षकों के नाम शामिल किये जाने पर भी आपत्ति जतायी है। संगठन ने जांच कर अपात्र नाम हटाने की मांग की है।

तीन साल का शिक्षण अनुभव न रखने वालों के नाम शामिल करने का आरोप, मुख्य निर्वाचन अधिकारी से जांच और काररवाई की मांग



ओवर ब्रिज पर सड़क दुर्घटना में बाइक सवार अधेड़ की मौत, पत्नी घायल

राजातालाब। राजातालाब हाईवे ओवर ब्रिज पर राजातालाब से मिर्जामुराद जाने वाले रूट पर फोर व्हीलर वाहन की टक्कर से बाइक सवार पति की मौत हो गयी, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजातालाब थाना क्षेत्र के गजापुर निवासी किसान राजाराम सिंह मोटरसाइकिल से अपनी पत्नी रज्जू सिंह के साथ राजातालाब ओवर ब्रिज के रास्ते मिर्जामुराद की तरफ जा रहे थे कि उसी लेन में गलत दिशा से सामने से लापरवाही पूर्वक आ रहे फोरव्हीलर वाहन के चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों को गंभीर चोट आयी, जिन्हें इलाज के लिए हेरिटेज हॉस्पिटल भदवर में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान राजाराम सिंह उम्र करीब (५५ वर्ष) की मृत्यु हो गयी। घायल पत्नी का इलाज चल रहा है।

सामाजिक न्याय-समावेशी विकास हमारी प्राथमिकता-निशांत कुमार

जदयू ने काशी से किया यूपी में संगठन विस्तार का शंखनाद, २०२७ के चुनाव की तैयारी शुरू, कार्यकर्ताओं से किया गांव-गांव पहुंचने का आह्वान, चार से छह विधायक जिताने का लक्ष्य

करौता स्थित रामलीला मैदान में रविवार को जनता दल (यू) के विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन में उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार और वर्ष २०२७ के विधानसभा चुनाव की तैयारी का आह्वान किया गया। बिहार सरकार के मंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी श्रवण कुमार, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद संजय कुमार झा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को गांव और बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया। श्रवण कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में हुए विकास कार्य उत्तर प्रदेश के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने निशांत कुमार को युवाओं की आशा बताते हुए कार्यकर्ताओं से उन्हें स्नेह और



आशीर्वाद देने की अपील की। निशांत कुमार ने कहा कि राजनीति पद और प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम है। सामाजिक न्याय, सुशासन और समावेशी विकास पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने बिहार में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और जीविका के क्षेत्र में हुए कार्यों का उल्लेख किया। निशांत कुमार ने कहा कि जदयू एनडीए के सहयोगी दल के रूप में २०२७ का विधानसभा चुनाव लड़ने का प्रयास करेगी। इस संबंध में शीर्ष नेतृत्व में विचार-विमर्श चल रहा है। संजय कुमार झा ने कहा कि २०२७ का चुनाव प्रदेश में संगठन की परीक्षा होगी। कार्यकर्ता नीतीश कुमार की विकासपरक नीतियों और बिहार मॉडल को गांव-गांव तक पहुंचाएं। उन्होंने चार से छह विधायक निर्वाचित कराने का लक्ष्य भी सामने रखा। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल ने की। इस दौरान बछांव गांव के अभिषेक कुमार मिश्रा के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों सहित गोरखपुर और गाजीपुर से आए लोगों ने जदयू की सदस्यता ग्रहण की। सम्मेलन में मंत्री जमा खान, सांसद कौशलेंद्र कुमार, सुनील कुमार, पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला, अजीत चौधरी, विधायक अमरेंद्र पांडेय, राहुल सिंह और पूर्व सांसद विजय मांझी सहित बिहार एवं उत्तर प्रदेश के अनेक नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रात में हुई झमाझम बारिश, तापमान गिरा

अक्तूबर में सामान्य से ३६ फीसद ज्यादा वर्षा, कल तक मौसम होगा साफ







थोड़ी देर की राहत के बाद एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली है। रात में हुई अचानक वर्षा ने लोगों को भिंगोने में कसर नहीं की और तापमान भी गिर गया। अर्नब तूफान को लेकर जताई गई आशंकाओं के बीच भले ही मौसम ने उतना विकराल रूप नहीं लिया, लेकिन इसकी ठंडी हवाओं ने लोगों को सर्दियों की दस्तक का एहसास बीते दिनों करा दिया। गुरुवार रात से ही घरों में पंखे, कूलर और एसी बंद हो गए हैं। रविवार सुबह आसमान में हल्के बादल छाए रहे। तापमान २० डिग्री सेल्शियस दर्ज किया गया। रविवार रात में वाराणसी में तेज बारिश हुई। अचानक मौसम बदलने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के चलते सड़कों पर आवाजाही प्रभावित हुई। ठंड और गलन बढ़ने के भी आसार हैं। मौसम वैज्ञानिक मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि तीन नवंबर तक आसमान पूरी तरह साफ होने की संभावना है। इसके बाद मौसम में स्थिरता आने के साथ सुबह और रात की ठंडक महसूस होगी।

इस माह खूब बरसे मेघ

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक वाराणसी में अक्टूबर महीने के दौरान सामान्य से १३६ प्रतिशत बारिश दर्ज की गई। एक से ३१ अक्टूबर के बीच कुल ६६.८ मिलीमीटर बारिश हुई। लगातार बारिश और बादलों के कारण तापमान में गिरावट आई है। इससे दिन में गर्मी से राहत मिली, जबकि सुबह-शाम मौसम सुहाना हो गया।

रबी की फसलों के लिए बारिश राहत, सतर्कता जरूरी

मौसम में आए बदलाव का असर खेतों में भी दिखने लगा है। रबी की बुवाई की तैयारी कर रहे किसानों के लिए अक्टूबर की बारिश खेतों में नमी बनाए रखने में मददगार साबित हो सकती है। गेहूं, चना, मटर और सरसों जैसी फसलों की बुवाई के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी जरूरी होती है। हालांकि, जिन खेतों में पानी जमा है, वहां बुवाई करने से बचना चाहिए। अधिक नमी से बीज सड़ने और अंकुरण प्रभावित होने का खतरा रहता है। किसानों को खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने, मिट्टी की नमी देखकर बुवाई करने और मौसम साफ होने पर खेत तैयार करने की सलाह दी जाती है। खासकर सरसों और दलहनी फसलों की बुवाई में खेत में जलनिकासी का ध्यान रखना जरूरी है।

किसानों का नुकसान

खेतों में पानी भरने से आलू, सरसों और मटर की बोआई लेट होगी। रथौली के किसान दुर्गेश चौबे ने बताया कि इस बार धान की फसल अच्छी स्थिति में थी, लगभग एक हफ्ते बाद कटाई शुरू होने वाली थी। लेकिन, तेज हवा और बारिश के कारण नुकसान हुआ है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के चेयरमैन पुनीत कंसल ने वाराणसी एयरपोर्ट पर निर्माणाधीन टर्मिनल का किया निरीक्षण

बाबतपुर। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के चेयरमैन पुनीत कंसल ने वाराणसी के बाबतपुर लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने एयरपोर्ट पर तेजी से चल रहे निर्माणाधीन नए टर्मिनल भवन के विकास कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। चेयरमैन ने निर्माण कार्य की सुस्त गति और तय मानकों की समीक्षा करते हुए संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों को दिसंबर तक निर्माण कार्य हर हाल में पूरा करने के सख्त निर्देश दिये हैं। दिसंबर तक लक्ष्य प्राप्ति की चेतावनी चेयरमैन पुनीत कंसल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रोजेक्ट को किसी भी सूरत में दिसंबर की समय-सीमा के भीतर ही पूरा किया जाना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की कोताही या अनावश्यक देरी को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिये कि निर्माण की रफ्तार बढ़ाने के साथ-साथ मैटेरियल और फिनिशिंग की गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। उच्चस्तरीय



समीक्षा बैठक- निरीक्षण के तुरंत बाद चेयरमैन ने एयरपोर्ट के वरिष्ठ अधिकारियों, इंजीनियरों, और निर्माण कार्य में जुटी कंपनियों (एजेंसियों) के प्रतिनिधियों के साथ एक मैराथन बैठक की। इस बैठक में प्रोजेक्ट में आ रही छोटी-बड़ी तकनीकी बाधाओं पर चर्चा कर उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिये गये।

पीक आवर्स के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को संभालने के लिए विशाल और अत्याधुनिक परिसर की उपलब्धता

आधुनिक चेक-इन और बैगेज सिस्टम- यात्रियों के लिए हाई-टेक चेक-इन काउंटर और स्वचालित बैगेज हैंडलिंग सिस्टम , जिससे लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी। काशी की संस्कृति की झलक नए टर्मिनल के आंतरिक सौंदर्यकरण में काशी की प्राचीन संस्कृति, कला, और आध्यात्मिक विरासत की विशेष झलक देखने को मिलेगी, जो यहां आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध करेगी। चेयरमैन पुनीत बंसल के इस सख्त रुख के बाद एयरपोर्ट प्रशासन और निर्माण एजेंसियों ने अपनी कार्ययोजना को और तेज कर दिया है। अब कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दिसंबर की तय समय-सीमा के भीतर वाराणसी एयरपोर्ट का यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाए और इसे यात्रियों को समर्पित किया जा सके।

एक नजर इधर भी

विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला,मुकदमा दर्ज

बड़ागांव थानाक्षेत्र के बाबतपुर गांव निवासिनी एक विवाहिता को उसका पति ससुराल में क्रूरता पूर्वक मारता पीटता रहा उसकी प्रताड़ना से त्रस्त जब वह मायके आई तो पति ने यहां भी पहुंच कर मारपीट कर मोबाइल छीन कर चला गया जिससे भयभीत विवाहिता ने पति के विरुद्ध स्थानीय थाने में मुकदमा पंजीकृत कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उपरोक्त गांव निवासिनी प्रियंका सरोज पुत्री बुद्धिराम सरोज की शादी कुछ वर्ष पहले जौनपुर जनपद के जलालपुर थाना अंतर्गत मझगवां खुर्द गांव निवासी पप्पू सरोज के पुत्र आशीष सरोज के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद उसका पति आयेदिन उसे मारने पीटने के साथ घर का सामान बेचने लगा।हद तब हो गई जब वह गत २० मई को विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया। विवाहिता ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने मायके में भी आकर उसे मारा पीटा और जान से मारने की धमकी देते उसका मोबाइल छीन कर भाग गया।

हादसे में घायल युवक की छह दिन बाद हुई मौत

पिंडरा। सिंधोरा थाना क्षेत्र के ओदार रोड पर ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से ऑटो सवार युवक गंभीर रूप से घायल युवक की रविवार को मौत हो गई। वही घटना के छह दिन बाद पुलिस ने मामले में घायल होने के बाबत एफआईआर दर्ज की। लेकिन दोपहर बाद युवक की मौत हो गई। बताते हैं कि ओदार गांव निवासी सुजीत पाल २५ अक्टूबर की शाम करीब ५.३० बजे ऑटो से सिंधोरा से अपने घर लौट रहा था। वह टीकरा से करीब सौ मीटर आगे ओदार रोड पर पहुंचा था, तभी सामने से आ रहे खाली ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि सुजीत के दाहिने पैर व सिर में गंभीर चोटें आईं। घायल के भाई शिवम पाल की तहरीर पर छह दिन बाद सिंधोरा पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा २८१ और १२५ (ए) व १२५ (बी) के तहत मामला दर्ज किया है। लेकिन रविवार को इलाज के दौरान घायल युवक की मौत हो गई।सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण हेतु भेज दिया।

एसी कोच में सफर कर रही महिला का पर्स पार, 10 हजार नकदी और मोबाइल चोरी

नयी दिल्ली-बनारस एक्सप्रेस की एसी बोगी में सफर कर रही महिला यात्री का उचक्कों ने पर्स पार कर दिया। पर्स में १० हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और एसबीआई के क्रेडिट व डेबिट कार्ड रखे थे। पीड़िता की तहरीर पर ज्ञानपुर जीआरपी ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली के खान मार्केट क्षेत्र निवासी डाक्टर नेहा अखिलेश कुमार सिंह ने तहरीर में बताया कि वह ३१ अक्टूबर को गाड़ी संख्या १२८२ नयी दिल्ली-बनारस एक्सप्रेस के ए-२ कोच में यात्रा कर रही थीं। सुबह करीब ६.३० बजे भरवारी स्टेशन के पास उन्हें अपना पर्स गायब होने की जानकारी हुई। काफी तलाश के बाद भी पर्स का पता नहीं चल सका।

धूमधाम से सम्पन्न हुआ 'द ओजी डांडिया नाइट गरबा उत्सव '

मड़ौली रोड स्थित शुभारंभ लॉन में ज्योति ताश्या म्यूजिकल इवेंट्स ग्रुप एवं तुलसी कैटरर्स एवं तुलसी टेंट हाउस कीओर से आयोजित 'द ओजी डांडिया नाइट गरबा उत्सव ' भव्यता एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉक्टर दयाशंकर मिश्र 'दयालु' राज्य मंत्री (आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन) की उपस्थिति रही। इस अवसर पर समाजसेवी एवं सलाहकार विपिन चक्रवाल, धानुका के संस्थापक गौरी शंकर एवं समाजसेवी प्रशांत शंकर व्यास सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम में रंगारंग गरबा, डांडिया, लाइव



डीजे, गायन ,ढोल एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। उत्साह और उमंग से भरे इस आयोजन में लोगों ने जमकर गरबा एवं डांडिया का आनंद उठाया।कार्यक्रम की संयोजकता ज्योति गुप्ता ने की। मंच संचालन आरजे अमीशा ने किया, जबकि कार्यक्रम का प्रबंधन नागमणि मौर्या एवं हिमांशु कुशवाहा ने संभाला। धन्यवाद ज्ञापन प्रतिभा व्यास ने किया।

त्वचा और बालों की देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर

७५० एडी हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड दो पहलों के माध्यम से उत्तर प्रदेश में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही है। कंपनी सारनाथ में आयोजित वाराणसी ब्यूटी कार्निवल में अपने स्किनकेयर ब्रांड ला रवाया को प्रस्तुत करेगी। साथ ही, चंदौली स्थित के.जी. नंदा हॉस्पिटल में हर सप्ताह



निःशुल्क त्वचा एवं बाल विश्लेषण की पहल शुरू करेगी।श्रेया ब्यूटी कलेक्शन द्वारा प्रस्तुत और ७५० एडी हेल्थकेयर के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय वाराणसी ब्यूटी कार्निवल एक और दो नवंबर को सारनाथ स्थित रोज गार्डन में सुबह नौ बजे से शाम सात बजे तक आयोजित होगा।इसके अतिरिक्त, ७५० एडी हेल्थकेयर स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आनंद प्रकाश तिवारी, एमएस, के साथ जुड़ रही है। डॉक्टर तिवारी उत्तर प्रदेश के चंदौली में जी.टी. रोड, बिछिया कलां स्थित के.जी. नंदा हॉस्पिटल के स्वामी एवं निदेशक हैं। इन पहलों पर टिप्पणी करते हुए सीईओ मिथुन मजूमदार ने कहा कि टियर-२ बाजारों में हमारा विस्तार स्थानीय जरूरतों को समझने और भरोसेमंद संबंध बनाने से शुरू होता है। निदेशक शबनम खान कंपनी और ला रवाया का प्रतिनिधित्व करते हुए वाराणसी ब्यूटी कार्निवल में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी।

सरदार पटेल जयंती पर लोसपा ने दिया सामाजिक एकता का संदेश

पिंडरा। लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती लोकजन सोशलिस्ट पार्टी की ओर से धांजयपुर में मनायी गयी। कार्यक्रम में सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर वीरेंद्र विश्वकर्मा ने देश की एकता और अखंडता में उनके योगदान को याद करते हुए सामाजिक समरसता, भाईचारे और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव राजेश विश्वकर्मा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सतीश चौहान, शौकत अली, श्यामसुंदरी राम, धनश्याम यादव,राजेश पटेल, राजकुमार विश्वकर्मा, राधेश्याम विश्वकर्मा तथा दिनेश शर्मा, ग्राम प्रधान संजय पटेल, पूर्व ग्राम प्रधान विनय पांडेय, विनय मिश्रा समेत अनेक संभ्रांत ग्रामीण उपस्थित रहे।

सिपाही पर फायरिंग की घटना में शामिल दो और बदमाश गिरफ्तार, अवैध असलहा फैक्ट्री का भंडाफोड़

तीन पिस्टल-१४३ कारतूस, हथियार बनाने वाली मशीनें, उपकरण और कच्चा माल भी बरामद की टीम, पुलिस कमिश्नर ने की टीम को एक लाख रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा

सुंदरपुर स्थित आशुतोष नगर कालोनी में असलहा तस्करों की गिरफ्तारी करने पहुंची पुलिव टीम पर फायरिंग के मामले में शामिल लंका पुलिस ने शनिवार को और दो





बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके निशानदेही पर सामने घाट की शिवाजी नगर कॉलोनी में पुलिस ने अवैध असलहा बनाने की फैक्ट्री का खुलासा किया है। एक किराये के मकान की दूसरी मंजिल पर चल रही इस फैक्ट्री से तीन देसी पिस्टल, १४३ जिंदा कारतूस और २४ खोखा कारतूस हथियार बनाने वाली मशीनें, उपकरण और कच्चा माल भी बरामद किया है। यह जानकारी एडीसीपी काशी जोन वैभव बागंर ने लंका थाने में आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों से बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि फायरिंग के मामले में शामिल पकड़े गये विमल कांत झा और अमन कुमार मिश्र पर आयुध अधिनियम के तहत कारवाई की गयी है। पुलिस के मुताबिक, इस फैक्ट्री का संबंध उन असलहा तस्करों से है, जिन्होंने शुक्रवार को सिपाही के ऊपर हमला किया था। एडीसीपी ने बताया कि असलहा तस्करों की तलाश के दौरान मुख्य आरोपी अंजनी नंदन झा की कॉल डिटेल रिकॉर्ड खंगाली गयी। इसमें घटना से कुछ समय पहले अमन कुमार मिश्र से बातचीत सामने आयी। सर्विलांस की मदद से अमन को हिरासत में लेकर पूछताछ की गयी। शुरुआत में अमन पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन बाद में उसने अंजनी नंदन झा से करीबी संबंध होने और उसके अवैध असलहों एवं कारतूसों की सप्लाई में मदद करने की बात स्वीकार की। उसने पुलिस को सामने घाट स्थित उस मकान का पता भी बताया, जहां हथियार बनाये और रखे जाते थे।

घर में मिले हथियार और मशीनें

पुलिस टीम अमन को लेकर बताये गये मकान पर पहुंची। वहां अंजनी नंदन झा के परिजन मौजूद थे। तलाशी के दौरान पुलिस को भारी मात्रा में अवैध हथियार, कारतूस और हथियार बनाने की सामग्री मिली। बरामद सामान में तीन देसी पिस्टल ३२ बोर, १४३ जिंदा कारतूस, २४ खोखा कारतूस, हथियार बनाने की मशीनें, औजार, लोहे के टुकड़े, धातु, लिक्विड और नाप-तौल की मशीनें शामिल हैं।

बिहार तक फैले नेटवर्क की जांच में जुटी टीम

पुलिस के अनुसार, अंजनी नंदन झा कथित तौर पर अवैध असलहों के निर्माण और सप्लाई के कारोबार में शामिल था। अमन कुमार मिश्र और विमल कांत झा भी इस नेटवर्क से जुड़े हुए थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह किन-किन लोगों को हथियार सप्लाई करता था और इसके तार कहां तक जुड़े हैं।

मुठभेड़ में पकड़े जा चुके हैं तीन आरोपी

आरक्षी अमित शुक्ल को गोली मारने की घटना के बाद पुलिस ने गैंग लीडर अंजनी नंदन झा समेत राज विश्वकर्मा और राजू तिवारी को भी गिरफ्तार किया था। अब दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या पांच हो गयी है।

महीनों से संचालित अवैध हथियार फैक्ट्री,एलआइयू पुलिस को पता तक नहीं

सामनेघाट इलाके में पिछले तीन महीने से एक घर के भीतर अवैध हथियार फैक्ट्री चल रही थी। इस फैक्ट्री में बनकर न जाने कितने असलहा बाजार में जर्म की कहानी लिखने के लिए बिक गयी हैं। इतने बड़े असलहा रैकेट का संचालन की जानकारी स्थानीय एलआईयू और पुलिस को नहीं होना पुलिस के लिए सवाल खड़ा कर दिया हैं। असलहा फैक्ट्री शिवाजी नगर में पकड़े जाने एलआईयू पुलिस लंका पुलिस के कार्यशैली गोपनीय सूचना को लेकर कितना सजग हैं यह स्पष्ट हो गया। क्षेत्र में चल रही गतिविधियों पर एलआईयू और लंका थाने की पकड़ बहुत कमजोर हैं। जिसको लेकर पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। लंका थाना के कुछ पुलिस सूत्रों की मानें तो असलहा तस्करों की जानकारी पकड़े गये आरोपियों की साथी से मनमुटाव होने के बाद हुई। साथी ने बगावत होने पर लंका थाने के क्राइम टीम को मुखबिरी करके जानकारी दें दी थी। इसके बाद पुलिस कर्मी सादे कपड़े में पकड़ने के लिए पहुंचे थे।

राम के प्रति निष्कपट प्रेम और समर्पण ही सच्ची भक्ति का आधार है - साध्वी श्रीनिष्ठा

कौशलेश नगर कॉलोनी नागरिक समिति एवं श्रीराम कथा आयोजन समिति के संयुक्त तत्वावधान में सुंदरपुर स्थित कौशलेश नगर पार्क में आयोजित सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के सातवें एवं अंतिम दिन वृंदावन से पधारीं कथा व्यास साध्वी श्रीनिष्ठा ने भगवान श्रीराम के केवट प्रसंग, माता शबरी की अनन्य भक्ति, हनुमान जी से प्रभु श्रीराम के मिलन, सूर्पणखा प्रसंग तथा माता सीता के



हरण की कथा का अत्यंत भावपूर्ण एवं विस्तारपूर्वक वर्णन किया।कथा व्यास ने केवट प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान श्रीराम ने वनवास के दौरान गंगा पार करने के लिए केवट से नाव मांगी। केवट ने प्रभु के चरण पखारकर उन्हें नाव में बैठाया। यह प्रसंग सिखाता है कि भगवान के प्रति सच्चा प्रेम और समर्पण हो तो सामाजिक एवं आर्थिक भेदभाव का कोई महत्व नहीं रह जाता। भगवान श्रीराम अपने भक्तों के प्रेम और भाव के वशीभूत रहते हैं।माता शबरी की भक्ति का वर्णन करते हुए साध्वी श्रीनिष्ठा जी ने कहा कि शबरी ने वर्षों तक प्रभु श्रीराम के आगमन की प्रतीक्षा की। उनके प्रेम और श्रद्धा से भगवान स्वयं उनकी कुटिया में पधारे और उनके प्रेमपूर्वक अर्पित किए गए बेर ग्रहण किए। इससे यह संदेश मिलता है कि भगवान को व्यक्ति की संपत्ति, वैभव या पद नहीं, बल्कि उसका निर्मल हृदय और निष्कपट भक्ति प्रिय है।कार्यक्रम के मुख्य यजमान डॉक्टर आनंद मिश्र नूतन एवं श्रीमती सत्या मिश्रा ने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ व्यास पीठ का पूजन एवं तिलक किया। आचार्य आशीष मिश्रा एवं पंडित राकेश कुमार दूबे ने विधिवत पूजन-अर्चन संपन्न कराया।इस अवसर पर कथा संयोजक वरुण सिंह, प्रमील पाण्डेय एवं अशोक पटेल ने सात दिनों तक कथा में पधारे श्रद्धालुओं एवं संतजनों का सम्मान किया। विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने आयोजनकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। कथा संयोजकों ने अतिथियों का अंगवस्त्र भेंटकर सम्मान एवं अभिनंदन किया।कथा में प्रमुख रूप से वरुण सिंह, प्रमील पाण्डेय, अशोक पटेल, राजेश नागर, राजीव सिंह पटेल, इंद्रजीत सिंह, फतह बहादुर सिंह, संतोष श्रीवास्तव, मुन्ना सिंह, कैलाश तिवारी, विपिन सिंह, शत्रुघ्न त्रिपाठी, धीरज सिंह, संजीव सिंह, अंकित ओझा, परितोष पाण्डेय, प्रियांशु, सतीश पाल, हिमांशु, गुड्डू, मंचल मिश्र, रीना त्रिपाठी, प्रियंका पाण्डेय, रीता सिंह, इंदु सिंह, चंदा देवी, शशि , पार्वती देवी , सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चौबेपुर थाने में निकला दोमुंहा सांप, वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा

चौबेपुर। स्थानीय थाना परिसर में रविवार को एक दोमुंहा रेड सैंड बोआ सांप मिलने से पुलिसकर्मियों में कुछ देर के लिए कौतूहल मच गया। सांप दिखाई देने पर उप निरीक्षक चंद्रमोहन यादव ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सांप को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू किया। बताया गया कि सांप रेड सैंड बोआ प्रजाति का है, जिसे आम बोलचाल में दोमुंहा सांप कहा जाता है। सांप के मिलने की जानकारी होते ही उसे देखने के लिए पुलिसकर्मियों की भीड़ जुट गयी।

महानगरी एक्सप्रेस की सुपरफास्ट पहचान खत्म, फिर पुराने नंबर से होगी संचालित,बनारस-एलटीटी का भी बदला नंबर

रेलवे ने वाराणसी से मुंबई और लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए अहम बदलाव किया है। महानगरी एक्सप्रेस और बनारस-एलटीटी एक्सप्रेस अब सुपरफास्ट की जगह सामान्य एक्सप्रेस श्रेणी में संचालित होंगी। इसके साथ ही दोनों ट्रेनों के नंबर भी बदल दिये गये हैं। एक जनवरी २०२७ से ये ट्रेनें अपने पुराने नंबरों के साथ पटरी पर दौड़ेंगी। रेलवे प्रशासन के अनुसार, वाराणसी-मुंबई महानगरी एक्सप्रेस (२२१७७) अब एक जनवरी २०२७ से अपने पुराने नंबर ११०९३ से संचालित होगी। वहीं, मुंबई-वाराणसी महानगरी एक्सप्रेस (२२१७८) का नंबर बदलकर ११०९४ कर दिया गया है। इसी तरह लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी)-बनारस एक्सप्रेस (१२१६७) अब ११०६७ नंबर से चलेगी, जबकि बनारस-एलटीटी एक्सप्रेस (१२१६८) को नया नंबर ११०६८ आवंटित किया गया है। ये बदलाव भी एक जनवरी २०२७ से प्रभावी होंगे। दरअसल, संसदीय समिति ने इन दोनों ट्रेनों को सुपरफास्ट श्रेणी में रखे जाने पर सवाल उठाये थे। समिति का कहना था कि ट्रेनों की औसत गति और ठहराव के मानकों के आधार पर इन्हें सुपरफास्ट श्रेणी में रखना उचित नहीं है। इसके बाद रेलवे बोर्ड ने दोनों ट्रेनों की श्रेणी में बदलाव करते हुए इन्हें एक्सप्रेस घोषित कर दिया। इसी के चलते इनके नंबरों को भी सुपरफास्ट की २२ और १२ सीरीज से हटाकर पुरानी ११ सीरीज में वापस कर दिया गया है।

मैनेजर का अपहरण कर डकैती करने और रंगदारी मांगने के मामले में मिली जमानत

संस्था में कार्यरत मैनेजर को बंधक बनाकर उससे डकैती करने और घर वालों से फिरौती मांगने के मामले में दो आरोपितों को कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई। अपर जिला जज (प्रथम) संध्या श्रीवास्तव की अदालत ने सुसुवाही, चितईपुर निवासी आरोपित रविशंकर कुमार व सुधीर कुमार यादव को ५०-५० हजार रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव ने पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार वादी मुकदमा राजकुमार सिंह ने भेलूपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि उसका पुत्र सम्राट सिंह पिछले लगभग सात महीने से निलांचल जगन्नाथ सेवा एलपीटी, दुर्गाकुंड में मैनेजर के पद पर कार्यरत था। अचानक छह सितंबर २०२६ को ०९.३० बजे पुत्र के मोबाइल से फोन आया, वह काफी घबराया हुआ लग रहा था और कहने लगा कि पापा हमें बचा लो नहीं तो ये लोग मार डालेंगे और कहने लगा कि पांच लाख ५० हजार रूपये लेकर तुरन्त चले आओं। जब प्रार्थी ने कारण पूछा तो फोन कट गया। प्रार्थी की पत्नी ने जब फोन मिलाया तो सम्राट के मालिक धवल पटेल ने फोन उठाया और कहा कि लड़का काम में कुछ पैसे की हेरा-फेरी किया है, तुरन्त पैसा भेजो, जब तक पैसा नहीं मिलेगा, तब तक लड़का नही मिलेगा और फोन काट दिया। घबराहट मे प्रार्थी और उसकी पत्नी आनन-फानन बस पकड़कर अपने साथ अपने मकान की रजिस्ट्री की मूल प्रति लेकर बनारस गये।



जब हम लोग सुबह वहाँ पहुँचे तो होटल हरे कृष्णा में प्राथी का पुत्र कहीं बन्द कर रखा गया था और उनसे मिलने नहीं दिया गया। लगभग १२ बजे मिलवाया, तो देखा कि उसके पुत्र के सिर से खून बह रहा था और पीठ और हाथ-पैर पर शरीर मे सब जगह चोट के निशान थे। जब हमने बच्चे को ले जाने की कोशिश की तो वहाँ पर मौजूद लोग धवल पटेल, सुधीर यादव, समीर खान, रविशंकर कुमार, कुलशेखर पाण्डेय आदि ने सम्राट को पकड़ लिया और थप्पड़ मारने लगे हमसे कहने लगे कि तुम्हारे पुत्र ने ग्राहको का पैसा अपने खाते में लिया है। उन लोगो ने प्रार्थी एवं पार्थी की पत्नी का मोबाइल जमा करा लिया और रिश्तेदारों को फोन कर पैसा मंगाने का दबाव बनाया। इसके बाद सात सितंबर २०२६ को शाम लगभग ०८.३० बजे प्रार्थी की पत्नी के गहने, चेन, अंगूठी, झुमका, पायल छीन लिया और किसी को बुलाकर एक लाख रूपये में झुमका बेच दिया। वे लोग प्रार्थी उसकी पत्नी व पुत्र को मारना चाहते थे। फिर उसी रात लगभग १२ बजे वे लोग प्रार्थी को लेकर अपने चार पहिया से प्रार्थी के लखनऊ स्थित मकान आये, जहाँ से उनके दबाव पर प्रार्थी ने उनको एक-एक लाख की चार चेक और ४० हजार की एक चेक दिया। उसके बाद लगभग नौ बजे आठ सितंबर २०२६ को उन लोगो ने प्रार्थी के घर का वीडियो बनाया और प्रतापगढ़ स्थित पैतृक गाँव ग्राम बढ़नी पोस्ट पणवासी, थाना लीलापुर जिला प्रतापगढ़ ले गये और पार्थी के घर व जमीन का वीडियो बनाया। शाम लगभग चार बजे वे लोग प्रार्थी को बनारस लेकर पहुंचे। इसी दौरान सोची-समझी योजना के तहत प्रार्थी के पुत्र से एक मनगढन्त स्टाम्प पर पर हस्ताक्षर करवाया। प्रार्थी के मकान की मूल रजिस्ट्री एवं प्रार्थी के पुत्र को मोबाइल को सिम सहित रख लिये। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

जगतपुर पी.जी. कॉलेज जगतपुर वाराणसी सम्बद्ध-महात्मा गांधी काशीविद्यापीठ वाराणसी स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रवक्ताओं, की-रनातकोत्तरस्तर पर भौतिकविज्ञान, मनोविज्ञान 1-1 पद, स्नातकस्तर पर बी.सी.ए., बी.बी.ए. 2-2 पद, सांख्यिकी 01 पद अर्हता यू. जी.सी. एवं विश्वविद्यालय परनियमावली के अनुसार, अर्ह अभ्यर्थी विज्ञापन के 21 दिन के अन्दर अपने समस्त शैक्षणिक अंकपत्रों व प्रमाणपत्रों तथा पासपोर्ट साइज फोटो के साथ आवेदन कर सकते है। **प्रबन्धक**

वर्गीकृत विज्ञापन आज

सूचना

सूचना-मेरा पुत्र मो. रमजान आपके विद्यालय का कक्षा 11वीं का छात्र है, स्कूल रिकॉर्ड में मेरा नाम MD Salman पुत्र का नाम MD Ramjan और मेरी पत्नी का नाम Naishari Begum गलत दर्ज हो गया है, जबकि मेरा नाम Salman पुत्र का नाम **Mohd Ramjan** व पत्नी का नाम **Naishari Begam** है, जो शुद्ध व सही है, सही नाम रिकॉर्ड में दर्ज किया जाय। **सलमान** पुत्र स्व. मो. कमरुद्दीन ग्राम व पोस्ट महाराजगंज तहसील व जिला गाजीपुर

सूचना

सूचना-सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2009 अनुक्रमांक 3093868 का अंकपत्र व मूलप्रमाण पत्र वास्तव में कही खो गया है। **कैलाश नाथ मौर्य** पुत्र- दया शंकर मौर्य ग्राम व पोस्ट - बनकट (सेवापुरी) जिला - वाराणसी

सूचना-मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2017 अनुक्रमांक 2935773 का अंक पत्र वास्तव में खो गया है। **सत्यजीत कुमार कश्यप** पुत्र विश्वनाथ कश्यप, माता आशा देवी, ग्राम और पोस्ट नोनहरा, जिला गाजीपुर, उ.प्र.

पाठकों से

'आज' में छपे किसी भी विज्ञापन के सम्बन्ध में पाठक स्वत: जांच करके कार्य करें। इसके सम्बन्ध में कोई भी दावा 'आज' प्रकाशन पर न होगा।

प्रबन्धक

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी चोपन-सोनभद्र

पत्रांक- 981/लेखा./निविदा सूचना /2026-27 **दिनांक** 31.10.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विधानमण्डल क्षेत्र विकास निधि से वित्तीय वर्ष-2026-27 क्षेत्र पंचायत चोपन के अन्तर्गत कराये जाने वाली निम्नलिखित परियोजनाओं के निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निधि	वर्ष	लागत जी.एस.टी. सहित (लाख मे)	अर्नेस्ट मनी 2% जी.एस.टी. छोड़कर रू.	निविदा
1	ग्राम पंचायत पनारी के ओबरा गांव में अन्नापूर्ण भवन के पास हाईमास्ट लाईट	वि.नि.	2026-27	4.73	8017.00	1180.00
2	ग्राम पंचायत पनारी के निंगा में इन्द्रमणी गोड के पास भवन के पास हाई मास्ट लाईट	वि.नि.	2026-27	4.73	8017.00	1180.00
3	ग्राम पंचायत कनहरा वन विभाग कार्यालय वि.नि. 2026.27 के पास भवन के पास हाई मास्ट लाईट	वि.नि.	2026-27	4.73	8017.00	1180.00
4	ग्राम पंचायत परसोई नवाटोला चौराहे पर हाई मास्ट लाईट	वि.नि.	2026-27	4.73	8017.00	1180.00
5.	ग्राम पंचायत खरहरा में अन्नापूर्ण भवन के पास हाई मास्ट लाईट	वि.नि.	2026-27	4.73	8017.00	1180.00
6.	ग्राम पंचायत अगोरी पंचायत भवन के पास हाई मास्ट लाईट	वि.नि.	2026-27	4.73	8017.00	1180.00
7.	ग्राम पंचायत अगोरी पटटा करजी महेश बागा के घर के पास हाई मास्ट लाईट	वि.नि.	2026-27	4.73	8017.00	1180.00
8.	ग्राम पंचायत बैरपुर टोला नदहरी हनुमत गुर्जर के घर के पास चौराहे पा हाई मास्ट लाईट	वि.नि.	2026-27	4.73	8017.00	1180.00
9.	ग्राम पंचायत बैरपुर सागरदह में देवी गुर्जर के चौराहे पर हाई मास्ट लाईट	वि.नि.	2026.27	4.73	8017.00	1180.00

इच्छुक ठेकेदार/फर्म दिनांक-31.10.2026 से 07.11.2026 के पूर्वाहन 12:00 बजे तक अपनी दरे तथा वांछित संलग्नक बन्द लिफाफे में खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय में निविदा बाक्स में किसी भी कार्य दिवस में डाल सकते है। निविदा दिनांक- 07.11.2026 को गठित समिति के द्वारा निविदादाताओं की उपस्थिति में पूर्वाह्न 02:00 बजे खोली जायेगी । निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से किसी भी कार्य अवधि में दिनांक 06.11.2026 को सायं 5.00 बजे तक विकास खण्ड कैशियर से प्राप्त की जा सकती है। आवश्यक नियम व शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ सलंग्न होगी। प्रत्येक कार्य हेतु अलग-अलग निविदा फार्म भरा जायेगा। निविदा सम्बन्धी जानकारी यथा प्राक्कलन/धरोहर की धनराशि/शर्ते आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु निविदा ब्रिकी के अन्तिम तिथि को निर्धारित समय तक विकास खण्ड कार्यालय चोपन सोनभद्र से प्राप्त की जा सकती है। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी का होगा।

खण्ड विकास अधिकारी
चोपन-सोनभद्र

एक नजर इधर भी

लोकतंत्र बचाओ कार्यक्रम में प्रयागराज कूच करेंगे एक हजार भाजपा कार्यकर्ता

४ नवंबर को आयोजित कार्यक्रम की तैयारी को लेकर जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने की बैठक

रोहनिया। भाजपा के आगामी चार नवंबर को प्रयागराज में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' कार्यक्रम की तैयारी को लेकर रविवार को केशरीपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में बैठक हुई। जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल की अध्यक्षता में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि वाराणसी जिले से करीब एक हजार कार्यकर्ता सैकड़ों चार पहिया वाहनों से प्रयागराज रवाना होंगे। सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता सुबह १० बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचें। उन्होंने मंडल अध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी सौंपी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य होंगे। बैठक में जिला महामंत्री संजीव सिंह गौतम, संजय सोनकर, अजय दुबे, कृष्ण कुमार मिश्र, गोविंद दास गुप्त, सुरेंद्र प्रताप गौतम, विजय गोंड, जगदीश जायसवाल, अश्वनी पांडेय, अमित पटेल रिंकू, बृजेश राजभर, विजय राज यादव, अभिषेक त्रिपाठी सुमित, नवीन उपाध्याय, अमित सिंह पीयूष, किशन सिंह, जतिन मौर्य, प्रवीण, निहाल, ओपी पटेल और अजय सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सड़क मरम्मत की मांग को लेकर सड़क पर उतरे ग्रामीण

शिवदशां गांव में गूंजा 'रोड नहीं तो वोट नहीं' का नारा

चिरईगांव ब्लाक के ग्राम पंचायत शिवदशां में वर्षों से खराब सड़क की मरम्मत की मांग को लेकर ग्रामीणों ने रविवार को विरोध प्रदर्शन प्रारंभ कर दिया। रविवार को ब्लाक के पूर्व उप ब्लाक प्रमुख एवं समाजसेवी सुभाष सिंह के नेतृत्व में ग्राम पंचायत शिवदशां एवं सड़क से आवागमन करने वाले आसपास के दर्जनों ग्रामीणों ने सड़क पर उतर कर अपना विरोध जताया। अभी विधान सभा चुनाव की तारीख घोषित नहीं हुई लेकिन क्षेत्र में सत्ताधारी जन प्रतिनिधियों का विरोध प्रारम्भ हो गया है। मौके पर जुटी ग्रामीणों की भीड़ ने 'रोड नहीं तो वोट नहीं' का नारा बुलंद करते हुए स्थानीय विधायक व सांसद को गांव में न घुसने देने का ऐलान कर दिया। ग्रामीण चौबेपुर-भगतुंआ मार्ग पर स्थित सिरिस्ती गांव के सामने से शिवदशां गांव की ओर जाने वाली लगभग तीन किलोमीटर सड़क काफी जर्जर हो गयी है। ग्रामीणों ने बताया कि बसपा के शासन काल में शिवदसा गांव को अम्बेडकर गांव बनाया गया था उसी समय इस सड़क की मरम्मत करायी गयी थी। तब से लेकर आज तक इस सड़क पर कोई भी निर्माण कार्य नहीं कराया गया। जबकि इसके लिए ग्रामवासी स्थानीय सांसद एवं विधायक से लगातार अनुरोध करते रहे हैं। गंगा किनारे स्थित गांव की इस सड़क पर चलना अब जान जोखिम में डालने जैसा ही है। ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक एवं सांसद के प्रति नाराजगी जताते हुए जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि यदि सड़क की मरम्मत नहीं हुई तो ग्रामीण चुनाव के समय किसी भी जन प्रतिनिधि को गांव में घुसने नहीं देंगे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डब्लू सिंह, अरविंद सिंह, विनोद पाण्डेय, ओम प्रकाश विश्वकर्मा, राकेश सिंह, सुभाष पाण्डेय, अभिषेक, आजाद विश्वकर्मा, महेंद्र यादव, विजय सिंह आदि उपस्थित रहे।

मातृत्व की करुणा प्रतिकार और कटुता से परे होती है-प्रोफेसर श्रद्धानंद

'सुनो मैं प्रेमचंद' के २०८५वें दिन जया टंडन ने किया 'माता का हृदय' कहानी का पाठ

जिला प्रशासन की प्रेरणा से प्रेमचंद मार्गदर्शन केंद्र ट्रस्ट, लमही की ओर से आयोजित 'सुनो मैं प्रेमचंद' कार्यक्रम के २०८५वें दिन रविवार को प्रसिद्ध कवयित्री जया टंडन ने प्रेमचंद की कहानी 'माता का हृदय' का पाठ किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के संरक्षक प्रोफेसर श्रद्धानंद, डॉक्टर राम सुधार सिंह, निदेशक राजीव गोंड और प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव ने उन्हें सम्मानित किया। कहानी की समीक्षा करते हुए प्रोफेसर श्रद्धानंद ने कहा कि प्रेमचंद की यह कहानी ममता और त्याग का सजीव दस्तावेज है। मातृत्व की करुणा हर प्रतिकार और कटुता से ऊपर होती है। नरेंद्र नाथ मिश्र ने कहा कि सच्ची मां का हृदय केवल अपने बच्चे तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए ममता से भरा होता है। अशोक सिंह ने क्षमा, सेवा और परोपकार को कहानी का मूल संदेश बताया। संचालन आयुषी दुबे और स्वागत मनोज विश्वकर्मा ने किया। कार्यक्रम में डॉक्टर विनोद वर्मा, मयंक पांडेय, आनंद कृष्ण मासूम, आलोक टंडन, सुरेश कुमार गुप्त, अरुण द्विवेदी, विजय चंद्रा त्रिपाठी, राजेश श्रीवास्तव सहित साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

निजी विद्यालयों की मान्यता के नियम सरल करने की मांग

सेवापुरी ब्लाक के भोरकला, मनकईया स्थित एसआरपी कान्वेंट स्कूल में प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की बैठक हुई। इसमें निजी विद्यालयों से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा करते हुए मान्यता के नियमों को सरल करने और बिजली दरों में राहत देने की मांग उठायी गयी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रामाश्रय पटेल ने जौनपुर के बरसठी स्थित निजी विद्यालय के प्रबंधक के खिलाफ फीस विवाद में दर्ज एफआईआर को गलत बताते हुए उसे तत्काल निरस्त करने की मांग की। प्रदेश महासचिव नरेंद्र शर्मा ने कहा कि कक्षा एक से १२ तक की मान्यता के नियम कठिन होने से विद्यालयों को परेशानी हो रही है। उन्होंने पूर्व की भांति नियम सरल करने की मांग की। प्रदेश सचिव रामजी सिंह और जिलाध्यक्ष रघुवर दास विश्वकर्मा ने विद्यालयों पर एलएमवी-४ बिजली दर लागू किये जाने पर आपत्ति जताते हुए घरेलू दर से बिजली उपलब्ध कराने की मांग की। संचालन जिला सचिव विनोद विश्वकर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय प्रबंधक अनिल कुमार पटेल ने किया। बैठक में रामबली सिंह, कौशल कुमार मौर्य, आशा विश्वकर्मा, सुनीता देवी, रामसकल सिंह, मनीष यादव, राजेंद्र वर्मा सहित कई विद्यालयों के प्रबंधक और प्रधानाचार्य मौजूद रहे।

कथक की भावपूर्ण प्रस्तुति से सजी वरुणा संध्या, सरदार पटेल को किया नमन

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर शनिवार को नेहरू पार्क, कैंटोनमेंट में आयोजित साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'वरुणा संध्या' उन्हें समर्पित रहा। छावनी परिषद वाराणसी एवं दीपिका कल्चरल सोसायटी आफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान तथा पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके बाद कोलकाता की कथक नृत्यांगना हिण्डोली नियोगी ने गणेश वंदना 'गंग गंग गणपति गजमुख मंगल' से प्रस्तुति शुरू की। उन्होंने विलंबित तीन ताल, शिव भजन 'आदि देव महादेव' और ठुमरी 'आज जाने की जिद न करो' से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। 'ठुमक चलत रामचंद्र, बाजत पैजनिया' पर भावपूर्ण नृत्य विशेष आकर्षण रहा। संस्था के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कलाकार को अंगवस्त्र, प्रशस्ति-पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। संचालन तनुज कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर सचिन कुमार श्रीवास्तव, डाक्टर मधुमिता राय सहित अनेक कला प्रेमी उपस्थित रहे।

काशी विश्वनाथ धाम में जुटे ५० देशी-विदेशी चित्रकार

श्री काशी विश्वनाथ धाम के ललिता घाट पर शनिवार को अंतरराष्ट्रीय चित्रकला एवं छायाचित्र कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। गंगा महासभा और ललित कला अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में देश-विदेश के लगभग ५० चित्रकार हिस्सा ले रहे हैं। इनमें मॉरीशस, श्रीलंका और बांग्लादेश के कलाकार भी शामिल हैं। कार्यशाला का उद्घाटन अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती, गंगा महासभा के संगठन महामंत्री गोविंद शर्मा और उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष सुनील विश्वकर्मा ने किया। इस दौरान पद्मश्री दुलारी देवी, पद्मश्री श्याम शर्मा और पद्मश्री अद्वैत गणनायक मौजूद रहे। कार्यशाला का विषय राम, कृष्ण और शिव की पावन भूमि उत्तर प्रदेश धरोहर संरक्षण एवं संवर्धन है। कलाकार प्रदेश की धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को कैनवास पर उकेरेंगे। कार्यशाला में तैयार कलाकृतियों की प्रदर्शनी ३ से ५ नवंबर तक रुद्राक्ष अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं सम्मेलन केंद्र की सिंजो आवे कला दीर्घा में लगेगी। यह आयोजन संस्कृति संसद २०२६ की सांस्कृतिक गतिविधियों का हिस्सा है।

सांस्कृतिक विविधता ही राष्ट्रीय एकता की सबसे बड़ी शक्ति - वीसी

छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति और विरासत से सराबोर हुआ संस्कृत विश्वविद्यालय



सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के योगसाधना केन्द्र में रविवार को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, जनजातीय परंपराओं, ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक विविधता की झलक प्रस्तुत की गई। इसके साथ ही सतर्कता जागरूकता सप्ताह-२०२६ के तहत सतर्क नागरिक, सुरक्षित राष्ट्र एवं श्रेष्ठ एवं समृद्ध भारत का संदेश दिया गया। इस मौके पर छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा, जनजातीय संस्कृति, लोकजीवन और ऐतिहासिक विशेषताओं पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ के लोकगीतों, सांस्कृतिक धुनों और भाषणों के माध्यम से वहां की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को जीवंत किया। अध्यक्षता करते हुए वाइस चांसलर प्रोफेसर बिहारी लाल शर्मा ने कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक विविधता, समृद्ध परंपराओं और राष्ट्रीय एकात्मता में निहित है। प्रत्येक राज्य की भाषा, संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस समारोह विद्यार्थियों को देश की बहुआयामी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने का सशक्त माध्यम हैं। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं छात्र कल्याण संकाय प्रमुख प्रोफेसर शैलेश कुमार मिश्र ने विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत एवं परंपराओं से परिचित कराया। विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जीतेन्द्र कुमार शाही ने कहा कि राष्ट्र की समृद्धि आर्थिक विकास के साथ नागरिकों के नैतिक चरित्र, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा पर भी निर्भर करती है। संचालन सह-नोडल अधिकारी डॉक्टर रविशंकर पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार राकेश कुमार, चीफ प्राक्टर प्रोफेसर जितेन्द्र कुमार, डॉक्टर उमाशंकर उपाध्याय, डॉक्टर श्रुति उपाध्याय सहित शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दीपावली पर युवाओं को नौकरी का तोहफा, तीन दिन में १२० कंपनियां करेंगी चयन

३ से ५ नवंबर तक तीन स्थानों पर लगेगा मेगा रोजगार मेला, हाईस्कूल से परास्नातक तक के अभ्यर्थियों को मिलेगा मौका, १२ से ३५ हजार रुपये तक मासिक वेतन, कुछ पदों पर चार लाख से अधिक का सालाना पैकेज

दीपावली पर वाराणसी के युवाओं को रोजगार का अवसर मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय की ओर से तीन दिवसीय मेगा रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा। तीन से पांच नवंबर तक शहर और आसपास के तीन केंद्रों पर लगने वाले इस मेले में प्रतिदिन करीब ४० कंपनियां युवाओं का चयन करेंगी। इसमें अभ्यर्थियों को १२ हजार से ३५ हजार रुपये तक मासिक वेतन वाली नौकरियों के साथ चार लाख रुपये से अधिक सालाना पैकेज पाने का भी अवसर मिलेगा।

तीन दिन, तीन स्थानों पर लगेगा मेला

सहायक निदेशक सेवायोजन मुकेश कुमार के अनुसार, तीन नवंबर को जगतपुर इंटर कॉलेज, चार नवंबर को क्रीडेंस इंटरनेशनल स्कूल, उमरहा बाजार (गाजीपुर रोड) और पांच नवंबर को क्वींस इंटरमीडिएट कॉलेज, लहुराबीर में रोजगार मेला लगेगा। प्रत्येक केंद्र पर करीब ४० कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। मेले में डिक्सन, मदरसन, कोटक महिंद्रा बैंक, स्विगी, आईसीआईसीआई बैंक, वर्धमान फैब्रिक्स, फ्लिपकार्ट, डिलीवरी, कृष्णा मारुति, केल्विन पाइप्स और रेजोन सोलर सहित कई कंपनियां अभ्यर्थियों का चयन करेंगी।

इन योग्यताओं वाले युवा करें आवेदन

हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा और आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी मेले में शामिल हो सकेंगे। रोजगार मेला प्रभारी दीप सिंह ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अपना बायोडाटा लेकर सुबह १० बजे निर्धारित केंद्र पर पहुंचें। कंपनियां योग्यता और कौशल के आधार पर साक्षात्कार लेकर चयन करेंगी।

काशी में तीन दिनी संस्कृति संसद कल से, भारतीय संस्कृति के संरक्षण और वैश्विक पहचान पर होगा मंथन

जेन-जी सम्मेलन और संस्कृति उत्सव होंगे विशेष आकर्षण

काशी में भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और राष्ट्रीय चेतना के व्यापक विमर्श के लिए तीन नवंबर से तीन दिवसीय संस्कृति संसद का आयोजन होगा। इसमें देश-विदेश के संत, विद्वान, वैज्ञानिक, शिक्षाविद, कलाकार और विषय विशेषज्ञ भारतीय संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और वैश्विक पहचान को मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श करेंगे। रविवार को सिगरा स्थित सत कैवल्य ज्ञान पीठ (गुजराती धर्मशाला) में आयोजित पत्रकारवार्ता में अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने बताया कि वर्ष २०१४ से प्रत्येक दो वर्ष पर आयोजित हो रही संस्कृति संसद अब सांस्कृतिक विमर्श का व्यापक मंच बन चुकी है। इस बार भी संतों, विद्वानों और युवाओं के बीच संवाद के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास होगा। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदगुरु अविचल देवाचार्यजी महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवार, समाज, प्रकृति और मानवता के प्रति संवेदनशील जीवन पद्धति है। युवाओं को अपनी जड़ों और परंपराओं से जोड़ना समय की आवश्यकता है। संयुक्त मंत्री महामंडलेश्वर मनमोहन दास राधे-रोधे बाबा ने कहा कि संस्कृति संसद में परंपरा और आधुनिकता के बीच सकारात्मक संवाद स्थापित होगा। रुद्राक्ष अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं कन्वेंशन सेंटर में प्रतिदिन पूर्वाह्न १० से अपराह्न चार बजे तक मुख्य सत्र होंगे। इनमें संत, धर्माचार्य, वैज्ञानिक और विद्वान सांस्कृतिक चुनौतियों तथा भविष्य की दिशा पर विचार रखेंगे। विशेष आकर्षण जेन-जी कान्क्लेव होगा, जिसमें लगभग ९० प्रतिशत वक्ता युवा होंगे। इसके अलावा प्रतिदिन शाम पांच से रात्रि नौ बजे तक संस्कृति उत्सव आयोजित होगा। आयोजकों के अनुसार, अखिल भारतीय संत समिति, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद और श्री काशी विद्वत परिषद सहित विभिन्न संस्थाओं का सहयोग प्राप्त है।

ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री रामकुमार विश्वकर्मा का भव्य स्वागत

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री रामकुमार विश्वकर्मा के प्रथम वाराणसी आगमन पर रविवार को गुलाबबाग स्थित महानगर कार्यालय में भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए रामकुमार विश्वकर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत हैं। केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के साथ संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करना सभी की जिम्मेदारी है। महानगर ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हीरा यादव ने अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंटकर प्रदेश मंत्री का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उनके आगमन से कार्यकर्ताओं में नयी ऊर्जा का संचार हुआ है। इस अवसर पर प्रमोद यादव मुन्ना, योगेश वर्मा और महेंद्र सिंह झगडू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोरारका फाउंडेशन को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, एसडीएम के आदेश पर लगी रोक

वाराणसी के एमआर मोरारका फाउंडेशन को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। फाउंडेशन की २.७ एकड़ जमीन से संबंधित राजस्व कार्यवाही के मामले में हाईकोर्ट ने एसडीएम सदर वाराणसी के आदेश पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति सुधांशु चौहान की पीठ ने २९ अक्टूबर को मामले की सुनवायी करते हुए यह महत्वपूर्ण आदेश पारित किया। मामला यूपी राजस्व संहिता-२००६ की धारा ३१/३२ के तहत चल रही राजस्व कार्यवाही से जुड़ा है। एसडीएम सदर ने ३० सितंबर २०२६ को पारित आदेश में अन्य भूखंडों के संबंध में कार्यवाही समाप्त कर दी थी, जबकि मोरारका फाउंडेशन की आराजी संख्या ३३३५, रकबा २.७ एकड़ के संबंध में कार्यवाही जारी रखने का निर्देश दिया था। राजस्व अभिलेखों में फसली वर्ष १२९१ में दर्ज खातेदारों और फाउंडेशन के बीच उत्तराधिकार संबंध स्पष्ट नहीं होने तथा विक्रय विलेख में विक्रेताओं की हैसियत का उल्लेख नहीं होने को इसका आधार बनाया गया था। फाउंडेशन की ओर से हाईकोर्ट में अधिवक्ता शुभम कुमार द्विवेदी एवं विवेक कुमार श्रीवास्तव ने पक्ष रखते हुए दलील दी कि फाउंडेशन के पूर्ववर्तियों का भूमि पर स्वामित्व विभिन्न न्यायिक कार्यवाहियों में पहले ही मान्य किया जा चुका है। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था, जहां भी उनके स्वामित्व संबंधी अधिकारों को बरकरार रखा गया था। ऐसे में दशकों पुराने राजस्व अभिलेखों के आधार पर स्वामित्व के प्रश्न को दोबारा उठाना न्यायसंगत नहीं है। अधिवक्ताओं ने अदालत के समक्ष पूर्व में पारित न्यायिक निर्णयों और स्वामित्व से संबंधित दस्तावेजों का भी हवाला दिया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने मामले को विचारणीय मानते हुए सभी प्रतिवादियों को चार सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। वहीं याचिकाकर्ता को जवाबी हलफनामे पर प्रत्युत्तर दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया गया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि एसडीएम सदर द्वारा ३० सितंबर २०२६ को पारित विवादित आदेश अगले आदेश तक प्रभावी नहीं रहेगा। मामले की अगली सुनवायी १० दिसंबर २०२६ को उपयुक्त पीठ के समक्ष निर्धारित की गयी है। हाईकोर्ट के इस अंतरिम आदेश से मोरारका फाउंडेशन को बड़ी राहत मिली है।

सपा कार्यालय में मनी सरदार पटेल की जयंती, राष्ट्रीय एकता का लिया संकल्प

अर्दली बाजार स्थित जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय में शनिवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनायी गयी। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद आयोजित विचार गोष्ठी में उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद बाल कुमार पटेल ने कहा कि सरदार पटेल किसानों के मसीहा और राष्ट्रीय एकता के महान प्रतीक थे। उन्होंने देश की रियासतों का विलय कर अखंड भारत की नींव मजबूत की। जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ ने कहा कि ५६५ रियासतों का भारतीय संघ में विलय कराना उनकी दूरदर्शिता और दृढ़ नेतृत्व का परिचायक है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव मजबूत करने का संकल्प लिया गया। अंत में जिला उपाध्यक्ष राजेश यादव नत्थू के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गयी।

त्रिपदा पब्लिक स्कूल में एकता और अखंडता के संकल्प के साथ मना राष्ट्रीय एकता दिवस

बाबतपुर गागकला में स्थित त्रिपदा पब्लिक स्कूल में लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता, भाईचारे, अनुशासन एवं देशभक्ति की भावना को मजबूत करना रहा। विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी विद्यालय में विद्यार्थियों की कक्षा के अनुरूप विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सीनियर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा जूनियर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तर लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए राष्ट्रीय एकता तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल के



जीवन एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किये। राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से विद्यालय परिसर से यूनिटी रैली भी निकाली गयी। रैली में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए एकता, भाईचारे और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। रैली के दौरान विद्यार्थियों में देश के प्रति समर्पण और राष्ट्रीय एकता की भावना स्पष्ट रूप से दिखायी दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक कन्हैया लाल पटेल ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में उनका योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को सरदार पटेल के आदर्शों से प्रेरणा लेकर एकता, अनुशासन, दृढ़ संकल्प एवं राष्ट्रसेवा की भावना को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अशोक पाण्डेय, उप प्रबंधक प्रेमचंद सिंह, सह-निर्देशिका प्रमिला वर्मा, उप प्रधानाचार्य शिवशंकर मौर्य, शैक्षणिक निदेशक राकेश चौबे सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

☞ यात्रीगण कृपया ध्यान दें ☜

वाराणसी एवं नई दिल्ली रेलवे स्टेशनों के बीच नई वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस तथा वाराणसी सिटी एवं राजातालाब के बीच एमईएमयू ट्रेन सेवाओं का नियमित संचालन

समस्त रेलयात्रियों को सूचित किया जाता है कि रेलवे ने वाराणसी–नई दिल्ली–वाराणसी के बीच एक नई **वंदे भारत** स्लीपर एक्सप्रेस रेलगाड़ी और वाराणसी सिटी – राजातालाब – वाराणसी सिटी के बीच एमईएमयू ट्रेन सेवाओं का नियमित संचालन शुरू करने तथा बनारस– प्रयागराज रामबाग–बनारस एमईएमयू रेलगाड़ी का औड़िहार जं. तक विस्तार करने का निर्णय लिया है। इन नई ट्रेन सेवाओं की नियमित समय–सारणी तथा ठहराव निम्नानुसार हैं:–

27421/27422 वाराणसी – नई दिल्ली – वाराणसी वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 27421		स्टेशन	गाड़ी सं. 27422	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	20:50	वाराणसी	07:10	---
22:35	22:40	प्रयागराज जं.	05:05	05:10
00:40	00:45	कानपुर सेंट्रल	02:45	02:50
03:55	03:57	अलीगढ़ जं.	23:20	23:22
05:23	05:25	गाज़ियाबाद जं.	22:13	22:15
06:10	---	नई दिल्ली	---	21:40

चलने के दिन : **27421 वाराणसी** से सप्ताह में छः दिन (**शुक्रवार को छोड़कर**) तथा **27422 नई दिल्ली** से सप्ताह में छः दिन (**शनिवार को छोड़कर**) दिनांक **02.11.2026** से।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.

65135/65136 वाराणसी सिटी – राजातालाब – वाराणसी सिटी एमईएमयू रेलगाड़ी (प्रतिदिन)

गाड़ी सं. 65135		स्टेशन	गाड़ी सं. 65136	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	05:15	वाराणसी सिटी	08:00	---
05:30	05:32	वाराणसी जं.	07:40	07:43
05:43	05:45	बनारस	07:22	07:27
05:50	05:51	भुल्लनपुर हॉल्ट	07:09	07:10
05:58	06:00	हरदत्त पुर	07:03	07:04
06:15	---	राजातालाब	---	06:55

चलने के दिन : **65135 वाराणसी सिटी** से तथा **65136 राजातालाब** से प्रतिदिन **तत्काल प्रभाव से।**
स्थान : सामान्य

65137/65138 वाराणसी सिटी – राजातालाब – वाराणसी सिटी एमईएमयू रेलगाड़ी (प्रतिदिन)

गाड़ी सं. 65137		स्टेशन	गाड़ी सं. 65138	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	07:45	वाराणसी सिटी	11:45	---
08:00	08:05	वाराणसी जं.	11:30	11:33
08:15	08:17	बनारस	11:15	11:17
08:22	08:23	भुल्लनपुर हॉल्ट	11:05	11:06
08:29	08:30	हरदत्त पुर	10:58	10:59
08:45	---	राजातालाब	---	10:50

चलने के दिन : **65137 वाराणसी सिटी** से तथा **65138 राजातालाब** से प्रतिदिन **तत्काल प्रभाव से।**
स्थान : सामान्य

65139/65140 वाराणसी सिटी – राजातालाब – वाराणसी सिटी एमईएमयू रेलगाड़ी (प्रतिदिन)

गाड़ी सं. 65139		स्टेशन	गाड़ी सं. 65140	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	09:10	वाराणसी सिटी	14:05	---
09:28	09:30	वाराणसी जं.	13:43	13:45
09:40	09:42	बनारस	13:28	13:30
09:50	09:51	भुल्लनपुर हॉल्ट	13:17	13:18
09:57	09:58	हरदत्त पुर	13:10	13:11
10:10	---	राजातालाब	---	13:00

चलने के दिन : **65139 वाराणसी सिटी** से तथा **65140 राजातालाब** से प्रतिदिन **तत्काल प्रभाव से।**
स्थान : सामान्य

65141/65142 वाराणसी सिटी – राजातालाब – वाराणसी सिटी एमईएमयू रेलगाड़ी (प्रतिदिन)

गाड़ी सं. 65141		स्टेशन	गाड़ी सं. 65142	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	16:00	वाराणसी सिटी	18:35	---
16:13	16:15	वाराणसी जं.	18:18	18:20
16:28	16:30	बनारस	18:00	18:05
16:35	16:36	भुल्लनपुर हॉल्ट	17:46	17:47
16:43	16:45	हरदत्त पुर	17:38	17:40
17:05	---	राजातालाब	---	17:25

चलने के दिन : **65141 वाराणसी सिटी** से तथा **65142 राजातालाब** से प्रतिदिन **तत्काल प्रभाव से।**
स्थान : सामान्य

65111/65112 बनारस – प्रयागराज रामबाग – बनारस एमईएमयू रेलगाड़ी (प्रतिदिन) का औड़िहार जं. तक विस्तार

गाड़ी सं. 65111		स्टेशन	गाड़ी सं. 65112	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	04:15	औड़िहार	23:55	---
04:25	04:26	रजवारी	23:18	23:39
04:33	04:34	कादीपुर	23:11	23:12
04:43	04:45	सारनाथ	23:00	23:02
04:56	04:58	वाराणसी सिटी	22:48	22:50
05:10	05:15	वाराणसी जंक्शन	22:30	22:35
05:25	05:30	बनारस	22:10	22:15
05:36	05:37	भुल्लनपुर हॉल्ट	21:45	21:46
05:43	05:44	हरदत्त पुर	21:39	21:40
05:50	05:51	राजातालाब	21:31	21:32
05:56	05:57	ब्रह्मपुर	21:24	21:25
06:02	06:03	निगतपुर	21:19	21:20
06:10	06:11	कछवा रोड	21:11	21:12
06:18	06:19	कटका	20:59	21:00
06:25	06:44	माधो सिंह	20:34	20:36
06:49	06:50	अहिमनपुर	20:25	20:26
06:55	06:56	अलमऊ हॉल्ट	20:19	20:20
07:02	07:04	ज्ञानपुर रोड	20:12	20:14
07:11	07:12	सराय जगदीश	20:04	20:05
07:17

बैंकोंमें सुधारको गति

भारतको वर्ष २०४७ तक विकसित राष्ट्र बनानेका लक्ष्य निर्धारित किया गया है और इस दिशामें बहुआयामी सुधारोंके लिए सक्रियता बढ़ा दी गयी है। इसी क्रम में बैंकिंग क्षेत्रमें व्यापक सुधारके एजेण्डेको प्राथमिकता दी गयी है। भारतके बैंकिंग क्षेत्रमें सुधारकी दिशा अब केवल बैंकोंकी वित्तीय स्थिति सुधारनेकी तक सीमित नहीं है। विकसित भारतकी जरुरतोंके अनुरूप बैंकिंग व्यवस्थाको अधिक सक्षम, वैश्विक स्तरपर प्रतिस्पर्धा, डिजिटल, सुरक्षित और समावेशी बनानेकी तैयारी स्वागतयोग्य है। शुक्रवार ३० अक्तूबरको वित्त मंत्रालयने एक उच्चस्तरीय बैठक आहूत की जिसमें बैंकिंग क्षेत्रमें सुधारके एजेण्डेपर गहन मंत्रणा हुई। उसी दिन भारतीय रिजर्व बैंकने भी गवर्नर संजय मेहरोत्राकी अध्यक्षतामें केन्द्रीय बोर्डकी बैठक की, जिसमें बैंकिंग क्षेत्रमें सुधार मुख्य मुद्दा रहा। केन्द्र सरकार और रिजर्व बैंक मिलकर बैंकिंग क्षेत्रको २०४७ तक विकसित भारतके लक्ष्यसे जोड़नेकी दिशामें आगे बढ़ रहे हैं। वस्तुत: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जब २०२६-२७ का बजट संसदमें प्रस्तुत किया था तभी उन्होंने उच्च स्तरीय समिति बनानेकी भी घोषणा की थी। केन्द्र सरकार यह भी चाहती है कि विश्वके शीर्ष पांच बैंकोंमें कम से कम एक भारतीय बैंक भी उसमें शामिल हो। सुधारका नया चरण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले कुछ वर्षोंमें सार्वजनिक क्षेत्रके बैंकोंकी स्थितिमें उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वित्तवर्ष २०२५-२६ में इन बैंकोंका संयुक्त लाभ १.९८ लाख करोड़ रुपयेपर पहुंच गया और सकल एनपीए १.९३ प्रतिशतके ऐतिहासिक निचले स्तरपर आ गया है। सरकारका नया एजेण्डा इसी परिवर्तनको दर्शाता है कि संकटसे उबरने वाली बैंकिंग से विकासको गति देने वाली बैंकिंगकी ओर ले जानेको हम संकल्पित हैं। इसके साथ ही वैश्विक स्तरपर बैंकको मजबूत बनाना, बैंकिंगमें पूंजी की उपलब्धता, एआई और डिजिटल बैंकिंगसे जुड़े अनेक विषय भी सुधारके क्षेत्रमें आते हैं। साथ ही सार्वजनिक क्षेत्रके बैंकोंकी कार्यप्रणालीमें उल्लेखनीय सुधार करनेकी जरुरत है। बैंकोंकी स्वायत्तताके साथ जवाबदेही भी सुनिश्चित करना है। कृषि, छोटे उद्योग, स्टार्टअप, महिला उद्यमिता और ग्रामीण अर्थव्यवस्थापर भी ध्यान केन्द्रित करना होगा। ग्राहक सुरक्षा सबसे बड़ा सुधारका क्षेत्र है। सुधारकी दिशामें अनेक चुनौतियां भी हैं, जिनपर विशेष ध्यान देना होगा तभी हम भारतीय बैंकोंको विकसित भारतके लक्ष्यके अनुरूप बना सकेंगे।

सराहनीय उपलब्धि

अन्तरिक्षमें लगातार बढ़ती भारतकी ताकत हर देशवासीके लिए गर्वकी बात है। भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संघटन (इसरो) का शुक्रवार देर रात नौवहन उपग्रह 'एनवीएस-०३' का सफल प्रक्षेपण और निर्धारित कक्षामें स्थापित किया जाना इसका प्रमाण है। इसीके साथ अब भारतके पास कक्षामें चार नेविगेशन उपग्रह हो गये जो इसरोकी बड़ी उपलब्धि है। इसरो अध्यक्ष बी.नारायणन के अनुसार बेहतर पोजीशनिंग, नेविगेशन और टाइमिंग सेवाओंके लिए कमसे कम चार उपग्रहोंकी आवश्यकता होती है, जिसे इस प्रक्षेपणके बाद भारतने हासिल कर लिया। इससे लोकेशन-नेविगेशन सुविधाएं मजबूत होंगी। अन्तरिक्ष में 'नाविक' के इनचार उपग्रहोंने भारतकी 'दृष्टि' को नयी रोशनी दी है। 'नाविक' के इन चार उपग्रहोंसे १०,४०० रेल इंजन और ६४ हजार मछली पकड़ने वाली नौकाओंकी निगरानीकी जा सकेगी। 'नाविक' जीपीएसका भारतीय संस्करण है जिसका दायरा १,५०० किलोमीटर तक फैला है। तकनीकी बाधाओंसे बचनेके लिए एनवीएस-०३ उपग्रहके तीन पाइरो वाल्व खुले रखकर भेजा गया है, क्योंकि २०२५ में प्रक्षेपित एनवीएस श्रृंखलाका दूसरा उपग्रह एनवीएस-०२ मिशन असफल हो गया था। पाइरो वाल्व अन्तरिक्षयानकी प्रोपल्शान सिस्टमका एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं जो तकनीकी बाधाओंको नियंत्रित करते हैं। इसरो अब अगले पांच महीनेमें एनवीएस-०४ और अगले दस महीनोंमें एनवीएस-०५ का प्रक्षेपण करनेकी तैयारी कर रहा है ताकि उपग्रह समूहको मजबूत किया जा सके। यह इसलिए भी जरूरी है कि निर्बाध सेवाएं और सटीक स्थिति निर्धारण सुनिश्चित करनेके लिए कक्षामें सात उपग्रहोंको तैनात करना होगा। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीने इस प्रक्षेपणकी सफलतापर इसरोके वैज्ञानिकों और इंजीनियरोंको बधाई दी है। इससे भारतीय उपमहाद्वीपमें सामरिक और नागरिक सेवाओंके लिए लोकेशन और नेविगेशन सुविधाएं मजबूत होंगी। इसकी सराहना की जानी चाहिए।

लोक संवाद

एकताकी भावना

महोदय,-भारतमें बहुतसे महापुरुष हुए। इन महापुरुषोंने भारतको ही नहीं, बल्कि दुनियाको अच्छे मार्गपर ले जानेके लिए बहुतसे काम किये और दुनियाके लिए प्रेरक बने। इन्हीं महापुरुषोंमेंसे एक थे सरदार वल्लभभाई पटेल, जिनका जन्मदिन एकताकी भावनाको बढ़ानेके रूपमें भी मनाया जाता है, जो कि ३१ अक्तूबरको होता है। सरदार वल्लभ भाई पटेलने देशको आजाद करवानेके साथ-साथ देशकी एकताको मजबूत करनेमें मुख्य भूमिका निभायी थी। इन्होंने किसानोंको उनका हक अंग्रेजोंसे दिलानेके लिए काम किये थे। सरदार वल्लभ भाई पटेलको आज भी जिस मुख्य कार्यके लिए याद किया जाता है वो है देसी रियासतोंका एकीकरण। आज भारतको उनके विचारोंको कार्यरूप देनेकी जरूरत है। **- राजेश, वाया ईमेल।**

गहरी होती सामाजिक विषमताकी खाई

दुनिया आज ऐसे विरोधाभासके दौरसे गुजर रही है, जहां एक ओर विकास और आधुनिकताके नये कीर्तिमान स्थापित किये जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पर्यावरणीय विनाशकी चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। प्रश्न यह है कि जब दुनियाके पास पर्याप्त संसाधन हैं, तब भी करोड़ों लोग जीवनकी बुनियादी आवश्यकताओंके लिए संघर्ष क्यों कर रहे हैं।

❐ ललित गर्ग

अंतरराष्ट्रीय संस्था ऑक्सफैमकी रिपोर्ट डिजास्टर डिवाइड इसी प्रश्नका एक असहज, किन्तु विचारोत्तेजक उत्तर प्रस्तुत करती है। यह रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट केवल प्रकृतिकी नाराजगी नहीं, बल्कि आर्थिक असमानता, अनियंत्रित उपभोग और संसाधनोंपर मुट्ठीभर लोगोंके बढ़ते नियंत्रणका परिणाम भी है। दुनियाकी लगभग ८० लाख आबादी वाले सबसे धनी ०.१ प्रतिशत वर्गकी जीवनशैली और निवेशसे होने वाला कार्बन उत्सर्जन करोड़ों नहीं, अरबों लोगोंके जीवनको प्रभावित कर रहा है। रिपोर्टके अनुसार यह वर्ग दुनियाके सबसे गरीब ४४ प्रतिशत लोगोंकी तुलनामें अधिक कार्बन प्रदूषणके लिए जिम्मेदार है। यह असमानता केवल आंकड़ोंका अन्तर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनताका ऐसा दस्तावेज है, जिसमें कुछ लोगोंकी विलासिताकी कीमत पूरी मानवता चुका रही है। निजी विमान, विशाल नौकाएं, अत्यधिक ऊर्जा खपत और प्रदूषणकारी उद्योगोंमें निवेश आधुनिक अमीरीके प्रतीक बन गये हैं, जबकि दूसरी ओर गरीब आबादी स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी और दो वक्तकी रोटीके लिए संघर्ष कर रही है। सवाल यह नहीं कि किसी व्यक्तिके पास कितनी संपत्ति है, बल्कि यह है कि उसकी संपन्नताका सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्य कौन चुका रहा है।



ऑक्सफैमकी 'डिजास्टर डिवाइड' रिपोर्ट दुनियाके सामने एक बुनियादी नैतिक प्रश्न खड़ा करती है-क्या विकासका अर्थ कुछ लोगोंकी असीमित समृद्धि और बहुसंख्यक मानवताकी बढ़ती विवशता है। पृथ्वी किसी एक वर्गकी जागीर नहीं, न ही उसके संसाधनोंपर किसी मुट्ठीभर लोगोंका एकाधिकार हो सकता है। याद रखना होगा कि जब समाजमें विषमताकी खाई बहुत गहरी हो जाती है, तब असंतोषकी आग सीमाओंमें नहीं बंधती। धरतीको बचाना है तो विकासकी दिशा बदलनी होगी, समृद्धिको संवेदनासे जोड़ना होगा और अर्थव्यवस्थाको मानवताके प्रति जवाबदेह बनाना होगा।

इस संकटका सबसे भयावह पक्ष यह है कि जलवायु आपदाएं भी अमीर और गरीबके बीच भेदभाव करने लगी हैं। बाढ़ एक ही समयमें अमीरकी आलीशान कोठी और गरीबकी झोपड़ीतक पहुंचती है, लेकिन दोनोंके परिणाम अलग होते हैं। अमीर सुरक्षित स्थानोंपर चले जाते हैं, बीमा और आधुनिक सुविधाओंसे नुकसानकी भरपाई कर लेते हैं, जबकि गरीब अपना घर, खेत, पशुधन और आजीविका गंवाकर वर्षों पीछे चला जाता है। ऑक्सफैमके अनुसार, अधिक आर्थिक असमानता वाले देशोंमें बाढ़से होने वाली मौतें सात गुनातक अधिक होती हैं। इतना ही नहीं, रिपोर्ट बताती है कि दुनियाके सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगोंका उत्सर्जन भविष्यमें लगभग १९ लाख अतिरिक्त गर्मी-संबंधी मौतोंका कारण बन सकता है। इनमें ७८ प्रतिशत मौतें निम्न एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशोंमें होनेका अनुमान है। आर्थिक असमानताका यह अंतर केवल पर्यावरणतक सीमित नहीं है। जब समाजमें संसाधनों, अवसरों और अधिकारोंका वितरण अन्यायपूर्ण हो जाता है, तब असंतोष जन्म लेता है। बेरोजगारी, महंगी, खाद्य संकट, जल संकट और विस्थापन सामाजिक तनावको बढ़ाते हैं। धीरे-धीरे यही तनाव आक्रोश, विद्रोह, अपराध, सामुदायिक संघर्ष और हिंसाका रूप ले सकता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक हिंसाके पीछे केवल अमीरी-गरीबीका अंतर है, लेकिन जब विकासका लाभ सीमित हाथोंमें सिमटता है और संकटका बोझ बहुसंख्यक आबादीपर पड़ता है, तब सामाजिक शांतिकी नींव कमजोर होना स्वाभाविक है। विडंबना यह है कि कुछ बड़े निवेशक पहले प्रदूषणकारी उद्योगोंसे मुनाफा कमाते हैं और फिर उन्हीं आपदाओंसे निबटने, सफाई तथा पुनर्निर्माणके कारोबारमें लाभ अर्जित करते हैं। ऑक्सफैमका 'डिस्ट्रॉय एंड रीबिल्ड इंडेक्स' २१७ कम्पनियोंके माध्यमसे इसी दोहरे मुनाफेकी पड़ताल करता है। यह सचमुच ऐसी व्यवस्थापर प्रश्नचिह्न है, जहां किसीके लिए आपदा भी अवसर बन जाती है और किसीके लिए जीवनभरका अभिशाप।

भारतके संदर्भमें यह चेतावनी और भी गम्भीर है। भारतकी विशाल आबादीका बड़ा हिस्सा कृषि, निर्माण, छोटे व्यवसायों और असंघटित क्षेत्रपर निर्भर है। किसान अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और तापमान वृद्धिसे जूझ रहा है। मजदूर भीषण गर्मीमें काम करनेको विवश है और महानगरोंकी झुग्गी-बस्तियोंमें रहने वाले परिवार जलभराव तथा गर्मीकी दोहरी मार झेल रहे हैं। विश्व बैंकके अनुसार भारतकी ८० प्रतिशतसे अधिक आबादी ऐसे जिलोंमें रहती है जो जलवायु परिवर्तनसे उत्पन्न आपदाओंके जोखिममें हैं। वहीं, देशके ५७ प्रतिशत जिलोंमें रहने वाली लगभग ७६ प्रतिशत आबादी अत्यधिक गर्मीके उच्च या बहुत उच्च जोखिमका सामना कर रही है। भारतके लिए चुनौती केवल आर्थिक विकासकी गति बढ़ाना नहीं, बल्कि विकासको न्यायपूर्ण, समावेशी और पर्यावरणके अनुकूल बनाना है। विकसित भारत २०४७ का स्वप्न तभी सार्थक होगा, जब विकासकी चमक अंतिम पंक्तिमें खड़े व्यक्तिके जीवनतक पहुंचे। यदि एक ओर महानगरोंमें विलासिता और उपभोगके नये कीर्तिमान बनें और दूसरी ओर गांवोंमें किसान पानी, बिजली और आजीविकाके लिए संघर्ष करता रहे तो विकासकी तस्वीर अधूरी ही रहेगी। विश्वगुरु बननेकी आकांक्षा रखने वाले भारतको दुनियाके सामने यह उदाहरण प्रस्तुत करना होगा कि आर्थिक समृद्धि और प्रकृतिके संरक्षणके बीच संतुलन संभव है। इसके लिए कुछ बुनियादी प्राथमिकताएं आवश्यक हैं। संपन्न वर्ग और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगोंकी जवाबदेही तय हो, विलासितापूर्ण उपभोगपर उचित कर व्यवस्था बने, स्वच्छ ऊर्जाको प्रोत्साहन मिले और जल, जंगल तथा जमीनके संरक्षणको विकासकी अनिवार्य शर्त बनाया जाय। साथ ही जलवायु आपदाओंसे प्रभावित किसानों, मजदूरों और कमजोर समुदायोंके लिए सामाजिक सुरक्षा, बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं तथा पुनर्वासकी प्रभावी व्यवस्था हो। विकासका लाभ केवल पूंजीके स्वामियोंतक सीमित न रहे, बल्कि श्रम करने वाले हाथोंतक भी पहुंचे।

भारतकी सांस्कृतिक चेतनामें 'सर्वे भवन्तु सुखिनः', 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'अपरिग्रह' जैसे जीवन-मूल्य सदियोंसे प्रतिष्ठित रहे हैं। महात्मा गांधीका 'सादा जीवन, उच्च विचार' केवल व्यक्तिगत आचरणका संदेश नहीं, बल्कि संसाधनोंके विवेकपूर्ण उपयोग और सामाजिक उत्तरदायित्वका दर्शन है। जैन दर्शनका अपरिग्रह भी यही सिखाता है कि आवश्यकतासे अधिक संग्रह अंतत: समाजमें असंतुलन पैदा करता है। प्रकृति हमारी संपत्ति नहीं, आने वाली पीढ़ियोंकी धरोहर है। अंतत: ऑक्सफैमकी 'डिजास्टर डिवाइड' रिपोर्ट दुनियाके सामने एक बुनियादी नैतिक प्रश्न खड़ा करती है-क्या विकासका अर्थ कुछ लोगोंकी असीमित समृद्धि और बहुसंख्यक मानवताकी बढ़ती विवशता है। पृथ्वी किसी एक वर्गकी जागीर नहीं, न ही उसके संसाधनोंपर किसी मुट्ठीभर लोगोंका एकाधिकार हो सकता है। आज आवश्यकता अमीरीको अपराध माननेकी नहीं, बल्कि अमीरीके साथ जवाबदेही जोड़नेकी है। याद रखना होगा कि जब समाजमें विषमताकी खाई बहुत गहरी हो जाती है, तब असंतोषकी आग सीमाओंमें नहीं बंधती। धरतीको बचाना है तो विकासकी दिशा बदलनी होगी, समृद्धिको संवेदनासे जोड़ना होगा और अर्थव्यवस्थाको मानवताके प्रति जवाबदेह बनाना होगा। क्योंकि जिस विकासमें प्रकृति सुरक्षित नहीं और मनुष्य सम्मानित नहीं, वह विकास नहीं, विनाशकी प्रस्तावना है।

आदिवासियोंके अस्तित्वका संकट

विकास किसी भी देशकी प्रगतिका आधार होता है, लेकिन विकासकी राहमें जब लोगोंके घर, संस्कृति और प्राकृतिक विरासत दांवपर लगने लगें, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर विकास किसके लिए किया जा रहा है।

❐ महेन्द्र तिवारी

अरुणाचल प्रदेशकी सियांग नदीपर प्रस्तावित विशाल जलविद्युत परियोजनाको लेकर उठ रहा विरोध इसी सवालको हमारे सामने रखता है। एक ओर सरकार इसे बिजली उत्पादन, जल सुरक्षा और राष्ट्रीय हितोंसे जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजना मानती है तो दूसरी ओर स्थानीय आदिवासी समुदायोंको अपनी पुश्तैनी जमीन, आजीविका और सांस्कृतिक पहचान खोनेका भय सता रहा है। अरुणाचल प्रदेशके सियांग क्षेत्रमें प्रस्तावित सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजनाकी क्षमता ११,२०० मेगावाट बतायी गयी है। यह भारतकी सबसे बड़ी प्रस्तावित जलविद्युत परियोजनाओंमेंसे एक है। राष्ट्रीय जलविद्युत निगमको इससे संबंधित प्रारंभिक व्यवहार्यता अध्ययनकी जिम्मेदारी दी गयी है। सरकारका तर्क है कि इस परियोजनासे बड़े पैमानेपर बिजली उत्पादन किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त नदीके जलका भंडारण और प्रवाहका नियमन करनेमें भी सहायता मिल सकती है। देशकी बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओंको देखते हुए ऐसी परियोजनाओंका महत्व नकारा नहीं जा सकता। लेकिन किसी परियोजनाकी उपयोगिता केवल उससे मिलने वाली बिजली या आर्थिक लाभसे तय नहीं होती। यह भी देखना आवश्यक है कि उसके निर्माणसे किन लोगोंको लाभ मिलेगा और किन्हें उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। सियांग घाटीमें रहने वाले आदि समुदायके लोगोंकी आशंकाएं इसी बिन्दुसे जुड़ी हैं। स्थानीय संघटनोंके अनुसार प्रस्तावित जलाशयके कारण २७ गांव डूब सकते हैं और अनेक अन्य गांवोंपर भी प्रभाव पड़ सकता है। प्रभावित होने वाले परिवारोंके लिए यह केवल मकान बदलनेका मामला नहीं है, बल्कि अपनी पूरी जीवनशैलीसे बिछुड़नेका संकट है।

आदिवासी समुदायोंका प्रकृतिके साथ संबंध सामान्य आर्थिक संबंधोंसे कहीं अधिक गहरा होता है। उनकी जमीनमें केवल खेत और मकान नहीं होते, बल्कि पीढ़ियोंकी स्मृतियां, पूर्वजोंकी विरासत और सामाजिक परम्पराएं भी जुड़ी होती हैं। नदी उनके लिए पानीका स्रोत भर नहीं होती, बल्कि जीवन और संस्कृतिका अभिन्न अंग होती है। सियांग नदीके आसपास रहने वाले अनेक लोगोंकी आजीविका खेती, बागवानी, पशुपालन और स्थानीय प्राकृतिक संसाधनोंपर निर्भर है। यदि उन्हें अपनी जमीन छोड़नी पड़ी तो उनके सामने रोजगार, भोजन, सामाजिक संबंधों और सांस्कृतिक निरन्तरतासे जुड़े अनेक प्रश्न खड़े हो सकते हैं। परियोजनाको लेकर पर्यावरणीय चिन्ताएं भी कम गम्भीर नहीं हैं। हिमालयका यह क्षेत्र भूकम्पकी दृष्टिसे संवेदनशील है। इतने बड़े बांधके निर्माणसे पहले भूगर्भीय संरचना, भूकम्पीय जोखिम, नदीके प्राकृतिक प्रवाह, वन्यजीवों और जैव विविधतापर पड़ने वाले प्रभावोंका गहन वैज्ञानिक अध्ययन आवश्यक है। बड़े जलाशयोंसे स्थानीय पारिस्थितिकीमें बदलाव आ सकता है। नदीके प्रवाहमें परिवर्तनका असर मछलियों, वनस्पतियों, कृषि और नदीपर निर्भर समुदायोंपर पड़ सकता है। हालांकि इन संभावित प्रभावोंकी वास्तविक सीमाका निर्धारण स्वतंत्र और विस्तृत वैज्ञानिक आकलनसे ही किया जा सकता है। इस विवादका एक महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा भी है। तिब्बतमें चीन यारलुंग त्सांगपो नदीपर विशाल जलविद्युत परियोजना विकसित कर रहा है। यही नदी भारतमें प्रवेश करनेके बाद सियांग कहलाती है और आगे चलकर ब्रह्मपुत्र नदी प्रणालीका हिस्सा बनती है। चीनकी परियोजनाको लेकर भारतमें नदीके प्रवाह, जल प्रबंधन और संभावित रणनीतिक जोखिमोंपर चिन्ता व्यक्त की जाती रही है। ऐसेमें सियांगपर जल भंडारणकी भारतीय परियोजनाको राष्ट्रीय सुरक्षाके दृष्टिकोणसे भी देखा जा रहा है। फिर भी राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थानीय लोगोंके अधिकारोंको एक-दूसरेके विरोधमें खड़ा करना उचित नहीं होगा। देशकी सीमाओंकी सुरक्षा जितनी आवश्यक है, उतना ही जरूरी उन नागरिकोंके अधिकारोंकी रक्षा करना भी है जो सीमावर्ती क्षेत्रोंमें रहते हैं। किसी परियोजनाका रणनीतिक महत्व अपने आपमें स्थानीय समुदायोंकी आशंकाओंको समाप्त नहीं कर देता। सरकारको यह स्पष्ट करना होगा कि परियोजनासे होने वाले सम्भावित लाभोंके साथ-साथ उसके सामाजिक और पर्यावरणीय जोखिमोंका समाधान किस प्रकार किया जायगा। अक्तूबर २०२६ में इस परियोजनाके विरोधने व्यापक रूप ले लिया है। स्थानीय संघटनों और युवाओंने सर्वेक्षण रोकने, गिरफ्तार कार्यकर्ताओंको रिहा करने तथा प्रभावित समुदायोंसे सार्थक बातचीत करनेकी मांग उठायी है। २३ अक्तूबरको पासीघाटमें विरोध प्रदर्शनके दौरान हिंसा और संपत्तिको नुकसान पहुंचनेकी घटनाएं भी सामने आयीं। हिंसा किसी समस्याका समाधान नहीं है और सार्वजनिक संपत्तिको नुकसान पहुंचाना उचित नहीं ठहराया जा सकता। लेकिन विरोधके दौरान हुई हिंसाके कारण उन मूल सवालोंको भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, जिनके कारण स्थानीय लोगोंमें असंतोष पैदा हुआ है।

सरकारका कहना है कि फिलहाल परियोजनाकी व्यवहार्यताका अध्ययन किया जा रहा है। सर्वेक्षणका अर्थ अंतिम निर्माण स्वीकृति नहीं है। तकनीकी दृष्टिसे यह अंतर महत्वपूर्ण है, लेकिन स्थानीय लोगोंकी आशंकाको भी समझना होगा। उनके लिए जमीनपर सर्वेक्षण और ड्रिलिंगकी शुरुआत भविष्यमें होने वाले बड़े बदलावोंकी आशंका पैदा करती है। इसलिए केवल यह कह देना पर्याप्त नहीं होगा कि अभी निर्माण शुरू नहीं हुआ है। सरकारको पारदर्शिताके साथ जानकारी साझा करनी चाहिए और स्थानीय लोगोंके प्रश्नोंका स्पष्ट उत्तर देना चाहिए। इस समस्याका समाधान संवाद, विश्वास और न्यायपूर्ण प्रक्रियामें छिपा है। परियोजनासे प्रभावित होने वाले प्रत्येक गांव और परिवारकी स्थितिका निष्पक्ष आकलन किया जाना चाहिए। पर्यावरणीय अध्ययन स्वतंत्र विशेषज्ञोंकी निगरानीमें हों और उनके निष्कर्ष सार्वजनिक किये जायं। स्थानीय समुदायोंकी सार्थक भागीदारी सुनिश्चित की जाय। यदि परियोजना आगे बढ़ती है तो पुनर्वास और मुआवजेकी व्यवस्था केवल आर्थिक भुगतानतक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि प्रभावित परिवारोंकी आजीविका, सामाजिक संबंधों और सांस्कृतिक आवश्यकताओंको भी ध्यानमें रखना चाहिए। विकासका वास्तविक अर्थ केवल बांध बनाना, बिजली पैदा करना या आर्थिक आंकड़े बढ़ाना नहीं है। विकास वह है जो लोगोंके जीवनको बेहतर बनाये, उनकी गरिमाकी रक्षा करे और प्रकृतिके साथ संतुलन स्थापित करे। सियांग परियोजनाके सामने चुनौती यही है कि राष्ट्रीय हितों और स्थानीय अधिकारोंके बीच ऐसा रास्ता निकाला जाय जिसमें किसी एककी कीमतपर दूसरेको लाभ न मिले। नदीकी धाराको नियंत्रित करनेसे पहले उससे जुड़े लोगोंकी आवाज सुनना जरूरी है। आखिर किसी भी लोकतंत्रकी सफलता केवल उसकी बड़ी परियोजनाओंसे नहीं, बल्कि इस बातसे तय होती है कि वह अपने सबसे दूरस्थ क्षेत्रोंमें रहने वाले नागरिकोंकी चिन्ताओंको कितनी गम्भीरतासे सुनता है।



अपरिवर्तनशील धर्म

❐ जग्गी वासुदेव

पंद्रह हजार वर्ष पूर्व आदियोगीने पंचभूतके बारेमें बताया था। वह अपने पहले सात शिष्योंको बताते हैं कि संपूर्ण ब्रह्मांड केवल पांच तत्वोंका खेल है और यह हमारे शरीरमें किस अनुपातमें अपना खेल खेलते हैं और कैसे, यदि आप इनपर महारत हासिल कर लेते हैं तो एक तरहसे आप सृजनपर महारत हासिल कर लेते हैं। सृष्टिके एक तत्वपर महारत होनेसे भी आपकी उसतक सीधी पहुंच हो जाती है, जो सृजनका स्रोत है। जब इस विज्ञानको विस्तारमें बताया जा रहा था तो सप्तऋषि और पार्वती वहां उपस्थित थे। आदियोगी इसके पीछेकी बुद्धिमता बताते हुए कहते हैं सिर्फ चार चीजोंके साथ, आप ऐसे सूपको पका सकते हैं जिसे हम आज ब्रह्मांड कहते हैं। भौतिक रूपसे जो कुछ भी है, वह मुख्यत: चार तत्व हैं। आप अधिकांश समय पांचवें तत्वका अनुभव नहीं करते। यदि मैं आपको सिर्फ चार चीजें दूं तो क्या आप इनसे सांभर भी बना सकते हैं। सांभर बनानेके लिए भी आपको पचीस सामग्रियोंकी आवश्यकता होती है। यदि कोई चार चीजोंके साथ एक पूरे ब्रह्मांडको पका सकता है तो यह चकित कर देनेवाली बुद्धिमता है। आदियोगी इन तत्वोंपर महारत हासिल करनेके विज्ञान और तकनीकका वर्णन कर रहे थे। यह सात और एक (सप्तर्षि और पार्वती) यह सब सुन रहे थे और उन प्रदर्शनोंको देख रहे थे जो कि आदियोगी उनके लिए कर रहे थे। फिर उन्होंने कहा या तो आप इन सभी चीजोंमें महारत हासिल कर सकते हैं या आप इस बुद्धिमताके प्रति समर्पण कर सकते हैं और यह आपका हो जायगा। सातों लोग इसमें महारत हासिल करनेके लिए उत्साहित थे और पार्वतीने इसके प्रति समर्पण करने और इसे खुदका हिस्सा बनानेका फैसला किया। तो इन सातोंको काम करनेके लिए दूर भेज दिया गया। पार्वतीको वहीं रहने दिया गया, क्योंकि उन्होंने इस बुद्धिमताके आगे समर्पण कर दिया था और यह उनका एक हिस्सा बन गया। इन सातोंको ऋषिके रूपमें जाना गया और पार्वती देवी बन गयीं। मैं बात कर रहा हूं कि स्वयंको आगे कैसे बढ़ाया जाय! यदि आप इस बातकी गहनतामें पहुंच जाते हैं कि सब कुछ कैसे प्रकट हुआ है, भले ही आप यहां दस लाख सालोंतक रहें और लगातार अध्ययन करें, यह एक अंतहीन प्रक्रिया होगी। यह रोमांचक है, लेकिन यह एक अंतहीन प्रक्रिया है या आप बस इस अंतहीन प्रक्रियाको एक तरफ रख देते हैं और उस आयामको छूते हैं, जो इस सबका स्रोत है। यदि आप यह खेल खेलना चाहते हैं तो आप खुदको सृजनके तत्वोंके साथ शामिल करते हैं। यदि आप यह खेल नहीं खेलना चाहते हैं, यदि आप एक मैच फिक्सर हैं और सिर्फ जीतना चाहते हैं। आपको खेलमें कोई दिलचस्पी नहीं है, आप बस सफल होना चाहते हैं और आगे बढ़ना चाहते हैं, तब आप केवल उसीको स्पर्श करते हैं जो सृजनका स्रोत है। आपको तत्वोंमें खोनेकी जरूरत नहीं है।

विधान परिषद चुनाव नतीजोंके संकेत

❐ रोहित माहेश्वरी

उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक और महाराष्ट्रकी २८ विधान परिषद सीटोंपर आये चुनावी नतीजोंने देशकी सियासतको कई महत्वपूर्ण और गहरे संकेत दिये हैं। चूंकि ये चुनाव मुख्य रूपसे शिक्षकों, स्नातकों (ग्रेजुएट्स) और स्थानीय निकायों द्वारा बैलेट पेपरके माध्यमसे चुने जाते हैं, इसलिए इनके राजनीतिक संदेश सीधे तौरपर प्रबुद्ध वर्ग, सरकारी कर्मचारियों और जमीनी संघटनकी मनोदशाको दर्शाते हैं। चूंकि ये चुनाव बैलेट पेपरसे हुए थे, इसलिए एनडीएकी इस जीतने विपक्षके उस नैरेटिवको बड़ा झटका दिया है जिसमें अक्सर ईवीएमपर सवाल उठाये जाते थे। भाजपाने इस नतीजेसे यह संदेश दिया है कि उसकी जीतका आधार जनताका समर्थन और मजबूत संघटन है, न कि वोटिंग मशीन। विधान परिषदके चुनावोंमें कांग्रेस 'बड़े शून्य' के धब्बेसे बच गयी। नागपुर स्नातक सीट जीतकर सभीको चौंका दिया। नागपुरकी जीत 'प्रतीकात्मक' है, क्योंकि यहां आरएसएसका मुख्यालय है और केन्द्रीयमंत्री नितिन गडकरी यहांसे सांसद हैं। महाराष्ट्रके मुख्य मंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी नागपुरकी एक सीटसे विधायक हैं। क्या नागपुरमें स्नातक युवाओंपर संघ परिवारका मानसिक और नैतिक प्रभाव कम हुआ है।

उत्तर प्रदेशमें प्रधान मंत्री मोदीके चुनाव क्षेत्र वाराणसीमें शिक्षक और स्नातक सीटें समाजवादी पार्टीने जीती हैं। इस सीटपर प्रधान मंत्रीकी सांसदके तौरपर जीतका अन्तर भी काफी कम हुआ था, लिहाजा यह भाजपाकी नयी चिन्ता होनी चाहिए कि शिक्षक और स्नातक जैसा शिक्षित वर्ग क्या भाजपासे विमुख हो रहा है। आगरामें भी सपाका उच्च जातियोंके बीच समीकरण बैठाना यह संकेत देता है कि भाजपाके कोर वोटर व्यापारी वर्गके भीतर स्थानीय स्तरपर कुछ नाराजगी है जिसे दूर करना भाजपाके लिए बड़ी चुनौती होगा।

लखनऊ केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंहका चुनाव क्षेत्र है और गोरखपुर मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथका गृह-गढ़ है। लखनऊमें भाजपाकी पराजय हुई है और गोरखपुरमें 'दूसरी वरीयता' के स्तरपर मात्र ३०७ मतोंसे जीत पायी है। इलाहाबाद (अब प्रयागराज) भी भाजपाका गढ़ है। वहांसे भी सपाने जीत हासिल की है। उत्तर प्रदेशमें मार्च, २०२७ में विधानसभा चुनाव होने हैं। बेशक विधान परिषदके चुनाव सीमित होते हैं, फिर भी हजारों मतदाता अपने मताधिकारका प्रयोग करते हैं। यह भी जनादेशसे कमतर नहीं माना जा सकता। कमोबेश इनके नतीजोंसे स्पष्ट संकेत मिलते हैं, लिहाजा दल सबक भी ले सकते हैं। उत्तर प्रदेशमें आम विधानसभा चुनावसे पहले ही समीकरण बदलते लग रहे हैं। यदि सपा-कांग्रेसने वाकई गठबंधनमें चुनाव लड़ा तो नतीजे अप्रत्याशित भी हो सकते हैं। उत्तर प्रदेशमें कुल ११ सीटोंमेंसे भाजपाके हिस्से छह और सपाके हिस्से पांच सीटें आयी हैं। भाजपा पिछले चुनावकी तरह ही है, लेकिन सपाने दो सीटोंकी बढ़त बनायी है, लिहाजा संकेत स्पष्ट हैं कि भाजपाके सामने चुनावी चुनौतियां हैं। सबसे चौंकाऊ नतीजा यह रहा है कि कर्नाटकमें कांग्रेसका सूपड़ा साफ हो गया है। सभी चारों सीटोंपर भाजपा-जद (एस) का कब्जा हो गया है। कर्नाटकमें कांग्रेस सत्तारूढ़ है। मुख्य मंत्री डीके शिवकुमार 'चुनावी सियासत' के चाणक्य माने जाते रहे हैं। बेंगलुरुमें पुट्टन्ना परिषदकी शिक्षक वर्ग सीटसे पांच बार निर्वाचित हो चुके हैं और परिषदके उपाध्यक्ष भी रहे हैं, लेकिन इस बार वह सीट जद-एसने छीन ली है। शेष तीनों सीटोंपर भाजपा विजयी रही है। यह २०२८ के विधानसभा चुनावके मद्देनजर 'बदलावका संकेत' है। बेंगलुरु शिक्षक सीट जैसे मजबूत गढ़में मु

मेडिकल उपकरणों के दोबारा इस्तेमाल पर रोक, 75 प्रतिशत तक महंगा हो सकता है इलाज



डायलिसिस सेवाओं में चुनौती, अस्पतालों ने जतायी चिंता

नयी दिल्ली। देश के बड़े अस्पताल समूहों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी एसोसिएशनों ने इलाज में एक बार इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के दोबारा इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगाने के सरकार के फैसले का विरोध किया है। उनका कहना है कि इस फैसले से जटिल बीमारियों के इलाज का खर्च 25 से 75 फीसदी तक बढ़ सकता है। डायलिसिस सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं और पहले से आर्थिक दबाव झेल रहे अस्पतालों की मुश्किलों में इजाफा हो सकता है। नारायण हेल्थ, मणिपाल हॉस्पिटल्स, फोर्टिस हेल्थकेयर, केआईएमएस हॉस्पिटल्स और मेदांत सहित कई बड़े अस्पताल समूहों के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वास्थ्य क्षेत्र की कई एसोसिएशनों के साथ मिलकर सरकार को विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। इसमें मांग की गई है कि एक बार इस्तेमाल होने वाले सभी मेडिकल उपकरणों पर प्रतिबंध लगाने के बजाय कुछ चुनिंदा उपकरणों को तय सुरक्षा मानकों के तहत दोबारा इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने 16 अक्टूबर को एक निर्देश जारी कर उन चिकित्सा उपकरणों के दोबारा इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी, जिन्हें निर्माता कंपनियों ने केवल एक बार इस्तेमाल के लिए बनाया है। यह प्रतिबंध सरकारी और निजी दोनों तरह के अस्पतालों पर लागू किया गया है। सरकार ने इस फैसले का प्रमुख कारण मरीजों की सुरक्षा को बताया था। उसका कहना है कि ऐसे उपकरणों का दोबारा इस्तेमाल करने से संक्रमण और स्वास्थ्य संबंधी दूसरी समस्याओं का खतरा हो सकता है। इसके अलावा ऐसी शिकायतें भी मिली थीं कि कुछ अस्पताल इस्तेमालशुदा इन उपकरणों के लिए भी मरीजों से नई कीमत वसूलते हैं। एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (भारत) के महानिदेशक गिरधर ज्ञानी ने बिज़नेस स्टैंडर्ड से इस बात की पुष्टि की है कि अस्पताल उद्योग की ओर से सरकार को इस संबंध में विस्तृत सुझाव भेजे गए हैं। उन्होंने कहा कि संगठन फिलहाल सरकार के जवाब का इंतजार कर रहा है। नैटहेल्थ के महासचिव सिद्धार्थ भट्टाचार्य का कहना है कि किसी भी तरह का प्रतिबंध लगाने से पहले मरीजों की सुरक्षा, उपकरणों की उपलब्धता और इलाज का खर्च जैसे पहलुओं का व्यापक आकलन होना चाहिए। उन्होंने मरीजों की सुरक्षा और इलाज के खर्च के बीच संतुलन बनाने के लिए एक ऐसा चिकित्सकीय जोखिम आकलन ढांचा तैयार करने की मांग की, जो उन देशों के अनुभवों पर आधारित हो, जहां भारत जैसी स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां हैं। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित आदेश को जल्दबाजी में लागू करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से लागू करने की अपील की। इस फैसले को लेकर सबसे बड़ी चिंता डायलिसिस सेवाओं को लेकर है। उद्योग से जुड़े अनुमानों के मुताबिक भारत में होने वाले 60 फीसदी से अधिक डायलिसिस सत्रों में डायलाइजर का एक से ज्यादा बार इस्तेमाल किया जाता है। देश में करीब 5 लाख मरीजों के लिए हर साल लगभग 4 करोड़ डायलिसिस सत्र होते हैं।

सन फार्मा का मुनाफा दूसरी तिमाही में 36 प्रतिशत घटकर 1,989 करोड़ रुपए पर

नयी दिल्ली। दवा कंपनी सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 36.36 प्रतिशत घटकर 1,988.53 करोड़ रुपए रहा। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 3,124.95 करोड़ रुपए था। सन फार्मा ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2026-26 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में उसकी एकीकृत परिचालन आय बढ़कर 16,198.71 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 14,478.31 करोड़ रुपए थी। देश में दवाओं की बिक्री बढ़ने से आय में वृद्धि हुई। इस दौरान भारत में कंपनी की दवाओं की बिक्री 17.3 प्रतिशत बढ़कर 5,552.3 करोड़ रुपए हो गई। यह तिमाही में कंपनी की कुल एकीकृत बिक्री का 34.5 प्रतिशत थी। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसका कुल खर्च बढ़कर 12,287.83 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 10,780.62 करोड़ रुपए था। सन फार्मा के प्रबंध निदेशक कीर्ति गणोरकर ने कहा कि तिमाही के दौरान भारत, उभरते बाजारों और दुनिया के अन्य हिस्सों में मजबूत कारोबार से कंपनी का प्रदर्शन बेहतर रहा।

आम जनता और कारोबारियों पर महंगाई का बोझ बढ़ा

महंगा हुआ कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर

नयी दिल्ली। दिवाली के त्योहार से ठीक पहले आम जनता और कारोबारियों पर महंगाई का बोझ बढ़ गया है। 1 नवंबर से दिल्ली से लेकर चेन्नई और अहमदाबाद से लेकर शिलांग तक कमर्शियल एलपीजी (रुक्कत्र) सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए गए हैं। हालांकि, आम गृहणियों के लिए राहत की बात यह है कि 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें स्थिर रखी गई हैं। इससे पहले 1 अक्टूबर को भी दिल्ली में 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर ?62.50 महंगा हुआ था।

बेंचमार्क राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर अब 2,810 की जगह 2,820 का हो गया है, जबकि 14.2 किलो वाला घरेलू सिलेंडर 942 पर ही टिका हुआ है। अन्य प्रमुख शहरों में भी कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में तेजी दर्ज की गई है-

ष्टहृत्र क्कह्म्द्बष्द्ग ।।द्बद्मद्ग- महंगी हुई ष्टहृत्र, अडानी टोटल गैस ने ?4.45



प्रति किलो तक बढ़ाए दाम, चेन्नई- यहां कमर्शियल सिलेंडर ?11.50 महंगा होकर ?2,994.50 का हो गया है (अक्टूबर में यह ?2,983 का था)। चेन्नई में घरेलू सिलेंडर का दाम 957.50 बना हुआ है। अहमदाबाद- अहमदाबाद में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 10.50 बढ़कर 2,842 (पहले 2,831.50) पहुंच गई है। यहां घरेलू सिलेंडर 949 पर स्थिर है।

मुंबई- मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर 2,764 और घरेलू सिलेंडर 941.50 का मिल रहा है। पटना और लखनऊ- बिहार के पटना में कमर्शियल सिलेंडर 3,132 पर पहुंच गया है और घरेलू सिलेंडर 1,040 का है। वहीं, उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कमर्शियल सिलेंडर 2,942 का हो गया है, जबकि घरेलू सिलेंडर 979.50 पर स्थिर है। इसके अलावा शिलांग में कमर्शियल सिलेंडर 3,091 और घरेलू सिलेंडर 1,007.50 का है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें बढ़ने का सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों, कैटरिंग और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर पड़ेगा। इन स्थानों पर बड़े पैमाने पर 19 किलो वाले सिलेंडर का इस्तेमाल होता है, जिससे कारोबारियों की लागत बढ़ सकती है। हालांकि, बाजार में खाने-पीने की चीजों के दाम पर इसका कितना असर पड़ेगा, यह अन्य व्यावसायिक परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

भारत में एआई को मिलेगी नयी रफ्तार, अस्पतालों और बैंकों का डेटा इस्तेमाल कर सकेंगे स्टार्टअप

नयी दिल्ली। सरकार आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) प्रशिक्षण से संबंधित एक राष्ट्रीय ढांचे का प्रस्ताव देने वाली है। इस ढांचे के तहत स्टार्टअप इकाइयां, शोधकर्ता और कंपनियां अस्पतालों, बैंकों और सरकारी एजेंसियों में एकत्र जानकारियों (डेटा) का इस्तेमाल एआई मॉडल के प्रशिक्षण में कर पाएंगे। एआई प्रशिक्षण के लिए डेटा सशक्तीकरण एवं संरक्षण संरचना (डीईपीए) नाम से इस प्रस्ताव के मसौदा ढांचे में कहा गया है कि च्इसमें वर्ष 2030 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एआई की मदद से 500 अरब डॉलर का इजाफा हो सकता हैज्। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस ढांचे का प्रस्ताव दिया है। इस योजना के तहत एआई मॉडल का प्रशिक्षण सुरक्षित डेटा माहौल, गोपनीयता बनाए रखने की तकनीक और मशीन द्वारा पढ़े जा सकने वाले इलेक्ट्रॉनिक अनुबंधों के जरिये होगा। इससे डेटा उपलब्ध कराने वालों के मूल आंकड़े डेवलपर के हाथों में नहीं जाएंगे। शुक्रवार को बेंगलूरु में आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने च्एआई प्रशिक्षण के लिए डीईपीएज् छोटी पुस्तिका जारी की। इस कार्यक्रम में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद, इन्फोसिस के सह-संस्थापक क्रिस गोपालकृष्णन, एचडीएफसी बैंक के अंजनी राठौर, आईस्पिरिट फाउंडेशन के सह-संस्थापक शरद शर्मा, इमर्जेंट एआई के कार्यकारी चेयरमैन मानव गर्ग और सर्वम के अश्वनी शर्मा शामिल थे। च्डीईपीए ट्रेनिंगज् नाम के इस ढांचे को इस पुस्तिका में भारत के च्एआई के लिए डिजिटल सार्वजनिक ढांचेज् के रूप में बताया गया है। यह रिपोर्ट आईस्पिरिट फाउंडेशन के साथ मिलकर तैयार की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इसमें चेतावनी दी गई है कि ऐसे ढांचे के बिना भारतीय स्टार्टअप इकाइयां और शोधकर्ताओं के लिए नवाचार की राह रुक जाएगी। साथ ही, यह भी चेतावनी दी गई है कि इससे बाजार में कुछ बड़ी कंपनियों का दबदबा बढ़ सकता है। यह ढांचा सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए 20 से 25 लाख करोड़ रुपये की ऋण की कमी से भी जुड़ा है। यह अनुमान भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति का है। रिपोर्ट में डेटा डेडलॉक का जिक्र मुख्य समस्या के तौर पर किया गया है। अगली पीढ़ी की समस्याएं हल करने के लिए जरूरी डेटा अलग-अलग क्षेत्रों में बंटे हुए हैं। यह कई तरह की संस्थागत और विनियामक सुरक्षा प्रावधानों के तहत सुरक्षित है। रिपोर्ट में कहा गया है, च्भारत के पास डेटा का भंडार है। असली चुनौती इस भंडार को वास्तविक दुनिया के समाधानों में बदलने की है। इसमें चार बाधाएं यानी निजता से जुड़े जोखिम, संस्थागत और व्यावसायिक जोखिम, भरोसेमंद और सुलभ ढांचे की कमी और लागत-लाभ विश्लेषण अक्सर डेटा साझा करने की राह में मुश्किलें खड़ी करती हैं। इस रिपोर्ट के लेखकों का तर्क है कि केवल नाम और आईडी नंबर हटा देना काफी नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक च्केवल डेटा गुमनाम करने भर से काम नहीं चलेगा क्योंकि इसमें डेटा की पहचान फिर सार्वजनिक होने का जोखिम रहता है और डेटा की उपयोगिता भी कम हो जाती है। यह फ्रेमवर्क च्डीपीपीए इन्फरेंसज् से अलग है। च्डीपीपीए इन्फरेंसज् वित्त क्षेत्र में अकाउंट एग्रीगेटर मॉडल के जरिए काम करता है और इसमें व्यक्ति की सहमति से उसका डेटा साझा किया जाता है। इसके विपरीत, च्डीपीपीए इन्फरेंसज् का लक्ष्य बड़े पैमाने पर मौजूद, गुमनाम (डी-आइडेंटिफाइड) डेटा हैं जिनका इस्तेमाल शुरुआत में मॉडल बनाने के लिए किया जाता है। इसका ढांचा चार तकनीकी स्तंभों पर टिका है जिनमें डेटा एक्सचेंज प्लेटफॉर्म, इलेक्ट्रॉनिक अनुबंध, सुरक्षित डेटा वातावरण और डिफरेंशियल प्राइवेसी शामिल हैं।

वाणिज्य मंत्रालय ने निर्यातकों को रिलीफ योजना का बेहतर लाभ पहुंचाने के लिए गठित की समिति

नयी दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने निर्यातकों के लिए शुरू की गई रिलीफ योजना के तहत मंजूर धनराशि का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित करने और अधिक निर्यातकों तक इसका लाभ पहुंचाने के लिए छह सदस्यीय समिति गठित की है। सरकार ने 25,060 करोड़ रुपए के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) के तहत रेजिलिएंस एंड लॉजिस्टिक्स इंटरवेंशन फॉर एक्सपोर्ट फैसिलिटेशन (रिलीफ) योजना शुरू की है। इसका मकसद खाड़ी और पश्चिम एशिया के समुद्री व्यापार मार्गों में बाधाओं, माल ढुलाई की बढ़ती लागत तथा बीमा प्रीमियम में वृद्धि से निर्यातकों को राहत देना है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक व्यापारिक अधिसूचना में कहा कि रिलीफ योजना के तहत धनराशि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने और अधिक निर्यातकों को इसका लाभ दिलाने के लिए एक समिति गठित की गई है। इस समिति में डीजीएफटी के तीन अधिकारी तथा वाणिज्य विभाग, वित्तीय सेवा विभाग और भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम (ईसीजीसी) का एक-एक प्रतिनिधि शामिल है। अधिसूचना के अनुसार, समिति रिलीफ योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगी। इसमें ईसीजीसी की ओर से निपटाए गए दावों और उपलब्ध शेष धनराशि की जानकारी भी शामिल होगी। इसके अलावा, समिति योजना का लाभ उठाने में आ रही बाधाओं और मंजूर धनराशि के इस्तेमाल की स्थिति की समीक्षा करेगी। वह धनराशि के बेहतर उपयोग और अधिक निर्यातकों तक योजना का लाभ पहुंचाने के उपाय भी सुझाएगी।

ओडिशा सरकार ने वेदांत लिमिटेड को 2013 में आवंटित 28.8 एकड़ सरकारी जमीन का पट्टा किया रद्द

नयी दिल्ली। ओडिशा में जमीन संबंधी बाधाओं से कई औद्योगिक परियोजनाओं में देरी हो रही है। इस बीच, राज्य सरकार ने झारसुगुड़ा जिले में वेदांत लिमिटेड को आवंटित 28.8 एकड़ सरकारी जमीन का आवंटन/पट्टा रद्द कर दिया है। सरकार ने यह कदम लंबे समय से जमीन का इस्तेमाल नहीं किए जाने के कारण उठाया है। यह जमीन कंपनी को 2013 में आवंटित की गई थी। कंपनी ने इस पट्टे पर मिली जमीन को गिरवी रखकर बैंक से कर्ज भी लिया था। झारसुगुड़ा तहसील के पंचपाड़ा गांव में स्थित यह जमीन मूल रूप से वेदांत एल्युमीनियम लिमिटेड को आवंटित की गई थी। औद्योगिक बुनियादी ढांचा विकास निगम (इडको) ने 8 अक्टूबर 2013 को पट्टा विलेख के जरिये कंपनी को इसका कब्जा सौंपा था। बाद में कंपनी का नाम बदलने के बाद 17 जनवरी 2020 को पट्टा वेदांत लिमिटेड के नाम कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, ओडिशा के प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा-1) के निरीक्षण के बाद इडको ने जमीन का आवंटन रद्द किया। इसके बाद झारसुगुड़ा के भूमि अधिकारी और इडको के संबलपुर मंडल के अतिरिक्त भूमि अधिकारी ने भी जांच पाया कि जमीन अब भी खाली पड़ी है। अधिकारियों ने कहा, च्कंपनी मूल पट्टा समझौते की शर्तें पूरी करने में नाकाम रही। आवंटन पत्र के खंड 19 और पट्टा समझौते के खंड 43 के मुताबिक, तय समयसीमा के भीतर निर्माण कार्य शुरू करना जरूरी था। ऐसा नहीं करने पर जमीन का आवंटन रद्द किया जा सकता था और उसे सभी तरह के दावों और देनदारियों से मुक्त होकर इडको को वापस सौंपा जाना था। आवंटन रद्द करने का आदेश जारी करने से पहले इडको ने 9 अप्रैल को वेदांत को कारण बताओ नोटिस जारी कर जमीन का इस्तेमाल नहीं करने पर जवाब मांगा था। अपने जवाब में कंपनी ने कहा था कि इस जमीन का इस्तेमाल भविष्य में विस्तार, सहायक सुविधाओं, औद्योगिक सहयोगी बुनियादी ढांचे, कल्याणकारी सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी परियोजनाओं के लिए करने का प्रस्ताव है। हालांकि, बाद में मौके पर जाकर की गई जांच में पाया गया कि जमीन पर कोई बड़ा निर्माण या औद्योगिक गतिविधि नहीं हुई थी। इस बीच, वेदांत को निर्देश दिया गया है कि वह तुरंत संबंधित प्राधिकरण को जमीन का शांतिपूर्ण और खाली कब्जा सौंपे। साथ ही कंपनी को जमीन पर किसी तीसरे पक्ष का अधिकार बनाने, आगे निर्माण करने या अन्य गतिविधियां चलाने से भी रोक दिया गया है। वेदांत एल्युमीनियम मेटल के प्रवक्ता ने कहा, च्इस जमीन को गिरवी रखकर लिए गए कर्ज का पूरा भुगतान किया जा चुका है।

नई खबर...

सेबी लचीले पूंजी बाजारों को बढ़ावा दे रहा, निवेशकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान-चेयरमैन

कोलकाता। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहीन कांता पांडेय ने शनिवार को कहा कि नियामक देश के पूंजी बाजारों को अधिक सुगम, कुशल और लचीला बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि सेबी का मुख्य ध्यान पूंजी निर्माण को सुगम बनाने, कारोबारी सुगमता में सुधार करने और निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने पर है। उन्होंने यहां %भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स इन्वेस्टर्स फोरम% में पूंजी बाजार के विस्तार पर कहा कि पिछले दशक में बाजार पूंजीकरण में जोरदार वृद्धि हुई है, जिसमें कंपनियां इक्विटी और ऋण निर्गमों के जरिये सालाना औसतन 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक जुटा रही हैं।

उन्होंने कहा, हम व्यवसायों के लिए बाजारों को लगातार मजबूत कर रहे हैं। साथ ही उतनी ही प्राथमिकता निवेशकों की सुरक्षा भी है। विश्व स्तरीय बाजार न केवल सामान्य समय में कुशल होने चाहिए, बल्कि तनाव के दौरान भी लचीले होने चाहिए।%% पांडेय ने कहा कि ये उद्देश्य एक-दूसरे का समर्थन करते हैं। उन्होंने बताया कि पूंजी बाजार में पश्चिम बंगाल की भागीदारी काफी बढ़ गई है और यहां निवेशकों की संख्या वित्त वर्ष 2014-15 के लगभग 12 लाख से बढ़कर आज 90 लाख से अधिक हो गई है, जिनमें से लगभग 36 प्रतिशत युवा निवेशक 30 वर्ष से कम आयु के हैं।

कोयला खनन करने वाली कंपनियों को सरकार ने दी राहत, भूमिगत खनन के लिए अब नहीं देना होगा अग्रिम भुगतान

देश में भूमिगत खनन को बढ़ावा देने के अहम कदम के तहत कोयला मंत्रालय ने आंशिक रूप से खोजे गए कोयला ब्लॉक के लिए भी अग्रिम भुगतान से छूट का लाभ दे दिया है। अभी जो कंपनियां आंशिक रूप से खोजे गए ब्लॉक में भूमिगत खनन करती हैं, उन्हें वहां मौजूद अनुमानित भूवैज्ञानिक भंडार के मूल्य का 0.2 प्रतिशत हिस्सा अग्रिम भुगतान के रूप में देना पड़ता है। कोयला खदान (विशेष वधान) अधिनियम और एमएमडीआर अधिनियम के तहत कोयले की बिक्री के लिए कोयला ब्लॉक की नीलामी की मौजूदा प्रक्रिया में राजस्व हिस्सेदारी की न्यूनतम सीमा 4 प्रतिशत तय की गई है। इसके अलावा ब्लॉक पाने वाली कंपनी को 2 प्रतिशत की अग्रिम राशि जमा करनी होती है। हालांकि भूमिगत खनन के लिए वर्गीकृत कोयला खदानों के मामले में राजस्व हिस्सेदारी की न्यूनतम सीमा 2 प्रतिशत रखी गई है और साथ ही अग्रिम भुगतान से पूरी तरह छूट दी गई है। आंशिक रूप से खोजी गई कोयला खदानों के मामले में चूंकि पहले से यह तय नहीं किया जा सकता कि खदान भूमिगत खनन, ओपनकास्ट खनन या मिश्रित खनन के लिए उपयुक्त है या नहीं, इसलिए ऐसी खदानों को 4 प्रतिशत राजस्व हिस्सेदारी के न्यूनतम मूल्य पर नीलामी के लिए रखा जाता है। इसलिए जिन मामलों में सफल बोलीदाता ऐसी कोयला खदानों में खोज के बाद भूमिगत खनन करता है, वहां मौजूदा प्रावधानों के तहत अग्रिम राशि का भुगतान करना होता है। मंत्रालय ने माना है कि ओपन कास्ट खनन की तुलना में भूमिगत खनन में शुरुआती निवेश अधिक लगता है, इसकी विकास अवधि लंबी होती है और उत्पादन लागत भी अधिक आती है। हालांकि भूमिगत खनन के पर्यावरणीय लाभ इन वित्तीय पहलुओं पर भारी पड़ते हैं, जिससे यह खनन का एक बेहतर तरीका बन जाता है।

अक्तूबर में विदेशी निवेशकों ने निकाले 34,843 करोड़, लेकिन आखिरी हफ्ते में बदला रुख

नयी दिल्ली। अक्टूबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार से 34,843 करोड़ रुपये निकाले हैं। यह लगातार दूसरा महीना है, जब विदेशी निवेशकों ने इतनी बड़ी रकम की बिकवाली की है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, दुनिया भर में ब्याज दरों और भारतीय कंपनियों की कमाई को लेकर चिंता के कारण विदेशी निवेशकों ने शेयर बेचे हैं। हालांकि, महीने के आखिरी हफ्ते में विदेशी निवेशकों का रुख बदला है। उन्होंने 26 से 30 अक्टूबर के बीच भारतीय शेयर बाजार में करीब 6,300 करोड़ रुपये लगाए हैं। इससे पहले 23 अक्टूबर को खत्म हुए हफ्ते में उन्होंने करीब 2,700 करोड़ रुपये निकाले थे।

सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों ने सितंबर में भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। इससे पहले जुलाई में उन्होंने 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 29,631 करोड़ रुपये का निवेश किया था। अक्टूबर की बिकवाली को मिलाकर विदेशी निवेशक 2026 में अब तक भारतीय शेयर बाजार से कुल 2.95 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। मीरा मनी के को-फाउंडर आनंद के राठी के मुताबिक, अक्टूबर में विदेशी निवेशकों की बड़ी बिकवाली के पीछे कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, वैश्विक ब्याज दरें और कंपनियों की कमाई को लेकर चिंता प्रमुख कारण रहे हैं। उन्होंने कहा कि कच्चा तेल महंगा होने से भारत में महंगाई बढ़ने और कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ने का खतरा रहता है। इसके अलावा अमेरिका में बॉन्ड पर बेहतर रिटर्न मिलने की वजह से भी विदेशी निवेशक अपना पैसा दूसरे बाजारों में लगा रहे हैं। राठी के मुताबिक, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने विदेशी निवेशकों की बिकवाली के दौरान शेयर खरीदकर बाजार को सहारा दिया है। हालांकि, विदेशी निवेशकों की हालिया खरीदारी आगे भी जारी रहेगी या नहीं, यह कच्चे तेल की कीमतों, वैश्विक आर्थिक हालात और कंपनियों के नतीजों पर निर्भर करेगा। अक्टूबर के आखिरी चार कारोबारी सत्रों में से तीन में विदेशी निवेशकों ने कैश मार्केट में खरीदारी की है। इससे संकेत मिलता है कि भारतीय शेयर बाजार को लेकर उनका नजरिया कुछ बेहतर हुआ है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वीके विजयकुमार के मुताबिक, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करने, भारतीय बड़ी कंपनियों के शेयरों की कीमतें आकर्षक होने और घरेलू अर्थव्यवस्था में मजबूती के संकेत मिलने से विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े शेयरों में निवेश का रुझान कमजोर पड़ना भी एक वजह हो सकती है। विदेशी निवेशकों की खरीदारी बढ़ने से निफ्टी को दोबारा 23,000 के स्तर के ऊपर पहुंचने में भी मदद मिली है। हालांकि, विदेशी निवेशक अभी भी बड़ी फाइनैंशियल कंपनियों के शेयर बेच रहे हैं। दूसरी ओर, वे चुनिंदा फार्मा, हेल्थकेयर और डिजिटल प्लेटफॉर्म कंपनियों के शेयर खरीद रहे हैं।

दैनिक मंडी समीक्षा

नयी दिल्ली। ग्राहकी निकलने तथा हाजिर में माल की कमी के कारण काबली चना 500 रुपये प्रति क्विंटल तेज हो गया। दाल मिलों की मांग से दलहनों में चना-मूंग-उड़द-अरहर की कीमतों में 50/100 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। मांग बढऩे तथा आपूर्ति कमजोर होने से सरसों व इसके तेल के भाव 50/100 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। जबकि अखाद्य तेलों में मांग कमजोर होने से राइसफैटी की कीमतों में 100 रुपये की गिरावट रही। आवक कमजोर होने से गुड़-शक्कर की कीमतों में स्थिरता रही। जबकि मांग कमजोर होने से चीनी में कारोबार ढीला रहा। किराना जिंसों में मांग बढऩे से बड़ी इलायची के भाव 20 रुपये तथा छोटी इलायची के भाव 50 रुपये प्रति किलो तेज हो गए। बिकवाली कमजोर होने से जीरे में भी 200 रुपये की सुर्खी रही। आयातकों की बिकवाली घटने तथा त्योहारी मांग निकलने से पिस्ते के भाव 50/100 रुपये तथा बादाम गिरी के भाव 20/25 रुपये प्रति किलो तेज हो गए।

अनाज-दाल

निर्यात व घरेलू मांग बढऩे तथा राइस मिलों की बिकवाली कमजोर होने से बासमती चावल के भाव 100 रुपये बढक़र 1509 चावल सेला 8400/8500 तथा स्टीम 8600/8700 रुपये व बासमती 1718 सेला 9400/9500 तथा 1401 स्टीम के भाव 10000/10100 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। ग्राहकी निकलने तथा स्टाकिस्टों की बिकवाली कमजोर होने से जौ 110 रुपये बढक़र 2840/2860 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। दाल मिलों की मांग बढऩे तथा आयातकों की बिकवाली कमजोर होने से उड़द 100/200 रुपये बढक़र देसी 8200/9200 रुपये तथा रंगून एफएक्यू 9525/9550 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। बिकवाली कमजोर होने से मूंग भी 100 रुपये तेज होकर राजस्थान 8400/8700 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। आयातकों की बिकवाली सुस्त पडऩे से अरहर लेमन 50 रुपये बढक़र 9150/9175 रुपये तथा देसी के भाव 9550/9600 रुपये व राजस्थानी चना 7000/7025 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। दलहनों में तेजी का रुख होने के कारण मिलों की बिकवाली कमजोर होने से अरहर दाल 100 रुपये बढक़र 12100/13000 रुपये तथा चना दाल 8000/8500 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। महाराष्ट्र की मंडियों के तेज समाचार आने तथा स्टाकिस्टों की बिकवाली घटने से काबली चना 500 रुपये बढक़र मीडियम 8000/8200 रुपये प्रति क्विंटल के उच्च स्तर पर पहुंच गया। राजमा भी पूछपरख बढऩे से 200 रुपये बढक़र ब्राजील इंडियन 11700/11900 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।



तेल-तिलहन

तेल मिलों की मांग बढऩे तथा स्टाकिस्टों की बिकवाली कमजोर होने से सरसों 50 रुपये बढक़र 8350/8400 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। सरसों में तेजी का रुख होने के कारण मिलों की बिकवाली सुस्त पडऩे से सरसों तेल भी 100 रुपये तेज होकर 17050 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। जबकि ऊंचे भाव पर मांग कमजोर होने से सोया तेल के भाव 15000 रुपये तथा बिनौला तेल के भाव 14800 रुपये प्रति क्विंटल पर सुस्त रहे। अखाद्य तेलों में साबुन निर्माताओं की मांग कमजोर होने से राइसफैटी 100 रुपये घटकर 11800/11850 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। उठाव न होने से सोया एसिड ऑयल भी 100/200 रुपये घटकर 10000/10100 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया।

गुड़-चीनी

सरकार द्वारा अक्तूबर माह के पहले पखवाड़े के लिए 14 लाख टन का कोटा आबंटित किया गया है जो सितंबर की तुलना में अधिक है। कोटा छोड़े जाने व महीने के अंतिम तारीख होने के कारण लिफ्टिंग का दबाव बढऩे के कारण मिल डिलीवरी चीनी के भाव 4500/4600 रुपये पर सुस्ते रहे। महाराष्ट्र में भी मांग कमजोर होने से चीनी के भाव 20 रुपये प्रति क्विंटल घट गए। जबकि पश्चिम उत्तर प्रदेश की मंडियों से आवक न बढऩे के कारण गुड़ पेड़ी के भाव 5900/6000 रुपये तथा ढैया के भाव 6100/6200 रुपये प्रति क्विंटल पर मजबूत रहे।

किराना-मेवे

ग्राहकी निकलने तथा स्टाकिस्टों की बिकवाली कमजोर होने से छोटी इलायची 50 रुपये बढक़र 2800/3600 रुपये प्रति किलो हो गई। बड़ी इलायची भी पूछपरख बढऩे से 20 रुपये तेज होकर 1450/1490 रुपये प्रति किलो हो गई। जीरा भी स्टाकिस्टों की बिकवाली कमजोर होने से 200 रुपये बढक़र 23400/23600 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। दूसरी ओर मांग कमजोर होने से धनिया बादामी 100 रुपये मुलायम होकर 16200/16400 रुपये तथा हल्दी ईरोड गट्ठा 18900/19000 रुपये पर 200 रुपये प्रति क्विंटल नीचे आ गया। मेवों में आयातकों की बिकवाली कमजोर होने से पिस्ता 100 रुपये तेज होकर ईरानी 2950/3100 रुपये, पेशावरी 3900/4000 तथा पिस्ता डोडी रोस्टिड 1650/1700 रुपये प्रति किलो के उच्च स्तर पर पहुंच गया। बिकवाली कमजोर होने से बादाम



गिरी कैलीफोर्निया 20/25 रुपये बढक़र 1000/1070 रुपये प्रति किलो हो गई। जबकि मांग कमजोर होने से अंजीर 500/1000 रुपये घटकर 21800/53000 रुपये प्रति 40 किलो रह गया।

सर्राफा

विदेशों के तेज समाचार आने से सोने के भाव 1700 रुपये प्रति 10 ग्राम उछल गए। चांदी की कीमतों में भी स्थिरता रही। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में निवेशकों की लिवाली बढऩे से सोना 4142 से बढक़र 4195 डॉलर प्रति ओंस हो जाने के कारण बिवकाली घटने से सोना 1700 रुपये बढक़र किलोबार 152800 तथा स्टैंडर्ड 153600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। बिकवाली घटने से 8 ग्राम वाली गिन्नी 1000 रुपये बढक़र 113000 रुपये हो गई। विदेशों में चांदी के भाव 45 सेंट बढक़र 6135 सेंट प्रति ओंस हो जाने तथा औद्योगिक मांग निकलने से चांदी हाजिर के भाव 231000 रुपये प्रति किलो पर मजबूत रही। हालांकि स्टोरिया लिवाली से चांदी वायदा दिसंबर 226000 से बढक़र 227000 रुपये प्रति किलो हो गया।

खड़े कंटेनर में भिड़ा आक्सीजन टैंकर, दोनों चालकों की मौत

कंटेनर के नीचे बैठकर खराबी ठीक कर रहा था चालक



गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के गिराई के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार की देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे खड़े कंटेनर में पीछे से तेज रफ्तार ऑक्सीजन से भरा टैंकर जा भिड़ा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑक्सीजन टैंकर के परखच्चे उड़ गए। हादसे में दोनों वाहनों के चालकों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, प्रयागराज की ओर से वाराणसी जा रहे कंटेनर में रास्ते में तकनीकी खराबी आ गई थी। इस पर चालक नूर मोहम्मद (40) निवासी बादली, जिला मेवात (हरियाणा) ने वाहन को राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खड़ा कर दिया। वह कंटेनर के नीचे बैठकर खराबी ठीक कर रहा था। इसी दौरान प्रयागराज की तरफ से तेज रफ्तार में आ रहा ऑक्सीजन से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर खड़े कंटेनर में पीछे से टकरा गया। हादसा इतना भीषण था कि दोनों वाहनों के चालक गंभीर रूप से चपेट में आ गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस और नेशनल हाईवे की क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया। इसके बाद दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कंटेनर के पास मिले ड्राइविंग लाइसेंस से चालक की पहचान नूर मोहम्मद के रूप में हुई, जबकि ऑक्सीजन टैंकर चालक की पहचान रामप्रीत यादव (50) निवासी मिठनपुर, निजामाबाद, आजमगढ़ के रूप में की गई। एंबुलेंस पायलट राजेश यादव और ईएमटी सुरेंद्र यादव ने शवों को अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया।

प्रसव के बाद विवाहिता की मौत, परिजनों ने एएनएम के आवास पर किया हंगामा

बैरिया (बलिया)।क्षेत्र के बीबी टोला स्थित एक अवकाश प्राप्त एएनएम के आवास पर प्रसव के बाद 24 वर्षीय विवाहिता की मौत होने की घटना सामने आई है। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने शनिवार को एएनएम के आवास पर पहुंचकर हंगामा किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। रेवती थाना क्षेत्र के मून छपरा गांव निवासी सबीना खातून (24) पत्नी नसीम मंसूरी का पहला प्रसव होना था।शुक्रवार की रात परिजन उसे बीबी टोला स्थित अवकाश प्राप्त एएनएम के आवास पर ले गए,जहां सामान्य प्रसव हुआ। परिजनों का आरोप है कि प्रसव के बाद महिला की हालत बिगड़ने लगी। इसके बाद उसे सदर अस्पताल बलिया के लिए रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। नवजात को परिजनों ने एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया है। परिजनों ने प्रसव के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि महिला का रक्तचाप कम होने और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी हालत बिगड़ी। वहीं संबंधित एएनएम ने इन आरोपों को खारिज करते हुए बताया कि महिला का सामान्य प्रसव हुआ था। प्रसव के करीब दो घंटे बाद तक वह उनके आवास पर रही। इस दौरान उसने बिस्किट खाकर चाय भी पी थी। इसके बाद अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो उसे तत्काल बलिया भेजा गया, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि उन्होंने एएनएम के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक बैरिया राजेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की गयी जान, तीन घायल

दुद्धी(सोनभद्र)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के कनहर नदी के समीप जाबर गांव पुरानी बैरियर के पास सड़क हादसे में बाइक चला रहे 25 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घायल साथी दीपक अगरिया ने बताया कि वह अपनी बाइक से गांव में घूम रहा था। इसी दौरान उसे गांव का ही धर्मेंद्र कुमार मिला और दोनों बाइक से गुटखा लेने दुकान पर गए। गुटखा लेने के बाद जब वे रास्ते में थे, तभी उन्हें अंजली और सीमा मिल गईं। दोनों बहनें ने कहा कि उन्हें इलाज कराने दुद्धी जाना है और वे बाइक के पेट्रोल का खर्च देंगी, इसलिए उन्हें भी साथ ले चलें। इसके बाद धर्मेंद्र और दीपक दोनों महिलाओं को बैठाकर दुद्धी की ओर आ रहे थे। कनहर नदी के समीप जाबर गांव में पुरानी बैरियर के पास ओवरटेक करते समय बाइक की गति तेज होने के कारण वह अनियंत्रित हो गई और विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आ गई। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक चालक धर्मेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंचे राहगीरों ने तुरंत सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहाँ तैनात चिकित्सक डॉ मनोहर ने जांच के बाद धर्मेंद्र कुमार 25 वर्ष पुत्र विजय निवासी बरखोहरा थाना विंढमगंज को मृत घोषित कर दिया। वहीं, हादसे में घायल हुए दीपक कुमार पुत्र नागेश्वर प्रसाद अगरिया, अंजली पत्नी अशोक और मंजली कुमारी का अस्पताल में चिकित्सकों की देखरेख में इलाज किया जा रहा है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस उपनिरीक्षक श्याम जी यादव पुलिस बल के साथ तुरंत अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बाइक की टक्कर से किशोर की मौत

सुखपुरा (बलिया)। स्थानीय थाना क्षेत्र में शनिवार की शाम हुए सड़क हादसे में एक किशोर की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृत किशोर की मां गीता देवी द्वारा दिए गए प्राप्त प्रार्थना पत्र के अनुसार शनिवार की शाम पचखोरा चट्टी से मोटरसाइकिल से सिंक्कू कुमार अपने साथी अमरेश के साथ घर लौट रहे थे। इसी दौरान आरा मिल के पास दूसरी मोटरसाइकिल के चालक ने तेज रफ्तार एवं लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिर गये और गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर स्वजन एवं स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतसड़ पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही सिंक्कू कुमार की मौत हो गई,जबकि अमरेश को बेहतर उपचार के लिए बीएचयू वाराणसी रेफर किया गया। मृतक की मौत की खबर से परिवार में मातम पसरा हुआ है। स्वजनों ने सुखपुरा थाने में प्रार्थना पत्र देकर मोटरसाइकिल चालक मनीष यादव उर्फ मन्नू के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

राज्यपाल के आगमन की तैयारियों का मंडलायुक्त, डीआईजी और डीएम ने लिया जायजा



ज्ञानपुर। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के प्रस्तावित जनपद आगमन को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को विंध्याचल मंडल के मंडलायुक्त राजेश प्रकाश, डीआईजी पूनम, जिलाधिकारी शैलेष कुमार और पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने काशी नरेश विश्वविद्यालय परिसर और पुलिस लाइन पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कार्यक्रम से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ-सफाई, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और आधारभूत सुविधाओं को लेकर विशेष सतर्कता बरतने को कहा। अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत ज्ञानपुर और जिला पंचायत राज अधिकारी को विश्वविद्यालय परिसर सहित आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। वहीं, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को परिसर और कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने वाले मार्गों की मरम्मत तथा अन्य जरूरी कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरे कराने को कहा गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था या असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए तैयारियों को समय से अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर भी जरूरी इंतजाम पहले से सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस दौरान काशी नरेश विश्वविद्यालय की कुलपति उमा श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी शुभांगी शुक्ला, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

एक नज़र इधर भी

मुबारकपुर के बाद अतरौलिया में मिला पटाखे का अवैध भंडारण

आजमगढ़। दीपावली के पहले ही पटाखा के अवैध कारोबारी अपनी तैयारी में जुट गए हैं। काले कारोबार और भंडारण के लिए किराए के मकान का सहारा लिया जा रहा है। मुबारकपुर के बाद अतरौलिया क्षेत्र में भी अवैध भंडारण की सूचना पर पुलिस ने छापा मारकर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दीपावली त्यौहार के दृष्टिगत अवैध पटाखों के भण्डारण एवं बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना अतरौलिया पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि कस्बा अतरौलिया में अलग-अलग स्थानों पर किराये के मकानों में अवैध रूप से पटाखों का भण्डारण किया गया है। इस सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए सम्मो माता मंदिर के निकट आकाश कुमार सिंह के मकान में किरायेदार विरेन्द्र कुमार गुप्ता गुप्ता पुत्र खेदन राम निवासी वार्ड नंबर नौ हनुमानगढ़ी मंदिर के पास के कमरे की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कमरे से विभिन्न प्रकार के पटाखे बरामद हुए, जिनका कुल वजन 24 गत्तों में 325 किलोग्राम पाया गया। बरामद पटाखों की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 65 हजार रुपये है। बिना वैध लाइसेंस पटाखों का भण्डारण करने के आरोप में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। इसी क्रम में पुलिस टीम द्वारा पटेल तिराहे के पास मिस्त्री चाचा के मकान में किरायेदार प्रवीण गुप्ता उर्फ पिन्टू पुत्र खेदन राम गुप्ता निवासी वार्ड नंबर नौ बरन चौक के कमरे की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान 10 बोरियों एवं 9 गत्तों में विभिन्न प्रकार के पटाखे बरामद हुए, जिनका कुल वजन 347 किलोग्राम पाया गया। बरामद पटाखों की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 82 हजार रुपये है। बिना वैध लाइसेंस पटाखों का भण्डारण करने के आरोप में प्रवीण को गिरफ्तार किया गया।

विश्वास में लेकर साढ़े चार लाख के आभूषण लेकर युवक फरार

सुरियावां। कस्बे में विश्वास का फायदा उठाकर सोने के आभूषण लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। एक सर्राफ कारोबारी ने दूसरे युवक पर 31.440 ग्राम सोने के आभूषण, जिसकी कीमत करीब साढ़े चार लाख रुपये बताई गई है, लेकर गायब होने का आरोप लगाया है। पीडित ने रविवार को सुरियावां कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और आभूषण अथवा उनकी कीमत वापस दिलाने की मांग की है। पुराने परिचय और विश्वास के आधार पर युवक ने आश्वासन दिया कि ग्राहक से नकद भुगतान लेकर वह तुरंत रकम दे देगा। विशाल के अनुसार, युवक के कहने पर उन्होंने एक ज्वेलर्स से उधार लेकर सोने की चेन, लॉकेट, झुमका और अंगूठी सहित कुल 31.440 ग्राम के आभूषण उसे दे दिए। इनकी कीमत करीब 4.50 लाख रुपये बताई गई है। युवक ने आभूषण ग्राहक को दिखाकर दो-तीन घंटे में लौटने और बिक्री नहीं होने पर आभूषण वापस करने का भरोसा दिया था। आरोप है कि इसके बाद वह दुकान बंद कर गायब हो गया। पुलिस से मामले में मुकदमा दर्ज कर आभूषण बरामद कराने अथवा उनकी कीमत दिलाने की मांग की गई है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की गयी जान

दुल्हपुर, गाजीपुर। जखनियां विकासखंड के दामोदरपुर गांव के पूर्व प्रधान चंद्रशेखर यादव के 25 वर्षीय पुत्र आनंद यादव की शनिवार की रात ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसा दुल्हपुर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव के समीप रेलवे ट्रैक पर 31 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंचे लोगों के बीच चीख-पुकार मच गई और परिवार की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। बताया जाता है कि आनंद यादव को परिजन भी खोज रहे थे। इसी दौरान रेलवे ट्रैक पर हादसे की सूचना मिली तो परिवार के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। जवान बेटे का शव देखकर पिता चंद्रशेखर यादव, मां प्रमिला देवी और पत्नी अंशु यादव का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

पोल पर दौड़ा करेण्ट, संविदाकर्मी झुलसा

बेल्थरारोड (बलिया)। बिजली विभाग की ओर से शटडाउन लिए जाने के बावजूद शनिवार की सुबह ककरासो गांव में ट्रांसफार्मर का फ्यूज ठीक करने पोल पर चढ़े संविदा विद्युतकर्मी के साथ गंभीर हादसा हो गया। हादसे में उसके शरीर पर गंभीर चोटें आईं। आनन-फानन में उसे सीएचसी सीयर पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया।घायल की पहचान हल्दीरामपुर क्षेत्र के छपिया गांव निवासी नंदलाल साहनी (32) पुत्र श्रीनाथ साहनी के रूप में हुई है। वह बिजली विभाग में संविदा कर्मचारी है। बताया गया कि शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे वह ककरासो गांव में ट्रांसफार्मर के फ्यूज से संबंधित मरम्मत कार्य करने पहुंचा था। विभागीय शटडाउन लेने के बाद वह विद्युत पोल पर चढ़कर फ्यूज ठीक करने का काम कर रहा था। इसी दौरान करंट की चपेट में आ गया।

चैनल गेट में उतरा करेंट, चपेट में आने से महिला की मौत

अतरौलिया, आजमगढ़। थाना क्षेत्र के बसहिया पुरवा गांव में रविवार सुबह करेंट की चपेट में आने से 35 वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के समय महिला अपने नवनिर्मित मकान में झाड़ू-पोछा कर रही थी। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। दो मासूम बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया। जानकारी के अनुसार, बसहिया पुरवा गांव निवासी 35 वर्षीय इंदु शर्मा पत्नी जोखू शर्मा रविवार सुबह करीब 11 बजे अपने नवनिर्मित मकान में साफ-सफाई कर रही थीं। इसी दौरान मकान के चैनल गेट में सटे कटे हुए बिजली के तार के संपर्क में आने से गेट में करेंट उतर आया। इसकी चपेट में आने से इंदु गंभीर रूप से झुलस गईं। परिजन आनन-फानन में उन्हें स्थानीय 100 शैय्या अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

युवक पर फायरिंग करने के मामले में एक चढ़ा हत्थे

आजमगढ़। नगर कोतवाली के बलरामपुर चौकी प्रभारी मिथिलेश प्रजापति ने रविवार को सुबह लगभग साढ़े नौ बजे घर से बुलाकर युवक पर फायरिंग के मामले में प्रकाश में आए वांछित शरद यादव पुत्र स्व. वीरेन्द्र यादव निवासी ग्राम मनचोभा को मोजरापुर से गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में 27 अक्टूबर को इन्द्रदेव यादव पुत्र विश्वनाथ यादव निवासी ग्राम ककरहटा द्वारा तहरीर दी गई थी कि उनका पुत्र निखिल यादव गांव के पास लगे मेले में गया था। मेले में सौरभ यादव एवं अजीत यादव के बीच गाली-गलौज हो रही थी, जिस पर उनके पुत्र ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग कर दिया। इसी बात को लेकर रंजिश रखते हुए सौरभ यादव ने उनके पुत्र को फोन कर बातचीत के लिए बुलाया तथा वापस जाते समय जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया, जिससे गोली उसके दाहिने पैर की जांघ में लग गई।

मानक विहीन सड़क निर्माण कार्य को ग्रामीणों ने रोका



ड्रमंडगंज। क्षेत्र के मड़वा धनावल गांव में पीडब्ल्यूडी द्वारा बनवाई जा रही सड़क में घटिया सामग्री का उपयोग किए जाने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने रविवार को सड़क निर्माण कार्य रोक दिया। ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सूचना देते हुए सड़क निर्माण कार्य की जांच करवाए जाने की मांग की। क्षेत्र के मड़वा गांव से धनावल तक तैंतीस सौ मीटर काली सड़क का नवीनीकरण करवाया जा रहा है। संबंधित ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण नही करवाए जाने से सड़क की गिट्टी उखड़ने लगी है, जिसे लेकर ग्राम प्रशासक रमेश सिंह, लवलेश तिवारी, अजय पाल, सिद्धार्थ सिंह, मैसर अली, लालजी शुक्ल, हरिहर प्रसाद, महेंद्र आदि ने निर्माण कार्य रोक दिया और घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग किए जाने की सूचना पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता व अवर अभियंता को दी। सूचना पर पहुंचे सहायक अभियंता महेंद्र सिंह व अवर अभियंता सुशील कुमार ने सड़क निर्माण कार्य की जांच की। दोनों अधिकारियों अभियंताओं ने संबंधित ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण ढंग से बनाई गई सड़क का दोबारा निर्माण कराने का निर्देश दिया।

खाना बनाते समय सिलेंडर में आग से ट्रक का केबिन धू-धूकर जला

लालगंज, आजमगढ़। देवगांव कोतवाली क्षेत्र के लालगंज में वाराणसी-आजमगढ़ हाईवे पर सुभाष फिलिंग स्टेशन के समीप सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में शनिवार को अचानक भीषण आग लग गई। ट्रक के केबिन में खाना बनाते समय छोटे गैस सिलेंडर में आग लगने से हादसा हुआ। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और सिलेंडर भी फट गया। आग की लपटें उठती देख चालक और खलासी अपनी जान बचाकर मौके से भाग निकले। बताया जा रहा है कि ट्रक चालक और खलासी ने लालगंज स्थित सुभाष फिलिंग स्टेशन के पास ट्रक खड़ा किया था। दोनों ट्रक के केबिन में ही खाना बना रहे थे। इसी दौरान छोटे गैस सिलेंडर में अचानक आग लग गई। आग लगते ही दोनों घबरा गए और सिलेंडर को बुझाने का प्रयास करने के बजाय केबिन से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थान की ओर भागे। कुछ ही देर बाद सिलेंडर फट गया, जिससे आग और तेजी से फैल गई। देखते ही देखते ट्रक का केबिन आग की लपटों से घिर गया। हाईवे पर खड़े ट्रक में आग लगने की घटना से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना दी। जानकारी मिलते ही देवगांव कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। अग्निशमन कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

ईंट की दीवार के मलबे में दबकर मजदूर की मौत

कमालपुर। बरहनी विकास खंड के रामपुर चौकी क्षेत्र औवरइया गांव में शौचालय की टंकी की खोदाई करते समय ईंट की दीवार गिरने से दो मजदूर मलबे में दब गए। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई, दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। अवरैइया गांव निवासी प्यारे राम के घर शौचालय की टंकी की खोदाई का काम चल रहा था, इस दौरान रामधनी का पुत्र विमल कुमार 34 और प्यारे राम टंकी खोद रहे थे। अचानक बगल के ईंट की दीवार भर भरा कर उनके ऊपर गिर गई, और दोनों मजदूर मलबे में दब गए। घटना के बाद मौके पर जुटे ग्रामीणों ने काफी मेहनत कर दोनों को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंचे रामपुर चौकी प्रभारी विजय राय ने घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचवाया। विमल की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उसे ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया जो रास्ते वाराणसी ले जाते समय में विमल दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही स्वजन में कोहराम मच गया। मां सुदामी देवी, पत्नी रिंकी देवी, पुत्री अनुष्का और पुत्र आयुष्मान का रो-रोकर बुरा हाल रहा। चार भाइयों में विमल तीसरे नंबर पर था। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अरुण सिंह सहित ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

खड़ी डीसीएम में ट्रक ने मारी टक्कर

ऊंज। ऊंज थाना क्षेत्र के नवधन गांव निवासी 30 वर्षीय अमरेश कुमार यादव की सड़क हादसे में मौत हो गई। गाजीपुर-जंगीपुर-मऊ मार्ग पर पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी डीसीएम में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में डीसीएम चालक अमरेश की जान चली गई। जानकारी के अनुसार अमरेश कुमार यादव अपनी डीसीएम लेकर सामान पहुंचाने गाजीपुर गए थे। रास्ते में वाहन सड़क किनारे खड़ा कर वह डीसीएम में आराम कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए ट्रक ने खड़ी डीसीएम में टक्कर मार दी। हादसे में अमरेश गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना नवधन गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पिता लालचंद यादव के पांच पुत्रों में सबसे छोटा था। पत्नी निशा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार की खुशियां अभी दो माह पहले ही बढ़ी थीं, जब अमरेश के घर पुत्र का जन्म हुआ था।

मालगाड़ी की चपेट में आने से एक की मौत

बलरामपुर, आजमगढ़। सरायमीर थाना क्षेत्र के स्थानीय रेलवे स्टेशन के पास रविवार की सुबह मालगाड़ी की चपेट में आने से 51 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। वह रेलवे लाइन पार कर रहे थे, तभी शाहगंज की ओर जा रही मालगाड़ी की चपेट में आ गए। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सरायमीर थाना क्षेत्र के टंडवा (राजापुर सिकरौर) गांव निवासी साहब लाल यादव उर्फ झिनक ने शनिवार की शाम परिवार के लोगों को बताया था कि रविवार की सुबह दवा लेने जाना है। रविवार की सुबह वह घर से दवा लेने के लिए निकले थे। इसी दौरान सरायमीर रेलवे स्टेशन के पूर्वी आउटर के पास रेलवे लाइन पार करते समय शाहगंज की ओर जा रही मालगाड़ी की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें एंबुलेंस से फूलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

अवैध पटाखों के साथ युवक गिरफ्तार

गोपीगंज। दीपावली से पहले अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में गोपीगंज पुलिस ने महुआरी गांव में छापेमारी कर 144 किलो पटाखे बरामद किए। मौके से अमित कुमार चौहान (24) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, पटाखे घर के बाहर टीनशेड के नीचे बोरी और कार्टून में छिपाकर रखे गए थे। पूछताछ में युवक ने बिना लाइसेंस दीपावली पर बिक्री के लिए पटाखे रखने की बात स्वीकार की। बरामद पटाखों में रॉकेट, फुलझड़ी, सुतली बम और मिसाइल सहित कई प्रकार के पटाखे शामिल हैं। पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम के तहत कार्रवाई की। मामला जमानतीय होने पर जमानत मुचलके पर उसे रिहा कर दिया गया।

ट्रेन से बिहार जा रही शराब बरामद, तस्कर गिरफ्तार



मीरजापुर। रेलवे पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाकर जीआरपी की टीम ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया, उसके कब्जे से करीब 22 हजार रुपये कीमत की 20 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई है। आरोपी ट्रेन के माध्यम से शराब बिहार ले जाकर ऊंचे दामों पर बेचने का काम करता था। जीआरपी थाना प्रभारी राजेश कुमार वर्मा के निर्देशन में जीआरपी विंध्याचल चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक धीरेन्द्र कुमार वर्मा ने पुलिस टीम के साथ रविवार को ट्रेन के जनरल कोच में चेकिंग के दौरान सुबह करीब साढ़े 10 बजे आरोपी को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से रॉयल स्टैग व्हिस्की की 10 बोतल और रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की की 10 बोतल बरामद हुई। सभी बोतलें 750 एमएल की थीं। कुल 15 लीटर अंग्रेजी शराब की अनुमानित कीमत 22 हजार रुपये बताई गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनीष कुमार (26) पुत्र लाल बाबू राय, निवासी गढ़ोचक कृपाल टोला, थाना फतुहा, जनपद पटना (बिहार) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बिहार में शराबबंदी के कारण वह उत्तर प्रदेश से शराब खरीदकर बिहार ले जाता था और ऊंचे दामों पर बेचकर आर्थिक लाभ कमाता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई में जीआरपी, आरपीएफ और सीआईबी प्रयागराज की संयुक्त टीम शामिल रही।

ज्वेलरी शाप में लूट का दो घंटे के भीतर खुलासा

गाजीपुर। शहर के बंशी बाजार स्थित संगिनी ज्वेलर्स में शनिवार शाम हुई लूट की घटना का पुलिस ने महज दो घंटे के भीतर खुलासा करने का दावा किया है। स्वाट टीम और कोतवाली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मीरनपुर शक्का मोड़ के पास मुठभेड़ के दौरान दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। दोनों के बाएं पैर में गोली लगी है। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, शनिवार शाम करीब 6:40 बजे बंशी बाजार में संजय कुमार वर्मा की ज्वेलरी दुकान संगिनी ज्वेलर्स पर तीन बदमाशों ने फायरिंग करते हुए लूट की वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी ली। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमों का गठन किया गया। इस मामले में दुकान संचालक के पुत्र शिवम कुमार वर्मा की तहरीर पर कोतवाली में तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा संख्या 803/26, धारा 309(4) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस की टीमें आरोपितों की तलाश में जुटी थीं। इसी दौरान स्वाट और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने मीरनपुर शक्का मोड़ के पास भागने की कोशिश कर रहे दो संदिग्धों को घेर लिया। इस दौरान हुई पुलिस मुठभेड़ में दोनों घायल हो गए और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान नोनहरा थाना क्षेत्र के खतीरपुर निवासी संजय दुबे उर्फ पप्पू (42) पुत्र बालकृष्ण दुबे और पुष्कर दुबे (21) पुत्र संतोष के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटी गई पांच पीली धातु की चेन, दो पिस्टल, दो खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस तथा वारदात में इस्तेमाल चारपहिया वाहन यूपी 61 एडब्ल्यू 4660 बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, संजय दुबे उर्फ पप्पू के खिलाफ पहले भी कोतवाली में जाली करेंसी से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज है। कार्रवाई करने वाली टीम में स्वाट प्रभारी उपनिरीक्षक शैलेन्द्र प्रताप सिंह और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह अपनी-अपनी टीम के साथ शामिल रहे।



बिहार समाचार

घर के दरवाजे से बाइक चोरी

डेहरी ऑन सोन (आससे.)। कोचस नगर पंचायत के वार्ड संख्या पांच स्थित गांधी नगर मोहल्ले में शुक्रवार देर रात बाइक चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने घर के दरवाजे पर खड़ी होंडा एसपी बाइक चोरी कर ली। घटना के बाद पीड़ित ने शनिवार को कोचस थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।पीड़ित धनजी चौधरी ने बताया कि वह प्रतिदिन की तरह अपनी बाइक घर के दरवाजे के सामने खड़ी कर सो गए थे। सुबह उठने पर बाइक गायब मिली। आसपास काफी खोजबीन के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला।

संक्षिप्त

सीईसी ज्ञानेश कुमार आज मेरठ में, चार मंडलों के अफसरों के साथ करेंगे बैठक

लखनऊ (आससे)। उत्तर प्रदेश में चुनावी तैयारियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 2 नवंबर को मेरठ आयेंगे। वह चार मंडलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक करेंगे। बैठक में मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद और अलीगढ़ मंडलों के अधिकारी शामिल होंगे। इसमें संबंधित जिलों के जिलाधिकारी और पुलिस कप्तानों के अलावा मंडलायुक्त, एडीजी और डीआईजी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार मेरठ में चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इसमें मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद और अलीगढ़ मंडलों के अंतर्गत आने वाले जिलों के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को बुलाया गया है। बैठक में जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान शामिल होंगे। मंडलायुक्त, अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस उपमहानिरीक्षक समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी भी रहेगी।मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इससे पहले 25 सितंबर को मेरठ दौरा प्रस्तावित था, लेकिन किसी कारणवश उनका यह दौरा स्थगित हो गया था। अब वह 2 नवंबर को मेरठ पहुंचेंगे। इस दौरान चार मंडलों के अधिकारियों के साथ चुनावी तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक करेंगे।उनके दौरे को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां की गई हैं।

एसटीएफ करेगी बेसिक शिक्षकों के अभिलेखों की जांच

लखनऊ (आससे)। बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों के अभिलेखों की जांच के लिए एसटीएफ को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं । अनिल भूषण चतुर्वेदी शिक्षा निदेशक बेसिक ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को एसटीएफ के सहयोग से समस्त बेसिक शिक्षकों तथा कर्मचारियों के शैक्षिक अभिलेख की जांच के लिए कहा गया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यायालय में प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों में भारी पैमाने पर फर्जी डिग्रीधारी शिक्षक कार्यरत होने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत प्राप्त होने के बाद न्यायालय द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग को कक्षा एक से आठ तक के शिक्षकों के नियुक्ति पत्र ,शैक्षिक दस्तावेजों के जांच के लिए निर्देशित किया गया है। अनिल भूषण चतुर्वेदी शिक्षा निदेशक बेसिक के निर्देश के तहत शिक्षकों के हाई स्कूल, इंटर एवं स्नातक बीएड आदि योग्यताओं के संबंध में अभिलेखों के परीक्षण के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। शिक्षक अपने अभिलेख के सत्यापन एवं विभाग में उच्च पद पर कार्यरत निकट संबंधियों के संबंध मे शपथ पत्र देंगे।एसटीएफ शिक्षकों के शैक्षिक अभिलेख सत्यापन के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करेगी।

आजम की गिरफ्तारी अत्याचार की पराकाष्ठा-संजय सिंह

सुल्तानपुर (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने आजम खान की रिहाई के तुरंत बाद ईडी की गिरफ्तारी को अत्याचार की पराकाष्ठा बताया। रविवार को गृह जनपद पहुंचे संजय सिंह ने निजी कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि अब कानून और अदालत के आदेशों का कोई मतलब नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि आजम खान को लंबी कानूनी लड़ाई के बाद हाईकोर्ट से जमानत मिली, लेकिन रिहाई के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया। ईडी की गिरफ्तारी से पहले सम्मन, पूछताछ और कारण बताने की प्रक्रिया होती है, जिसका पालन नहीं किया गया। अमित शाह के अंगद के पैर वाले बयान पर अवधी में पलटवार करते हुए कहा कि अवध रावण की लंका नहीं है। अंगद ने पैर रावण की लंका में जमाया था, इसलिए भाजपा वालों को वहीं जाकर पैर जमाना चाहिए। दिल्ली में इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शन में शामिल न होने पर उन्होंने कहा कि आप गठबंधन का हिस्सा नहीं है और अपनी लड़ाई सड़क व संसद में लड़ रही है। संजय सिंह ने ज्ञानेश कुमार पर 13.37 करोड़ वोटों की चोरी का आरोप लगाते हुए इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने बांग्लादेशी, पाकिस्तानी और रोहिंग्या घुसपैठियों के आंकड़े सार्वजनिक करने की भी चुनौती दी।

२०२७ में तीन सौ पार करेगी भाजपा

प्रयागराज (आससे)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि बांटो और राज करो की साजिश दोनों दल कर रहे हैं। भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव में 300 से अधिक सीटें जीतकर सरकार बनायेगी। 2029 में भी भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने दावा किया कि अगले 30 साल तक राहुल गांधी प्रधानमंत्री और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री नहीं बन पायेंगे। उन्होंने रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम को फ्लॉप बताते हुए कहा कि वहां सत्ता परिवर्तन और सत्ता की अदला-बदली की बातें करने वालों को जनता का समर्थन नहीं मिला। सरदार पटेल का वोट चोरी किये जाने और इंदिरा गांधी के समय राजनारायण का वोट चोरी होने का भी उन्होंने जिक्र किया। केशव मौर्य ने कहा कि भाजपा जनता के आशीर्वाद से चुनाव जीतती है। पार्टी न तो वोट चोरी करती है और न ही कभी ऐसा करेगी। जनता कमल का बटन दबाकर भाजपा को विजयी बनायेगी। उन्होंने कहा कि गरीबों का कल्याण जारी रहेगा। अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वह एक महीने के भीतर राजनीतिक रूप से दिखाई देना बंद कर देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि गलत काम करने वालों के खिलाफ कारवाई की जायेगी। विश्वविद्यालय के निर्माण में गड़बड़ी होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने जांच एजेंसी की कारवाई का भी उल्लेख किया।

यूपी में तुफान अर्नब चक्रवात का असर खत्म

लखनऊ (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में अर्नब चक्रवात और पश्चिमी विक्षोभ के कारण पिछले तीन दिनों से बारिश और ठंड का असर बना हुआ है। इस दौरान बारिश हुई और आंधी भी चली। गोरखपुर में सर्वाधिक वर्षा दर्ज की गई लेकिन अब बारिश और तेज हवाओं का दौर अब थमने वाला है। रविवार से अर्नब तूफान और पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर दिखायी पड़ने लगा है। यही कारण है कि राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में आसमान साफ रहा। अर्नब चक्रवात और पश्चिमी विक्षोभ का असर प्रदेश भर में पिछले तीन दिनों से दिखायी पड़ रहा है। जगह-जगह बारिश और तेज हवाओं के कारण तापमान गिरने से मौसम में ठंडक घुल गयी है। कई जिलों में शुक्रवार को सुबह करीब 10 बजे से शुरू हुई बारिश शनिवार देर शाम तक होती रही। गोरखपुर, बलिया, बस्ती, सिद्धार्थनगर, बहराइच और प्रयागराज समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में रविवार को भी छिटपुट बारिश या बूंदाबांदी हुई है जबकि राजधानी लखनऊ समेत आसपास के कई जिलों में मौसम मुख्य रूप से साफ और शुष्क रहा। मध्य व पश्चिमी यूपी के कुछ इलाकों में हल्की-फुल्की बूंदाबांदी या बादलों की आवाजाही भी रही। रविवार को दिन का अधिकतम तापमान लगभग 28 डिग्री सेल्सियस से 30.3 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया जबकि हवा में आर्द्रता लगभग 74 से 78 फीसदी के बीच दर्ज की गयी।

ज्ञानमण्डल प्राइवेट लिमिटेड के लिए ज्ञानमण्डल यंत्रालय, संत कबीर मार्ग, **वाराणसी** से- **ओम प्रकाश शर्मा** द्वारा मुद्रित और प्रकाशित। **सम्पादक- शार्दूल विक्रम गुप्त,** स्थानीय कार्यकारी **सम्पादक- शिवशंकर व्यास। गोरखपुर:** बैंक रोड, **प्रयागराज:** 3,लीडर रोड, **कानपुर:** बांसमण्डी, **झांसी:** झोंकन बाग, **लखनऊ:** 1,जापलिंग रोड, **आगरा:** महात्मा गांधी रोड, **बरेली:** रोड नं. 3 परसाखेड़ा, **पटना:** फ्रेजर रोड, **रांची:** नामकुम इण्डस्ट्रियल एरिया, **जमशेदपुर:** न्यू काली माटी रोड-साकची।

वर्ष-106 पू.सं. 899678131022468
आर. एन. आई. रजिस्ट्रेशन नं. 2026/ 57
फोन:- 2393981 से 2393987 तक
E-Mail:ajvaranasi.1920@gmail.com
Website : www.ajhindidaily.com
पी.आर.बी. अधिनियम के अन्तर्गत समाचार चयन के लिए ओम प्रकाश शर्मा जिम्मेदार होंगे तथा समस्त विवाद वाराणसी न्यायालय के अधीन होंगे।

कोई भी कार्य छोटा-बड़ा नहीं होता-राष्ट्रपति

नयी दिल्ली (आससे)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हर कार्य को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करने का आह्वान करते हुये कहा है कि सत्य और नैतिकता के पक्ष में खड़े रहने का साहस रखें। परिस्थितियां कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, अपने सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति दृढ़ रहें। समाज के कल्याण और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। राष्ट्रपति आज हरियाणा के कुरूक्षेत्र में, गुरुकुल के स्वामी श्रद्धानंद की पुण्यतिथि के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुये उक्त बातें कही। महामहिम ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द जी ने वैदिक शिक्षा, नारी शिक्षा, कमजोर वर्गों के उत्थान,

समाज कल्याण और राष्ट्रीय विकास में योगदान करना हर देशवासी की जिम्मेदारी



स्वाधीनता संग्राम और सामाजिक एकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। स्वामी जी स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रखर सेनानी थे। उनकी निडरता एवं साहस ने भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन को नई दिशा और ऊर्जा दी। राष्ट्रपति ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद सामाजिक एकता के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि भारत की मुक्ति सामाजिक एकता को बनाए रखने में निहित है। दिल्ली के जामा मस्जिद के मंच से अपने उद्गार में उन्होंने आपसी सद्भावना और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद भारत की उन्नति के लिए अस्पृश्यता के कलंक को दूर करने एवं दलितोद्धार को सबसे आवश्यक मानते थे। उनके अनुसार छुआछूत जैसी कुप्रथा वैदिक धर्म के मूल भावनाओं के विपरीत थी। राष्ट्रपति ने कहा कि कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। प्रत्येक कार्य का अपना महत्व है। हर कार्य को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करें। सत्य और नैतिकता के पक्ष में खड़े रहने का साहस रखें। परिस्थितियाँ कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, अपने सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति दृढ़ रहें। समाज के कल्याण और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर समाज और देश के व्यापक हितों के लिए कार्य करें।

मुख्यमंत्रीका अयोध्या दौरा आज

अयोध्या (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को अयोध्या का दौरा करेंगे। वह दीपोत्सव-2026 की तैयारियों का ग्राउंड जीरो पर जायजा लेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन करेंगे। साथ ही साकेत महाविद्यालय, राम की पैड़ी, राम कथा पार्क और सरयू आरती स्थल का निरीक्षण भी करेंगे। इसके अलावा वह अधिकारियों के साथ दीपोत्सव की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा करेंगे। दीपोत्सव के मुख्य अतिथियों और वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उच्च अधिकारियों के साथ बैठक भी प्रस्तावित है। सीएम योगी के दोपहर 12 बजे तक पहुंचने का अनुमान है। सीएम के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने कार्यक्रम स्थलों का भौतिक निरीक्षण किया है। जिलाधिकारी

कांग्रेसने सिखोंके जख्मोंपर किया नमक छिड़कनेका काम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को चंडीगढ़ के स्थापना दिवस समारोह में कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने 1984 के सिख नरसंहार की बरसी के दिन दिल्ली में कांग्रेस की रैली आयोजित करने पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस ने सिखों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जिस दिन हजारों सिखों की निर्मम हत्या हुई, उसी दिन कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित करने की क्या जरूरत थी। अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान से नफरत के अलावा कुछ नहीं मिलेगा इंडिया गठबंधन के आह्वान पर आयोजित रामलीला मैदान की रैली और मॉक पार्लियामेंट को लेकर राहुल गांधी पर अमित साह ने निशाना साधा। उन्होंने कहा मैं राहुल गांधी जी से कहना चाहता हूं कि आपको अगर प्रधानमंत्री बनना है तो ऐसे ही मॉक पार्लियामेंट करते रहिए. आपका नम्बर फिर भी नहीं आने वाला।

गृहमंत्री शाहका राहुल पर राजनीतिक हमला

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस को पहले यह लगा था कि शायद राहुल गांधी उस समय छोटे थे या उन्होंने इतिहास नहीं पढ़ा, इसलिए उन्हें इस दिन के महत्व की जानकारी नहीं होगी। लेकिन भाजपा ने ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस से अपील की थी कि 1, 2 और 3 नवंबर को रैली आयोजित न की जाय, क्योंकि ये वही दिन हैं जब सिख विरोधी दंगे हुए थे। अमित शाह ने आगे कहा कि कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने एक बार कहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। अब उनके बेटे राहुल गांधी ने उसी दिन दिल्ली में बड़ी रैली आयोजित की है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कांग्रेस से अपील की थी कि 1 से 3 नवंबर के बीच कोई बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम न किया जाए, क्योंकि इससे सिख समुदाय की माताओं, बहनों और बच्चों की भावनाओं को ठेस पहुंचेगी। गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व अपनी जिद पर अड़ा रहा। उन्होंने दावा किया कि विदेश से आदेश दिए गए कि उसी दिन रैली आयोजित की जाए, जिस दिन हजारों सिखों को जिंदा जलाया गया था।

दिवंगत नेता को बीजेपी ने टीम में दी जगह, मचा बवाल

लखनऊ (आससे)। भाजपा के श्रम प्रकोष्ठ की प्रांतीय टीम में अम्बेडकरनगर के दिवंगत भाजपा नेता को स्थान देने का मामला सामने आया है। बीते शनिवार की देर शाम घोषित श्रम प्रकोष्ठ की प्रांतीय टीम में एक साल पूर्व दिवंगत हुए भाजपा नेता को सदस्य बनाया गया है। श्रम प्रकोष्ठ में भाजपा के दिवंगत नेता राम सूरत मौर्य को 11 सदस्यीय टीम में रखा गया है। अम्बेडकरनगर के टाण्डा के रहने वाले राम सूरत मौर्य की लगभग 1 साल पहले मौत हो चुकी है। भाजपा की कमेटी की लिस्ट आते ही शोसल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। इस मामले के सामने आने के बाद संगठन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं।विडंबना यह है कि संगठन के लिए योगदान देने वाले कार्यकर्ता की जीवनकाल में सुध नहीं ली और निधन के बाद उन्हें पदाधिकारी बना दिया गया। यह महज सूची में हुई चूक नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं के प्रति संगठन की संवेदनशीलता और जवाबदेही पर भी सवाल है। सवाल है कि प्रांतीय कमेटी की सूची जारी करने से पहले क्या जिला संगठन से जानकारी या सुझाव नहीं लिए गए।

शेष

वोट चोरीसे...

मेहनत का फल और विद्यार्थियों को उनकी पढ़ाई का उचित प्रतिफल मिले। देश कुछ चुनिंदा लोगों का नहीं हो सकता। रैली में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में लाखों मतदाताओं के नाम एसआईआर के जरिए काटे गए। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहती है कि केवल उसके समर्थक ही देश के नागरिक और मतदाता बने रहें। अखिलेश ने रामलीला मैदान को लोकतंत्र का हल्दीघाटी बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में जो लोग आए थे, उन्हें अब वहां से जाना होगा। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि एसआईआर के कारण राज्य में एक करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए और उनकी हार नहीं हुई, बल्कि उन्हें हराया गया। उन्होंने कहा कि बंगाल के साथ अन्याय हुआ है, लेकिन विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ाई जारी रखेगा। राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों की तुलना महाभारत के शकुनि के पासों से की। उन्होंने कहा कि जब शकुनि पासा फेंकता था तो वही होता था, जो वह चाहता था। इसी तरह चुनाव में निष्पक्ष मुकाबले की स्थिति नहीं रह गई है। तेजस्वी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को जेल भेजने की मांग भी की। सीपीआई (एमएल) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने एसआईआर को आम लोगों के मताधिकार छीनने का जरिया बताया। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के खिलाफ सत्ता की ओर से सर्जिकल स्ट्राइक है। रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती समेत कई विपक्षी नेता शामिल हुए। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले इंडिया गठबंधन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आयोजित मॉक संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया था।

दिल्ली-एनसीआरमें...

के तहत एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21 के अंतर्गत थी। पूछताछ में हुकमुद्दीन ने बताया कि उसे यह कोकीन जाबिद हुसैन से मिली थी। जाबिद हुसैन को 17 अगस्त 2026 को नूंह मेवात, हरियाणा से गिरफ्तार किया गया। जाबिद ने मुश्ताक से कोकीन लेने की बात कबूली। मुश्ताक को 18 अगस्त 2026 को गिरफ्तार किया गया। उसने चार्ल्स ओवुसु उर्फ जॉनसन से कोकीन लेने का खुलासा किया। जांच के आधार पर, 20 अक्तूबर 2026 को चार्ल्स ओवुसु उर्फ जॉनसन के किराये के मकान पर छापा मारा गया। यह मकान दिल्ली के खानपुर स्थित देवली एक्सटेंशन में था। वहां से 30 ग्राम कोकीन, पांच चलभाष, एक अंकीय वजन मशीन और प्लास्टिक के पाउच मिले। चार्ल्स ओवुसु ने बताया कि वह डेविड नामक नाइजीरियाई व्यक्ति से कोकीन लेता था। इस मुख्य आपूर्तिकर्ता और अन्य शामिल लोगों की तलाश जारी है।

देशमें अराजकता...

दूसरा, दिल्ली में दंगे और अराजकता फैलाकर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को गिराने की कोशिश करना। तीसरा, त्योहारी सीजन में दिल्ली के दुकानदारों और व्यापारियों की कमाई छीनना और चौथा, देश की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुंचाना। विपक्षी गठबंधन इंडिया की महारैली पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का मकसद इस त्योहारी सीजन में दिल्ली को ठप करना, छोटे दुकानदारों और कारोबारियों की रोजी-रोटी पर चोट पहुंचाना और देश में अशांति व अराजकता का माहौल पैदा करना है। हम इस समय त्योहारों के सीजन से गुजर रहे हैं। धनतेरस, दिवाली और छठ पूजा जैसे त्योहार आने वाले हैं। पूरे साल हमारे छोटे व्यापारी, रेहड़ी-पटरी वाले और दुकानदार इस समय का इंतजार करते हैं। उन्हें उम्मीद रहती है कि इस दौरान इतनी कमाई हो जाएगी कि वे अपने परिवार का खर्च चला सकें और बच्चों की जरूरतें पूरी कर सकें। लेकिन राहुल गांधी को इस बात की कोई चिंता नहीं है कि इन कारोबारियों के घरों का चूल्हा जल पाएगा या नहीं। उन्हें सिर्फ अपनी तरह की राजनीति को आगे बढ़ाने में दिलचस्पी है। नड्डा ने कहा, चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने राहुल गांधी, सोनिया गांधी, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी से बार-बार संपर्क किया। आज भी उनसे संपर्क किया गया। संगठन ने एक-दो बार नहीं, बल्कि तीन बार उनसे अपील की कि भगवान के लिए, त्योहारी सीजन में इतनी बड़ी भीड़ लेकर दिल्ली मत आइए और हमारे कारोबार को ठप मत कीजिए। लेकिन राहुल गांधी की जिद के कारण आज कारोबारियों का कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है।

यूपी : बागपतमें...

किया तो कोबरा सांप निकलने लगे, जिन्हें पकड़वाकर जंगल और हिंडन नदी के किनारे छोड़ा गया। पिछले पांच दिन में 30 सांप निकल चुके हैं। लगातार सांप निकलने पर उन्होंने मकान की नींव की खोदाई करायी तो सांप के खाली अंडे निकलने लगे। 200 अंडे बाहर निकाले जा चुके हैं, जिनमें से सांप बाहर आ चुके हैं। सांप के 200 खाली अंडे निकलने की जानकारी वन विभाग के अफसरों को दी गयी। वन विभाग की टीम ने कहरका गांव पहुंचकर खाली अंडे देखे और लोगों से सतर्क रहने की अपील की।

नेपाल : सुरंग...

और आठबिसकोट नगरपालिका-3 निवासी 32 वर्षीय आदेश भंडारी शामिल हैं। दोनों चोरी के मामलों में विचाराधीन बंदी थे। घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है। शनिवार सुबह जानकारी मिलने पर पुलिस और प्रशासन में खलबली मच गयी। जांच में पता चला कि कैदियों ने जिस कमरे में सोने के लिए जगह बनाई थी, वहां से जेल की बाहरी परिधि तक करीब चार मीटर 30 सेंटीमीटर लंबी सुरंग खोदी थी। इसी रास्ते सभी आठ कैदी फरार हो गये। डोल्पा के पुलिस प्रमुख अनिलराज गिरी ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि फरार कैदियों की गिरफ्तारी के लिए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पुलिस टीमें लगाई गई हैं। जिला पुलिस कार्यालय के डीएसपी के नेतृत्व में 34 पुलिसकर्मियों की टीम कारागार पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद पुलिसकर्मियों को तलाश अभियान में लगाया गया। कर्णाली प्रदेश के पुलिस प्रमुख डीआईजी जयराज सापकोटा ने बताया कि फरार कैदियों की तलाश के लिए चारों दिशाओं में पुलिसकर्मियों को भेजा गया है। उनके संभावित ठिकानों और आवाजाही वाले क्षेत्रों में भी खोजबीन की जा रही है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल की विस्तृत जांच पूरी होने के बाद फरारी से जुड़े अन्य तथ्यों की पुष्टि हो सकेगी। एक साथ आठ कैदियों के सुरंग खोदकर फरार होने की घटना ने जिला कारागार की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा और तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

भाजपाने विकास...

भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर किया। सपा सरकार लूटपाट करने को बदमाश पालती थी, जबकि भाजपा सरकार ने विकास के जरिये बदलाव करके दिखा दिया है। उत्तर प्रदेश अब पतन और शोषण की नहीं, प्रगति व संस्कृति की धरती बन गई है। अब यहां कर्फ्यू, उपद्रव या दंगा नहीं, उत्सव होता है। अखिलेश यादव के समय बाहरी लोग यूपी का नाम सुनकर सौ कोस दूर भागते थे। आज यूपी वालों की आवभगत व सम्मान किया जाता है। सपा और भाजपा की सरकार में अंतर समझाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने 10 वर्षों में 10 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी दी। वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज, वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट और वन डिस्ट्रिक्ट-वन कुजीन दिया। माफिया को मिट्टी में मिलाने का काम भी किया। अब किसी गरीब की जमीन पर कोई माफिया कब्जा करने का दुस्साहस नहीं कर सकता। किसी बेटी की सुरक्षा में सेंध नहीं लगा सकता, क्योंकि उसे मालूम है कि ऐसा करने पर अंजाम क्या होने वाला है। सीएम योगी ने कहा कि आज गोरखपुर का विकास हो रहा है। उत्तर प्रदेश बदल चुका है और भारत दुनिया में नई पहचान के साथ आगे बढ़ा है। यह नया भारत है, जहां 140 करोड़ भारतवासी मोदी जी के नेतृत्व में गौरव की अनुभूति करते हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 12 वर्ष में 46 करोड़ लोगों को गरीबी की रेखा से ऊपर उठकर सामान्य जीवनयापन का अवसर मिला है। पीएम मोदी जी ने देश को गरीबी के कलंक से उबारने का काम किया है। गरीबों के जीवन में अभूतपूर्व बदलाव आया है। उन्हें आवास मिल रहा है, घर में शौचालय बन रहे हैं, निशुल्क राशन सुविधा का लाभ मिल रहा है। पहली बार देश में 55 करोड़ लोगों को निशुल्क 5 लाख रुपये प्रतिवर्ष आयुष्मान भारत का लाभ प्राप्त हुआ है। जनधन अकाउंट में 55 करोड़ लोगों के खाते खोले गए। कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार में गरीब को 100 रुपये में मात्र 15 रुपये ही मिलते थे, जबकि जनधन खातों के जरिये अब गरीब को पूरे 100 रुपये मिलते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि चौरीचौरा की ऐतिहासिक घटना में 172 देशभक्तों को अंग्रेजों ने फांसी की सजा दी थी। ये कांग्रेसी कहते हैं कि पंडित जवाहरलाल नेहरू देश के बहुत बड़े अधिवक्ता थे। पर, सच्चाई यह है कि उस समय इन 172 किसानों, श्रमिकों, व्यापारियों की पैरवी पंडित नेहरू ने नहीं की। तब पंडित मदन मोहन मालवीय पैरवी के लिए आगे आए। मालवीय जी ने 151 क्रांतिकारियों को फांसी के फंदे से छुड़ाने में सफलता हासिल की।

पीईटी-2026 परीक्षा-तीन दिनों तक 60 जनपदों के 1,372 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई परीक्षा

लखनऊ (आससे)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी, निष्पक्ष और नकलविहीन बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का असर प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 के सफल आयोजन में भी दिखाई दिया। प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति, तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था और प्रशासनिक सतर्कता के बीच उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) ने पीईटी-2026 की लिखित परीक्षा तीन दिनों तक शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराई। 25 और 30 अक्टूबर तथा 1 नवंबर 2026 को प्रदेश के 60 जनपदों के 1,372 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा के लिए कुल 35,41,297 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 24,36,253 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। इस प्रकार कुल 68.79 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई।

योगी सरकार की मंशा के अनुरूप परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी और नकलविहीन बनाने के लिए इस बार अत्याधुनिक तकनीक का व्यापक इस्तेमाल किया गया। अभ्यर्थियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए फेसियल रिकॉग्निशन-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), आधार आधारित प्रमाणीकरण और बायोमेट्रिक सत्यापन की व्यवस्था लागू की गई। प्रत्येक उपस्थित अभ्यर्थी का फोटो और आइरिस डाटा भी कैप्चर किया गया।

दो एफआईआर दर्ज, 67 अभ्यर्थी एआई मैचिंग में संदिग्ध चिह्नित

चुनावी चक्रव्यूहके लिए घर घर दस्तक देगी भाजपा

लखनऊ (आससे)। यूपी असेम्बली इलेक्शन में चुनौतियों को देखते हुए बीजेपी ने संगठनात्मक और मैदानी तैयारियों को तेज कर दिया है। संगठन को बूथ स्तर तक अभेद्य बनाने और जनता के साथ सीधा संवाद करने के लिए यूपी भाजपा ने एक सुव्यवस्थित कार्ययोजना तैयार की है।पार्टी नेतृत्व के निर्देशों के मुताबिक विधानसभा स्तर पर प्रवासी प्रभारियों की नियुक्ति का काम तुरंत पूरा किया जाएगा।इस बार महिला मोर्चा और युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को विधानसभा स्तर पर प्रवासी के रूप में मैदान में उतारा जाएगा।पार्टी की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि जिला प्रभारी जल्द से जल्द विधानसभा स्तर पर और विधानसभा प्रभारी शक्ति केंद्रों पर अपना प्रवास सुनिश्चित करें। विधानसभा प्रभारी और विस्तारक मंडल स्तर पर सक्रिय सदस्यों की बैठकें तुरंत शुरू करेंगे, ताकि संगठन की गतिशीलता बनी रहे। बीजेपी का सबसे बड़ा जोर जनसंपर्क पर है।पार्टी के श्घर-घर संपर्क अभियानश् के तहत हर 50 परिवारों पर एक कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।डोर-टू-डोर जनसंपर्क को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिला स्तर पर समन्वय टोली का गठन किया जाएगा। चुनावी रणनीति को धार देने के लिए क्षेत्रीय और जिलाध्यक्षों को मोर्चों की गतिविधियों को प्रभावी बनाने और अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक रात्रि-प्रवास करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। दीपावली का त्योहार बीतते ही पार्टी पूरे प्रदेश में मतदाता पुनरीक्षण के काम में पूरी ताकत से जुटेगी। खास तौर से युवाओं को जोड़ने के लिए फॉर्म-6 भरवाने का विशेष अभियान चलाया जाएगा. पार्टी ने पुराने और वरिष्ठ नेताओं को साधने की भी पूरी तैयारी की है।पूर्व ब्लॉक प्रमुखों, बीडीसी सदस्यों, जिला पंचायत अध्यक्षों, जिला पंचायत सदस्यों और पूर्व पार्षदों सहित पूर्व ज

न्यूजीलैंड ए की वापसी

क्राइस्टचर्च (एजेन्सियां)। मैथ्यू बायल (१०७) के नाबाद शतक और डीन फाक्सक्राफ्ट (८०) के अर्द्धशतक और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए की गयी २०५ रन की अटूट द्विशतकीय साझेदारी के दम पर न्यूजीलैण्ड ए ने रविवार को यहां भारत ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन खराब शुरुआत से उबरते हुए तीन विकेट पर २१८ रन बना लिए। इससे पहले भारतीय टीम ने कप्तान ध्रुव जुरेल (१०५) के शतक की मदद से अपनी पहली पारी में ३४६ रन बनाये। न्यूजीलैण्ड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। एक समय उसका स्कोर तीन विकेट पर १३ रन था। मोहम्मद सिराज और मुकेश कुमार ने उसे शुरुआती झटके दिए। सिराज ने कप्तान राइस मारियू (चार) को आउट किया जिन्हें जुरेल ने विकेट के पीछे कैच किया। इसके बाद मुकेश ने कर्टिस हीफी (चार) और टिम राबिन्सन (तीन) को आउट करके न्यूजीलैण्ड की टीम को मुश्किल में डाल दिया लेकिन बायल और फाक्सक्राफ्ट ने भारत को आगे कोई सफलता नहीं हासिल करने दी।



कोहली के खिलाफ खेलना शानदार होगा-जैकब डफी

आकलैंड (एजेन्सियां)। न्यूजीलैण्ड के तेज गेंदबाज जैकब डफी रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) में विराट कोहली के साथ बिताये समय के दौरान उनकी विनम्रता और खेल के प्रति लगन से काफी प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि स्टार खिलाड़ी होने के बावजूद वह बेहद सरल व्यक्ति हैं और आगामी एकदिनी श्रृंखला में उनका सामना करना शानदार होगा। आईपीएल में डफी और कोहली एक ही टीम आरसीबी के लिए खेलते हैं और इन दोनों ने इस साल उसे लगातार दूसरा खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। डफी ने कहा मुझे कल उनसे मिलने का मौका मिला। वह जिम में थे इसलिए उनसे वहां अचानक मिलना अच्छा लगा। उनका व्यवहार मेरे प्रति बहुत शानदार था। डफी ने कहा कि पूर्व भारतीय कप्तान ने अपने देश में सुपरस्टार होने के बावजूद विदेशी खिलाड़ियों को सहज महसूस कराने के लिए अपनी तरफ से पूरी कोशिश की।

मेरा काम लोकप्रिय नहीं सही फैसला लेना है

मैं किसी से नहीं डरता-गंभीर

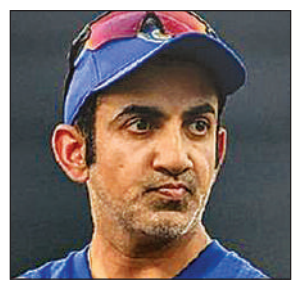

हैमिल्टन (एजेन्सियां)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रविवार को कहा कि उनका काम सबको खुश करना नहीं है और लोकप्रिय फैसलों के बजाय सही फैसले लेना है। भारत के पास मजबूत बेंच स्ट्रेंथ है। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को खास मौके नहीं मिल रहे हैं क्योंकि संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा शीर्षक्रम में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इन दोनों ने इस साल की शुरुआत में भारत को टी-२० विश्वकप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस बाबत न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले गंभीर ने कहा कि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का समर्थन करना भी ड्रेसिंग रूम में सुरक्षा की भावना सुनिश्तित करने के लिए महत्वपूर्ण है। गंभीर ने कहा लोकप्रिय फैसला करना बहुत आसान होता है लेकिन मेरे लिए महत्वपूर्ण बात सही फैसले करना और यह सुनिश्चित करना है कि ड्रेसिंग रूम में पर्याप्त सुरक्षा हो। उन्होंने कहा जैसा आपने कहा कि टीम के पास बहुत प्रतिभा है लेकिन फिर भी मुझे लगता है कि जो खिलाड़ी लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं वे निश्चित रूप से अधिक अवसर के हकदार हैं। इस श्रृंखला में हम यही दृष्टिकोण अपना रहे हैं। भारत ने पहले तीन मैच जीतकर न्यूजीलैण्ड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला अपने नाम कर ली है। गंभीर से पूछा गया कि श्रृंखला का परिणाम पहले ही तय हो जाने के बाद वह खिलाड़ियों को कैसे प्रेरित करेंगे उन्होंने कहा जब आप देश के लिए खेल रहे होते हैं तो किसी तरह की आत्मसंतुष्टि नहीं होती है। हर कोई जानता है कि कुछ भाग्यशाली खिलाड़ियों को देश की तरफ से खेलने का मौका मिलता है। मेरा मानना है कि हर मैच कुछ अलग करने, कुछ सीखने और खुद को बेहतर बनाने का मौका होता है। भारतीय टी-२० अंतरराष्ट्रीय टीम व्यस्त कार्यक्र म के बाद न्यूजीलैण्ड पहुंची है। उसने हाल में अफगानिस्तान और वेस्टइण्डीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाएं खेलने के साथ एशियाई खेलों में भी भाग लिया था। गंभीर ने कहा हमें बहुत ही कम समय मिला। हमने १७ अक्तूबर को वेस्टइण्डीज के खिलाफ अंतिम मैच खेला और १८ अक्तूबर को हमने यहां के लिए उड़ान भर दी। हम केवल एक सत्र में ही अभ्यास कर पाये। खिलाड़ियों ने जिस तरह से परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला वह काबिलेतारीफ है। गंभीर ने टी-२० श्रृंखला में मिली जीत को 'असाधारण उपलब्धि' करार देते हुए कहा कि खिलाड़ियों के आक्रामक और बेखौफ रवैये ने तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलने की कमी को पूरा किया। गंभीर ने इस मौके पर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में श्रेयस ने सीमित संसाधनों के बावजूद गेंदबाजों से शानदार प्रदर्शन करवाया। गंभीर ने कहा श्रेयस ने एक बेहद सफल टी-२० टीम की कमान संभाली थी जिसने विश्वकप जीता था और दो साल तक कोई श्रृंखला नहीं गंवाई थी। उन्होंने कहा इंगलैण्ड और न्यूजीलैण्ड जैसे देशों के दौरे पर अनुभव की कमी खलती है, लेकिन यह युवा खिलाड़ियों को मौका देने का अच्छा अवसर भी है। अगर आप अगले विश्वकप की तैयारी करना चाहते हैं तो युवा खिलाड़ियों को अवसर देना और दौरे के दौरान ही उन्हें निखारना जरूरी है। गंभीर से जब पूछा गया कि क्या लगातार सामने आने वाली चुनौतियां उन्हें कभी परेशान या विचलित करती हैं, तो उन्होंने अपने चिरपरिचित अंदाज कहा मैं किसी चीज से नहीं डरता। मेरे शब्दकोश, मेरी सोच और मेरी विचारधारा में डर के लिए कोई जगह नहीं है।

न्यूजीलैण्ड ने मैच, भारत ने जीती श्रृंखला

सीफर्ट की पारी ईशान, श्रेयस पर पड़ी भारी, मिल्ने ने झटके चार विकेट, मेजबान टीम ने पांचवां टी-२० भी सात विकेट से जीता

हैमिल्टन (एजेन्सियां)। भारत को टिम सीफर्ट को शुरू में ही जीवनदान देना महंगा पड़ गया और इस सलामी बल्लेबाज ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए ५० गेंद में ९३ रन की तूफानी पारी खेल दी जिससे न्यूजीलैण्ड ने रविवार को यहां खेले गये पांचवें और अंतिम टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच में दो ओवर शेष रहते हुए सात विकेट से जीत दर्ज कर ली। भारत भले ही मुकाबला हार गया लेकिन उसने श्रृंखला ३-२ से अपने नाम कर ली। टीम इण्डिया ने पहले तीन मैच जीते थे जबकि मेजबान टीम ने वापसी करते हुए आखिरी के दो मैच जीत लिए। प्लेयर आफ द मैच एडम मिल्ने (४-१९) की उम्दा गेंदाबजी के दम पर कीवी टीम ने पहले भारत को २० ओवर में आठ विकेट पर १९१ रन पर रोक दिया फिर १८ ओवर में तीन विकेट पर १९५ रन बना लिए। १९२ रन के लक्ष्य के सामने न्यूजीलैण्ड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में नौ रन के टीम स्कोर पर सलामी बल्लेबाज फिन एलन (दो) को खो दिया जिन्हें बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने ईशान किशन के हाथों कैच कराया। अर्शदीप को अपने अगले ओवर में सीफर्ट का विकेट भी मिल जाता लेकिन नमन धीर उनका कैच नहीं पकड़ सके। उस समय सीफर्ट केवल १३ रन पर थे। सीफर्ट ने छक्का लगाकर इस जीवनदान से आये दबाव को हटाया। इधर डेरिल मिचेल ने प्रिंस यादव का स्वागत लगातार दो छक्के लगाकर किया जबकि सीफर्ट ने पावर प्ले के आखिरी ओवर में भुवनेश्वर कुमार पर दो चौके और दो छक्के लगाकर २० रन बटोरे। न्यूजीलैंड ने इस तरह से पावर प्ले में एक विकेट पर ५९ रन बनाये। श्रृंखला में अपना पहला मैच खेल रहे स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने मिचेल को आउट करके सीफर्ट के साथ उनकी ७३ रन की साझेदारी तोड़ी। इस बीच दिलेरी के साथ भारतीय गेंदबाजों का सामना कर रहे सीफर्ट ने नीतीश कुमार रेड्डी पर छक्का लगाकर ३४ गेंद पर अर्द्धशतक पूरा कर लिया। सीफर्ट इसके बाद और आक्रामक हो गये। वे जिस अंदाज के साथ खेल रहे थे लग रहा था कि उनके बल्ले से शतक निकलेगा और वे अजेय रहते हुए टीम को जिता कर ही लौटेंगे लेकिन नितीश ने अपनी एक खूबसूरत गेंद पर सीफर्ट को बोल्ड करके उन्हें अपने करियर का पहला शतक नहीं बनाने दिया लेकिन तब तक वह फिलिप्स के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचा चुके थे। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए ८९ रन की साझेदारी की। सीफर्ट ने ९३ रन के लिए ५० गेंद खेली जिसमें ११ चौका, पांच छक्का शामिल रहा। इधर प्रचंड फार्म में चल रहे प्लेयर आफ द टूर्नामेंट फिलिप्स ने अर्शदीप पर चौका लगाकर २९ गेंद पर अर्द्धशतक पूरा कर लिया। फिलिप्स ३८ गेंद पर आठ चौके, तीन छक्के की मदद से ६५ रन बना कर न्यूजीलैण्ड का स्कोर १८ ओवर में तीन विकेट पर १९५ रन कर अजेय पवेलियन लौटे। फिलिप्स ने इस श्रृंखला में ३४१ रन बनाये जो किसी द्विपक्षीय श्रृंखला में सर्वाधिक रन का नया रेकार्ड है। अर्शदीप, वरुण चक्रवर्ती और नीतीश कुमार रेड्डी ने एक-एक विकेट आपस में बांटे। इससे पहले श्रृंखला में पहली बार टास हार कर पहले बल्लेबाजी को बाध्य भारत की पारी तीन चरणों में गुजरी। उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही लेकिन बीच के ओवरों में उसने तेजी से रन बनाये और डेथ ओवरों में फिर से कुछ खास नहीं कर पाये। भारत ने महज १९ रन पर सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (एक) और संजू सैमसन (चार) के विकेट गंवा दिए थे। इन दोनों को एडम मिल्ने ने पवेलियन की राह दिखाई। ईशान किशन ने थोड़ी धीमी शुरुआत की और पहली ११ गेंदों में केवल १३ रन बनाये लेकिन एक बार लय में आने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ की गेंद पर लांगआफ पर चौका और ब्लेयर टिकनर की गेंद पर प्वाइंट के ऊपर से छक्का जड़कर उन्होंने अपना आक्रामक तेवर दिखाया। वेस्टइण्डीज के खिलाफ टी-२० में अपना पहला शतक लगाने के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर कुछ खास नहीं कर पाये थे लेकिन आज वे रन बनाने के लक्ष्य के साथ २२ गज की पट्टी पर उतरे थे। उन्होंने स्मिथ की गेंद पर छक्का लगाकर शुरुआत की और इसके बाद भी कुछ दर्शनीय शाट लगाये। उन्होंने आफ स्पिनर माइकल ब्रैसवेल पर लगातार ६, ४, ६ रन जड़े। इसमें आखिरी छक्का १०० मीटर की दूरी तक गया। किशन ने भी गति पकड़ ली और ब्रेसवेल की गेंद पर छक्का लगाकर २८ गेंदों में अपना अर्द्धशतक पूरा किया जबकि ४० रन पर जीवनदान पाने वाले अय्यर ने भी जल्द ही उनका अनुसरण करते हुए स्मिथ की गेंद पर चौका लगाकर २२ गेंदों में अर्द्धशतक जड़ दिया, लेकिन न्यूजीलैण्ड ने ठीक उसी समय वापसी की और टिकनर ने ११वें ओवर में किशन को स्मिथ के हाथों कैच करा दिया जिन्होंने ३२ गेंद पर पांच चौके, पांच छक्के की सहायता से ६१ रन बनाये और तीसरे विकेट के लिए ४३ गेंद में ९३ रन जोड़े। इसके अगले ओवर में स्मिथ ने अय्यर को भी अपना शिकार बना लिया। अय्यर पुल लगाने के प्रयास में विकेटकीपर सीफर्ट को कैच दे बैठे। अय्यर ने पवेलियन लौटने से पहले २३ गेंद में तीन चौके, चार छक्के की मदद से ५० रन बनाये। उम्मीद थी कि तिलक वर्मा आक्रामक तेवर के साथ बड़ी पारी खेलेंगे लेकिन वे केवल छह रन बना करर नाथन स्मिथ के शिकार हो गये। इसके बाद नमन धीर ने २३ गेंद में चार चौके, एक छक्के की मदद से ३३ और नीतीश कुमार रेड्डी ने १७ गेंद में दो चौके, एक छक्के की मदद से २२ रन बनाये। भारत १४वें से २०वें ओवर के बीच केवल ५७ रन ही बना सका। जिससे भारत का स्कोर २० ओवर में आठ विकेट पर १९१ रन हो सका। एडन मिल्ने ने १९ रन देकर चार लिए जबकि स्मिथ और टिकनर ने दो-दो विकेट चटकाये।

हरमनप्रीत की हैटट्रिक, भारत ने लगाया जीत का चौका



जालंधर (एजेन्सियां)। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के हैटट्रिक की बदौलत पांच बार के चैम्पियन भारत ने रविवार को एशियाई चैम्पियंस ट्राफी (एसीटी) हाकी टूर्नामेंट में मलयेशिया को ४-२ से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। भारत ने हाल ही में एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक मैच में भी मलयेशिया को ५-१ से हराया था। छह टीमों के इस टूर्नामेंट में भारत और मलयेशिया के अलावा दक्षिण कोरिया तथा जापान ने भी सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। भारत सोमवार को अपने आखिरी राउंड राबिन मुकाबले में दक्षिण कोरिया से भिड़ेगा जबकि मलयेशिया का सामना जापान से होगा। हरमनप्रीत ने तीसरे, ३३वें और ५८वें मिनट में गोल दागा। उन्होंने दो गोल पेनल्टी कार्नर पर किये जबकि एक गोल पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए आया। स्ट्राइकर सुखजीत सिंह ने ४३वें मिनट में मैदानी गोल कर भारत की बढ़त मजबूत की। मलेशिया की ओर से अखिमुल्लाह अनुआर ने २५वें मिनट में और शेलो सिल्वरियस ने ६०वें मिनट में गोल किये। भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। कप्तान हरमनप्रीत ने तीसरे ही मिनट में टीम को मिले पहले पेनल्टी कार्नर पर मलयेशिया के गोलकीपर हफीजुद्दीन ओथमान के बाईं ओर दमदार ड्रैग फ्लिक लगाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने मलयेशियाई रक्षापंक्ति पर लगातार दबाव बनाया और कई बार सर्कल में प्रवेश किया लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिली। मलयेशिया ने दूसरे क्वार्टर में जवाबी हमला तेज किया। उसे १८वें

एशियाई चैम्पियंस ट्राफी हाकी
मलयेशिया को ४-२ से हराया

मिनट में लगातार दो पेनल्टी कार्नर मिले लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने दोनों मौकों पर गोल नहीं होने दिया। इसके बाद भारत को भी लगातार दो पेनल्टी कार्नर मिले मगर मलेयशियाई गोलकीपर ओथमान ने दोनों बार हरमनप्रीत के प्रयासों को नाकाम कर दिया। मलयेशिया ने भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाये रखा और २४वें मिनट में लगातार तीन पेनल्टी कार्नर हासिल किये। भारतीय खिलाड़ियों ने मुस्तैदी से बचाव करते हुए अपनी बढ़त कायम रखी। अखिमुल्लाह अनुआर ने अगले ही मिनट भारतीय रक्षापंक्ति की चूक का फायदा उठाकर गोल कर दिया। फैज जली से मिले पास पर उन्होंने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। इसके साथ ही हाफ टाइम तक दोनों टीमें १-१ की बराबरी पर थीं। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में अधिक आक्रामक रुख अपनाया। हाफ टाइम के बाद तीन मिनट के भीतर भारत को चौथा पेनल्टी कार्नर मिला और हरमनप्रीत ने एक बार फिर सटीक ड्रैग फ्लिक लगाकर टीम को २-१ की बढ़त दिला दी। उपकप्तान हार्दिक सिंह ने मिडफील्ड में गेंद छीनकर शानदार मूव बनाया और सुखजीत सिंह को पास दिया। सुखजीत ने बेहतरीन टोमहाक शाट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचा जिसमे मैच के ४३वें मिनट में भारत ने अपनी बढ़त ३-१ कर ली। अंतिम हूटर बजने से दो मिनट पहले भारत को छठा पेनल्टी कार्नर मिला। इस दौरान हरमनप्रीतकी गोलकी ओर जाती फ्लिक मलयेशियाई डिफेंडरके शरीरसे टकरा गयी जिससे पेनल्टी स्ट्रोक मिला। हरमनप्रीतने इस मौकेको भुनानेमें कोई गलती नहींकी और ५८वें मिनट में अपना तीसरा गोल दागकर भारतको ४-१ से आगे कर दिया। खेल समाप्त होनेसे एक मिनट पहले मलयेशियाके शेलो सिल्वरियसने मैदानी गोल कर अंतर ४-२ कर दिया लेकिन तब तक भारतीय टीम अपनी जीत सुनिश्चित कर चुकी थी।

हैमिल्टन में लगी रेकार्डों की झड़ी

हैमिल्टन (एजेन्सियां)। भारत और न्यूजीलैण्ड के बीच पांच मैचों की टी-२० श्रृंखला का आखिरी मुकाबला सिर्फ श्रृंखला के लिहाज से ही नहीं बल्कि रेकार्ड्स के लिहाज से भी बेहद खास रहा। हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेले जा रहे इस मुकाबले की सबसे बड़ी उपलब्धि विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन के नाम रही। उन्होंने न्यूजीलैण्ड के खिलाफ ३२ गेंदों में ६१ रनों की विस्फोटक पारी खेलकर टी-२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने २००० रन पूरे कर लिए। वह भारत की ओर से सबसे कम गेंदों में इस मुकाम तक पहुंचने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गये हैं। ईशान ने २००० रन पूरे करने के लिए १३४५ गेंदों का सामना किया। इस मामले में उनसे आगे सिर्फ अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव हैं। अभिषेक ने १०२४ गेंदों में, जबकि सूर्यकुमार ने ११६६ गेंदों में २००० टी-२० अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए थे। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने भी इस मुकाबले में एक खास रेकार्ड अपने नाम किया। वह फुल मेंबर देशों के बीच टी-२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पावरप्ले के दौरान सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गये। अर्शदीप ने अब तक ९९ पारियों में शुरुआती छह ओवरों के दौरान ६५ विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने न्यूजीलैण्ड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी की बराबरी कर ली है। साउदी ने ११९ पारियों में ६५ विकेट लिए थे। भारतीय टीम ने इस साल टी-२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में छक्कों का नया इतिहास रच दिया है। भारत २०२६ में अब तक ४० टी-२० अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में ४०० छक्के लगाने वाली दुनिया की पहली टीम बन गयी। भारत की आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इन ४०० छक्कों में से १४२ छक्के अकेले न्यूजीलैण्ड के खिलाफ आये हैं। किसी एक कैलेंडर वर्ष में किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ लगाये गये छक्कों के मामले में यह भी एक बड़ा रेकार्ड है। न्यूजीलैण्डके कप्तान मिचेल सैंटनरके लिए भी यह मुकाबला रेकार्डके लिहाज से खास रहा। वह न्यूजीलैण्डकी ओरसे सबसे ज्यादा टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गये।

दोहरी सफलता : सिंधू और लक्ष्यने जीते खिताब

हाइलो ओपन

सारब्रकेन (एजेन्सियां)। दो बार की ओलम्पिक पदक विजेता पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने रविवार को यहां हाइलो ओपन सुपर ५०० बैडमिण्टन टूर्नामेंट के फाइनल में सीधे गेम में जीत दर्ज करते हुए क्रमश: महिला और पुरुष एकल खिताब अपने नाम किये जिससे भारत को दोहरी सफलता मिली। पीवी सिंधू ने डेनमार्क की विश्व रैंकिंग में २५वें स्थान पर काबिज लाइन होजमार्क केयर्सफेल्ड को हराकर मौजूदा सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता। पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू ने पांच लाख डालर इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के ३९ मिनट तक चले फाइनल में आठवीं वरीयता प्राप्त केयर्सफेल्ड को २१-१२, २१-१४ से शिकस्त दी। जुलाई में जापान ओपन में खिताब जीतने वाली और पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही सिंधू ने पूरे मुकाबले में शानदार नियंत्रण और दमदार खेल का प्रदर्शन किया। जीतके बाद सिंधू ने कहा





कि मेरे लिए यह महत्वपूर्ण था कि प्रतिद्वंद्वी कोई भी हो मैं अपना शत प्रतिशत प्रदर्शन करूं। हम कई बार एक-दूसरे के खिलाफ खेल चुके हैं और मेरे लिए हर अंक पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी था। मेरे लिए हर अंक महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा कि मैंने शुरुआत से ही बढ़त बना ली थी और उसे वापसी का कोई मौका नहीं दिया। वहीं लक्ष्य सेन ने पुरुष एकल फाइनल में जोनाथन क्रिस्टी को २१-१७, २१-१० से हराकर भारत की दोहरी सफलता सुनिश्चित की। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज सिंधू ने इस जीत के साथ ९,२०० रैंकिंग अंक हासिल किये और सत्र के अंत में होने वाले विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने की अपनी दावेदारी मजबूत की। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने सर्वश्रेष्ठ फार्म में लौट आयी हैं, सिंधू ने कहा कि बिल्कुल। मेरी पूरी टीम को इसका श्रेय जाता है। हम इसी के अनुसार योजना बना रहे हैं। जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं यह जरूरी हो जाता है कि आप अपने खेल को बेहतर बनायें और फैसले लेने में अधिक समझदारी दिखायें। उन्होंने कहा कि लेकिन मेरे लिए साथ ही शांतचित्त बने रहना भी महत्वपूर्ण था। अब भी सुधार की गुंजाइश है। चीजें बेहतर हो रही हैं और मैं इससे खुश हूं। दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधू का फाइनल से पहले केयर्सफेल्ड के खिलाफ जीत-हार का रेकार्ड ६-१ था। डेनमार्क की खिलाड़ी को उनके खिलाफ एकमात्र जीत २०२५ सुदीरमन कप फाइनल्स में मिली थी।

उत्तर प्रदेश के सामने होगी बड़ौदा की चुनौती

रणजी ट्राफी



कानपुर (आससे)। रणजी ट्राफी के ग्रुप-ए में नाकआउट चरण में जगह बनाने के अभियान में जुटी उत्तर प्रदेश और बड़ौदा की टीमें सोमवार से ग्रीन पार्क स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। दोनों ही टीमों ने अभी तक तीन मैचों में दो जीत एवं एक ड्रा खेला है। हालांकि १७ अंक लेकर दूसरे स्थान पर चल रही बड़ौदा मेजबान उत्तर प्रदेश से एक अंक की बढ़त लिए हुए हैं। जिसे हर हाल में पछाड़ने के लिए कप्तान आर्यन जुयाल के नेतृत्व में टीम अपने घरेलू मैदान में पूरा दमखम दिखाने को तैयार है। दोनों ही टीमों ने रविवार को यहां जमकर पसीना बहाया। ग्रीनपार्क में हुए पिछले मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने अपने स्पिनरों के दम पर गोवा के खिलाफ जीत हासिल की थी। हालांकि इस मैच में उसके बल्लेबाजों को संघर्ष करना पड़ा था। पुडुचेरी के खिलाफ भी पिछले मैच में करन शर्मा और शिवम मावी ने जहां बल्ले से चमक बिखेरी वहीं कार्तिक यादव और जीशान अंसारी ने एक बार फिर अपनी काबलियत साबित की थी। वहीं पिछले मैच में गत चैम्पियन जम्मू-कश्मीर के खिलाफ ६१६ रनों का विशाल स्कोर बनाने के बाद फालोआन खिलाने वाली बड़ौदा की टीम काफी अच्छे फार्म में है। टीम के बल्लेबाज प्रियांशु मोलिया ने पिछले मैच में तिहरा शतक लगाकर खूब सुर्खिया बटोरी। टीम के मेंटोर एवं गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल के माग्रदर्शन में बड़ौदा के गेंदबाज भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। कप्तान अतीत सेठ इस बार भी उत्तर प्रदेश के खिलाफ टीम के शानदार प्रदर्शन को बरकरार रखना चाहेंगे। काली मिट्टी की पिच और मौसम को देखते हुए यहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को फायदा मिलने की पूरी उम्मीद है। इस मैच में नवदीप सिंह सिद्धू और केयूर केलकर अम्पायर तथा राजीव सेठ मैच रैफरी होंगे। मैच पूर्वाह्न ९.३० बजे से शुरू होगा।

हरित ने जीता रजत



वाराणसी। वाराणसी मण्डलके हरित चौधरीने प्रयागराज में खेली जा रही ७०वीं प्रदेशीय विद्यालयीय अथलेटिक्स प्रतियोगिताके अण्डर-१९ आयु वर्गकी १०० मीटर दौड़ में रजत पदक हासिल किया। हरित ने यह दूरी १०.५० सेकेंड में पूरी की। हरित वर्तमानमें विकास इण्टर कालेजमें अध्ययनरत है। उसकी इस उपलब्धि पर संयुक्त शिक्षा निदेशक दिनेश कुमार सिंह, विकास एजुकेशनल ग्रुपके चेयरमैन डाक्टर एके सिंह, मण्डलीय क्रीड़ा सचिव राजेश कुमार सिंह ने बधाई दी।

सनबीम स्कूल सारनाथ चैम्पियन

रोलर स्केटिंग

वाराणसी। सनबीम स्कूल सारनाथ के स्केटरोंने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए यहां अपने ही मैदानपर हुई बीडीआरएस जिला रोलर स्पोर्ट्स स्केटिंग प्रतियोगिताका खिताब जीत लिया। ४५ स्कूलों के ४३० स्केटरों के बीच हुई इस प्रतियोगितामें रोलिंग फाइटर एकेडमी उपजेता रही जबकि शूरवीर अकादमी को तीसरा स्थान मिला। प्रतियोगिताका उद्घाटन मेजबान विद्यालयके प्रधानाचार्य आरती कुमारी ने किया। वहीं कुल चार चरणों के सात आयु वर्ग में हुई प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि हर्ष मधोक रहे। प्रतियोगिताके पश्चात संदीप गुप्त, राजेश डोंगरा, एमएनएन पाण्डेय, मनीषा रानी, काजल मुखर्जी, संजीव शर्मा ने पदक विजेताओं को पुरस्कृत किया। शुभम, अभिषेक शर्मा मुख्य निर्णायक रहे। इस मौके पर पूजा दीक्षित, अजय पटेल, शिवम मिश्र, फौजान, नीरज, बिपिन, गौरव, महफूज, एहतेशाम, साहिल, सकलैन, श्रेया, सागर गौड़ और अजय गुप्त आदि मौजूद रहे।



विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल सोमवार, 2 नवंबर 2026

मेष- दिन अशुभ, सफलता में व्यवधान, मित्रों से मनमुटाव, प्रतिष्ठा में कमी, व्यर्थ भ्रमण।
वृषभ- धनलाभ का अवसर, कठिनाइयों में कमी, पठन-पाठन में रुचि, गलतफहमियाँ दूर।
मिथुन- सामाजिक कृत्यों में रुचि, विचारित योजना में अनुकूलता, दाम्पत्य जीवन सुखद।
कर्क- नौकरी में पदोन्नति, परोपकार की भावना, आत्मिक शांति, उच्चाधिकारियों से संपर्क।
सिंह- आर्थिक हानि, व्यय की अधिकता, अकेलेपन की अनुभूति, विरोधी प्रभावी, धनहानि।
कन्या- मनो-विनोद के अवसर, जिम्मेदारियों हेतु व्यय, आपको सौहार्द, उपहार का लाभ।
तुला- समय संतोषजनक, स्वजनों से सहयोग, नौकरी में प्रोन्नति, परिवार में हर्षोल्लास।
वृश्चिक- सुसमाचार की प्राप्ति, सद्विचारों का उदय, आत्मिक शांति, भोग-विलासिता में रुचि।
धनु- लाभ में कमी, जल्दबाजी अहितकर, यात्रा में परेशानी, उत्साह में कमी, मन व्यथित।
मकर- निराशा का समापन, अनुकूल घटनाएं, मंगल आयोजन, धन निवेश, क्षमता में वृद्धि।
कुम्भ- उन्नति के नवीन आयाम, लाभ भी, दर्शनीय स्थलों की यात्रा, मानसिक शांति, खुशी।
मीन- कार्य बनने से खुशी, व्यक्तित्व का विकास, जीवन साथी से सहयोग, मन प्रसन्न।

आज है जिनका जन्मदिन 2 नवंबर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 2 का स्वामी ग्रह चंद्रमा एवं माह का अधिपति ग्रह मंगल है। किसी भी बात को बढ़ा चढ़ाकर कहने में विश्वास करेंगे। स्वभाव मृदु व दयालु होगा। आपके विचार अस्थिर एवं उलझे हुए होंगे। किसी भी कार्य के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लेने के बाद ही उसे करेंगे। छोटी-छोटी बातों से ही विचलित हो जायेंगे। किसी भी कार्य को ज्यादा देर तक नहीं कर पायेंगे। शारीरिक कार्यों की अपेक्षा मानसिक कार्यों को अधिक महत्व देंगे। पारिवारिक जीवन कष्टकर होगा। प्रेम-सौन्दर्य ललित कलाओं में अधिक रुचि लेंगे। अतीन्द्रिय ज्ञान की आपमें अद्भुत क्षमता होगी। यात्रा आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। सादगी का जीवन व्यतीत करना चाहेंगे। धन संचय की ओर भी आपकी प्रवृत्ति रहेगी। अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में सक्षम होंगे। नियमित रूप से इष्ट देवी-देवता की आराधना करें। तन-मन-कर्म-वचन से शुचिता का धर्म अपनाएं। दैनिक जीवन में सफेद रंग की वस्तुओं का इस्तेमाल अधिकतम करें। सफेद रंग की वस्तुओं का दान भी करें। सदाचार का पालन करें।

आपके लिए शुभ
मन्त्र : ॐ सों सोमाय नमः
व्रत : सोमवार
दिन : सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार
दिनांक : 2, 11, 20, 29
अंक : 1, 4, 7
मास : नवम्बर, नवम्बर एवं नवम्बर
वर्ष : 2, 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65
रंग : सफेद एवं क्रीम
जन्मरत्न : मोती
उपरत्न : मून स्टोन
जड़ी : अनार की जड़
दिशा : नैर्ऋत्य
वर्ष का महत्वपूर्ण समय—20 444433 4त से 20 नवम्बर

यन्त्र
7 2 9
8 6 4
3 10 5

सुडोकू ५००२

सरीक खेलने का : दिखाये खेल और नम्बरों को खोलते है। तर्क से इसे हल कर सकते हैं। 9×9 के खानों के नौ खाने दिए गए हैं। आपको 1 से 9 की संख्या इस तरह लिखनी है कि खड़ी और पड़ी लाइनों के डॉक्स खाने में 1 से 9 की सभी संख्याएं मौजूद हों। प्रत्येक 3×3 के छोटे खानों में भी 1 से 9

छत्तीसगढ़ समाचार.....

रायपुर : छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री की शुभकामनाएं प्रदेश के तीन करोड़ नागरिकों के लिए प्रेरणा और गौरव का विषय : मुख्यमंत्री



रायपुर (आ.स.से.)। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आत्मीय पत्र छत्तीसगढ़ की माटी, यहाँ की श्रमशील जनता और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत के प्रति उनके गहरे जुड़ाव का परिचायक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का स्नेह, विश्वास और मार्गदर्शन प्रदेश को समृद्ध, सशक्त एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने की नई ऊर्जा प्रदान करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री को प्रेषित अपने आभार पत्र में कहा कि अविभाजित मध्य प्रदेश के समय से लेकर सरगुजा के वनांचला. और बस्तर के सुदूर अंचलों तक की अपनी यात्राओं एवं अनुभवों का प्रधानमंत्री ने जिस आत्मीयता से स्मरण किया है, वह प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के हृदय को स्पर्श करता है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष राज्य की रजत जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री का आगमन और नवीन विधानसभा भवन का लोकार्पण छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा की अविस्मरणीय उपलब्धि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर प्रदेशवासियों की दशकों पुरानी आकांक्षाओं को साकार किया था। उनके समृद्ध एवं विकसित छत्तीसगढ़ के स्वप्न को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व और मार्गदर्शन में साकार करने की दिशा में आगे बढ़ना राज्य सरकार के लिए सौभाग्य और महत्वपूर्ण दायित्व का विषय है। नक्सलवाद के विरुद्ध ऐतिहासिक सफलता से बदल रही बस्तर की पहचान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने पत्र में नक्सलवाद के विरुद्ध ऐतिहा. सिक सफलता और बस्तर में आए सकारात्मक परिवर्तन का विशेष उल्लेख किया है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री के दृढ़ संकल्प, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और स्थानीय जनता के सहयोग का प्रतिफल है। कभी नक्सल हिंसा के लिए पहचाना जाने वाला बस्तर आज शांति, विश्वास और विकास की नई पहचान गढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शनियद नेल्लानारश योजना के माध्यम से दूरस्थ गाँवों तक सड़क, बिजली, पेयजल, संचार और स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँच रही हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से जनजातीय अंचलों में विकास को नई गति मिली है। बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन जनजातीय युवाओं की प्रतिभा और आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कर रहे हैं। राज्य सरकार का संकल्प है कि बस्तर अपनी समृद्ध संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य के साथ पर्यटन, खेल एवं उद्यमिता के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जनकल्याण और अंत्योदय की भावना को धरातल पर साकार करने के प्रयासों को निरंतर मजबूती मिली है। प्रदेश के 25 लाख से अधिक धान उत्पादक किसानों को 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और प्रधानमंत्री धनधान्य कृषि योजना से किसानों को आर्थिक संबल मिलने के साथ कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि प्रदेश के लगभग 73 लाख जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है और 22 लाख से अधिक गरीब परिवारों का पक्के आवास का सपना साकार हुआ है। जल जीवन मिशन से 41 लाख से अधिक ग्रामीण घरों तक नल से जल की सुविधा पहुँची है। लगभग 40 लाख परिवारों को रसोई गैस कनेक्शन मिले हैं तथा करीब ढाई करोड़ आयुष्मान कार्डों के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा का दायरा व्यापक हुआ है। इसी प्रकार महतारी वंदन योजना के अंतर्गत लगभग 68 लाख माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता उनके स्वावलंबन और आत्मसम्मान को सशक्त बना रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश में आधुनिक अधोसंरचना के विस्तार के प्रति प्रधानमंत्री के विशेष ध्यान और सहयोग के लिए भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रायपुर-बिलासपुर फोरलेन से यात्रा सुगम हुई है, वहीं रायपुर-विशाखापत्तनम और रांची-धनबाद जैसे प्रमुख आर्थिक केंद्रों से जुड़ने वाली सड़क परियोजनाएँ विकास की नई संभावनाएँ खोल रही हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि प्रदेश में 51 हजार करोड़ रुपये से अधिक की रेल परियोजनाओं, वंदे भारत एवं अमृत भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाओं तथा चार हवाई अड्डों के नेटवर्क से आवागमन, निवेश और रोजगार के अवसरों का विस्तार हो रहा है। ये परियोजनाएँ छत्तीसगढ़ को देश की आर्थिक प्रगति में और अधिक प्रभावी भागीदारी का अवसर प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल, माता शबरी की पावन भूमि और संत शिरोमणि गुरु घासीदास बाबा की जन्मभूमि छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत राज्य की अमूल्य धरोहर है। कबीरपंथ की समतामूलक परंपरा, पद्म विभूषण तीजन बाई की पंडवानी तथा यहाँ की लोककलाओं और जनजातीय संस्कृति को सहेजते हुए प्रदेश आधुनिक विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के इंडिया एआई मिशन और सेमीकंडक्टर मिशन से प्रेरणा लेकर नवा रायपुर को आधुनिक प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। स्टील, एल्युमिनियम, आईटी, फार्मा, टेक्सटाइल और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में पर्यावरण-अनुकूल औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एम्स, आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईटी और निफ्ट जैसे प्रतिष्ठित संस्थान प्रदेश के युवाओं को उच्च शिक्षा के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप छत्तीसगढ़ी के साथ गोंडी, हल्बी और सरगुजिहा जैसी स्थानीय भाषाओं एवं बोलियों में प्रारंभिक शिक्षा को बढ़ावा देकर नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

जमीन बची नहीं, अंगद का पैर कहां रखोगे-अखिलेश

दिल्लीके रामलीला मैदानकी रैलीमें अमित शाह पर साधा निशाना

नयी दिल्ली (आससे)। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया की विशाल रैली में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर जमकर हमले किये। उन्होंने कहा कि जबसे यह तय हुआ है कि रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन एकजुट होकर उन तमाम लोगों को जिन लोगों ने लोकतंत्र को कमजोर करने का काम किया है, उनके खिलाफ एकजुट हो रहे हैं, तबसे सामने आ रहा है कि जनता हमारे साथ जुटना चाहती है।

उन्होंने कहा कि अगर मैं यह कहूं कि एक करोड़ 27 लाख वोट कटे हैं, उसका गणित हम लगा दें 403 विधानसभाओं का तो हर विधानसभा में वोट कम हुए हैं। जो लोग तय कर के आये हैं कि अंगद का पैर हैं, वे जानते हैं कि जमीन ही नहीं बची है तो पैर कहां रखोगे। जो लोग दावा करते थे कि डबल इंजन की सरकार है, उन्हें काशी की जनता ने जवाब दिया है। वे एक बार एक



हार से संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने कहा कि दो रात तीन दिन काउंटिंग की, वे अब भी चंडीगढ़ चाल चलना चाहते थे, लेकिन कामयाब नहीं हुए हैं। डबल इंजन वालों को डबल हार और डबल जीरो मिलने का काम हुआ है। वह क्षेत्र कौन सा है। जो लोग काशी का नाम जानते हैं वो यह भी जानते हैं कि वह क्षेत्र क्योटो है। हम जानते हैं कि भाजपा लगातार साजिश कर रही है। वे जानते हैं कि जनता के बीच जीत नहीं सकते हैं। वे चुनाव आयोग का रास्ता अपना रहे हैं। बंगाल का चुनाव उन्होंने लूटा है। बंगाल चुनाव की तस्वीरें कोई नहीं भूल सकता कि वहां लाखों की फौज लगाकर और चुनाव से पहले एसआईआर कराकर लाखों वोट कटवा दिए गये। सपा ने कहा कि मुझे याद है कि 2022 में जब चुनाव हुआ था, तब हम सरकार नहीं बना पाए। उसका कारण वोट चोरी ही था। वोटरों को उन्होंने वोटर लिस्ट से हटा दिया। उन्होंने हजारों वोट समाजवादी पार्टी के हटाये थे। उन्होंने मुझे नोटिस दिया था और पूछा था कि किस आधार पर आप कह रहे हैं कि हमने वोट काट दिए हैं। तब सपा कार्यकर्ताओं ने एक-एक बूथ पर काटे गए वोटों की जानकारी निकाली थी। हमने इसकी जानकारी चुनाव आयोग को शपथ पत्र में दिया। लेकिन किसी पर कोई कारवाई नहीं हुई। पता नहीं चुनाव आयोग कौन सी नींद की गोली लेकर सो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जबसे जनता इनके खिलाफ जाग गयी है, तब से कारवाई कर रहे हैं।

प्रधानमंत्रीने छह राज्यों के स्थापना दिवस पर दी बधाई

नयी दिल्ली (आससे)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल के लोगों को उनके राज्यों के स्थापना दिवस पर बधाई दी और वहां के सभी निवासियों के लिए शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की। पीएम मोदी ने यह भी उम्मीद जताई कि आने वाले साल इन छह राज्यों के लोगों के लिए नए अवसर, अधिक समृद्धि और निरंतर प्रगति लेकर आएंगे। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस पर वहां के मेरे सभी भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई। यह राज्य गौरवशाली विरासत, समृद्ध संस्कृति और अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता की भूमि है।

महादेव एप का मुख्य सरगना सौरभ चंद्राकर ओमान से लाया गया भारत

नयी दिल्ली (आससे)। महादेव ऑनलाइन सट्टा एप के अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट के प्रमुख संचालक सौरभ चंद्राकर को आखिरकार भारत लाने में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को बड़ी सफलता मिली है। सौरभ को ओमान से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है। सीबीआई की विशेष टीम उसे ओमान की राजधानी मस्कट से अपने साथ लेकर भारत पहुंची है।अब उसे रायपुर लाया जाएगा, जहां सोमवार को विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया जाएगा। कोर्ट में पेश करने से पहले उसका मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा। इसके बाद ट्रांजिट रिमांड प्राप्त कर उसे रायपुर लाया जाएगा।सौरभ चंद्राकर महादेव ऑनलाइन बुक के अवैध सट्टा सिंडिकेट का प्रमोटर और प्रमुख आरोपी है। वह सीबीआई के दो मामलों में वांछित था। इन दोनों मामलों में जांच पूरी कर चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है।इसके अलावा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक मामले में भी उसके खिलाफ अभियोजन शिकायत दाखिल की गई है। उसके भारत लाए जाने को महादेव सट्टा नेटवर्क के खिलाफ चल रही जांच में बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। ओमान में पकड़ा गया था सीबीआई के मुताबिक, सौरभ चंद्राकर के खिलाफ इंटरपोल के माध्यम से रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। इसी के आधार पर ओमान की रॉयल ओमान पुलिस ने उसे चिह्नित कर हिरासत में लिया था।इसके बाद सीबीआई और ईडी ने तत्काल ओमान सरकार को उसके प्रत्यर्पण के लिए औपचारिक प्रस्ताव भेजे। इन प्रस्तावों के साथ जांच एजेंसियों ने सौरभ के खिलाफ जुटाए गए साक्ष्य भी प्रस्तुत किए थे।भारत सरकार की विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों और इंटरपोल के राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो के साथ समन्वय बनाकर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। ओमान के सक्षम अधिकारियों से अनुमति मिलने के बाद सीबीआई की विशेष टीम मस्कट पहुंची और सौरभ को अपनी अभिरक्षा में लेकर भारत आई। महादेव ऑनलाइन बुक सट्टा मामले की जांच सीबीआई ने छत्तीसगढ़ सरकार के अनुरोध पर अपने हाथ में ली थी। जांच में सामने आया कि महादेव ऑनलाइन बुक देश के बड़े अवैध ऑनलाइन सट्टा सिंडिकेट में से एक था। इसका संचालन भारत के बाहर से किया जा रहा था। क्रिकेट, फुटबॉल, ताश के खेल और दूसरे आयोजनों पर ऑनलाइन सट्टा खिलाया जाता था।

संजय सिंघल ने संभाला आईटीबीपी के महानिदेशक का अतिरिक्त कार्यभार

नयी दिल्ली (आससे)। भारतीय पुलिस सेवा के 1993 बैच के उत्तर प्रदेश कैडर के वरिष्ठ अधिकारी संजय सिंघल, आईपीएस ने आज भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के महानिदेशक का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया है। सिंघल ने बीते 31 अक्तूबर को सेवानिवृत्त हुये शत्रुजीत कपूर, आईपीएस का स्थान लिया है। आईटीबीपी के जनसंपर्क अधिकारी कमलेश कमल ने बताया कि सिंघल को पुलिस प्रशासन, सीमा सुरक्षा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है। अपने सेवाकाल में उन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। साथ ही, मई 2002 से जून 2003 तक उन्होंने कोसोवो में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के अंतर्गत भी सेवाएं दीं। इससे पूर्व सिंघल आईटीबीपी में उप महानिरीक्षक, सेक्टर मुख्यालय, देहरादून तथा महानिरीक्षक, पूर्वी सीमांत के पदों पर कार्य कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने सीमा सुरक्षा, आसूचना एवं परिचालन प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। आज यहां बल मुख्यालय में कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर सिंघल ने सुसज्जित सम्मान गारद की सलामी ली तथा उसका निरीक्षण किया। इस अवसर पर संजय गुंज्याल, आईपीएस, अपर महानिदेशक (मुख्यालय) सहित बल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत सरकार ने गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड का गठन किया

नयी दिल्ली (आससे)। भारत सरकार ने श्रम और रोजगार मंत्रालय के माध्यम से, देश के बढ़ते गिग वर्कफोर्स की सामाजिक सुरक्षा और कल्याण को मजबूत करने के लिए नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड का गठन किया है। इस पहल के तहत, सरकार ने डिजिटल प्लेटफॉर्म, श्रमिक संगठनों, केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों तथा विषय विशेषज्ञों को एक साथ जोड़ा है। भारत के सबसे बड़े गिग-इकोनॉमी आजीविका प्लेटफॉर्मों में से एक होने के नाते, रैपिडो इस बोर्ड में शामिल होने वाला एकमात्र ऐप-आधारित पैसेंजर मोबिलिटी एग्रीगेटर है। मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी एक विशेष गैजेट अधिसूचना के अनुसार, रैपिडो की

इंडस्ट्री से नामांकित लोगों में रैपिडो एकमात्र ऐप-आधारित पैसेंजर मोबिलिटी प्लेटफॉर्म है; मानस्वी मान बोर्ड में शामिल

जनरल काउंसेल और कॉर्पोरेट अफेयर्स एवं पब्लिक पॉलिसी की प्रमुख, मानस्वी मान को बोर्ड का सदस्य नामित किया गया है। यह कदम नीति-निर्माण के प्रति केंद्र सरकार के सहयोगात्मक और परामर्शपूर्ण दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिससे गिग-वर्कर्स के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा पर होने वाली राष्ट्रीय चर्चाओं में इंडस्ट्री का नजरिया भी शामिल हो सकेगा। रैपिडो के शामिल होने से, ऐप-आधारित पैसेंजर मोबिलिटी सेक्टर (जिसमें बाइक-टैक्सी, ऑटो और कैब सेवाएं शामिल हैं) के विशिष्ट दृष्टिकोण और कल्याणकारी पहलुओं को गिग-वर्कर्स के कल्याण से जुड़ी राष्ट्रीय नीतिगत चर्चाओं में जगह मिलेगी। मानस्वी मान की भागीदारी के माध्यम से, कंपनी मोबिलिटी इकोसिस्टम, ड्राइवरों की आजीविका, जमीनी परिचालन की वास्तविकताओं और इस सेक्टर की विशेष चुनौतियों के बारे में अपनी समझ बोर्ड के साथ साझा करेगी। साथ ही, कानूनी, नियामक और पब्लिक पॉलिसी से जुड़े अपने अनुभव का उपयोग करते हुए, वह सामाजिक सुरक्षा और श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में बोर्ड के विचार-विमर्श में योगदान देगी। यह पहल सरकार के उन प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिनका उद्देश्य गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए अधिक समावेशी और सुलभ सामाजिक सुरक्षा उपाय विकसित करना है। इसका मुख्य केंद्र ऐसे व्यावहारिक कल्याणकारी ढांचे तैयार करने पर है, जो भारत के बढ़ते प्लेटफॉर्म वर्कफोर्स को वित्तीय सुरक्षा और दीर्घकालिक संरक्षण प्रदान कर सकें। इस बोर्ड का गठन ऐसे समय में हुआ है जब आजीविका के अवसर पैदा करने में प्लेटफॉर्म-आधारित काम की भूमिका को व्यापक रूप से पहचाना जा रहा है। साथ ही, यह सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है कि इस विकास के साथ-साथ श्रमिकों को सार्थक सामाजिक सुरक्षा भी मिले। बोर्ड का गठन सरकार, इंडस्ट्री और श्रमिक प्रतिनिधियों को एक साथ लाने के एक व्यापक प्रयास को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य श्रमिकों के कल्याण को मजबूत करना और साथ ही भारत की गिग-इकोनॉमी के सतत विकास को समर्थन देना है।

श्रीगंगानगर : 1.23 करोड़ का नकली घी पकड़ा

श्री गंगानगर (एजेंसी)। श्रीगंगानगर में 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत जिला पुलिस ने बड़ी कारवाई की है। पुलिस ने एक गोदाम से 16,394 लीटर नकली घी पकड़ा है, जिसकी बाजार में कीमत 1 करोड़ 23 लाख रुपये बतायी गयी है। इसके साथ ही बिक्री के 3 लाख 50 हजार रुपये भी जब्त किये गये हैं। एसपी हरीशंकर के निर्देशन में सीआईडी और डीएसटी टीम के सहयोग से सदर थाना पुलिस ने यह कारवाई की। सदर थानाधिकारी सुभाष चंद्र ने बताया कि एडिशनल एसपी दीपक शर्मा और आईपीएस नितिन चौधरी के सुपरविजन में पुलिस टीम ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त दबिश दी।

रामायण : रिलीज से पहले दर्शकों के बीच कितना माहौल बना पायी रणबीर की फिल्म

एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे। रामायण को बनाने में पानी की तरह पैसा बहाया गया है। ऐसे में रिलीज से पहले दर्शकों के बीच क्या माहौल है और कौन सी बातें सिनेमाघरों की तरफ खींच सकती हैं नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म रामायण इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल है। दिवाली से पहले फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। इसमें रणबीर भगवान राम और साई पल्लवी माता सीता की भूमिका में नजर आएंगी। यश को रावण के किरदार में देखा जाएगा। कई चर्चित सितारे फिल्म से जुड़े हैं। अच्छा-खासा लागत फिल्म बनाने में लगी है। रामायण पर फिल्म बने तो लोगों को उत्सुकता भी होती है। इस फिल्म को लेकर भी है। इसके विजुअल्स की काफी बातें हो रही हैं। मगर, म्यूजिक को लेकर आलोचना भी हो रही है। इस बीच एडवांस बुकिंग में अच्छा प्रदर्शन दिख रहा है। मगर, इस फिल्म के



4000 करोड़ के बजट और चर्चाओं को देखते हुए एडवांस बुकिंग प्रदर्शन कैसा है? दर्शकों के बीच माहौल कैसा आज 01 नवंबर को शाम चार बजे तक सैकनिल्क पर प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक रामायण ने पहले दिन की एडवांस बुकिंग में 23.72 करोड़ रुपये कमाए हैं। 13,081 शो के लिए फिल्म के 5.37 लाख टिकट बिके हैं। वहीं, ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, दो शो की तारीखों में फिल्म की कुल एडवांस बुकिंग ब्लॉक्ड सीटों सहित 36.06 करोड़ रुपये पहुंच गई है। इस तरह 24,332 शो के लिए फिल्म के 8.23 लाख टिकट बिके हैं। जाहिर है कि एडवांस बुकिंग का यह आंकड़ा कम नहीं है। मगर, जिस हिसाब से फिल्म का बजट है, क्या इन्हें बहुत अच्छा आंकड़ा माना जा सकता है? साल 2024 में आई पुष्पा 2- द रूल का ओपनिंग-डे एडवांस बुकिंग आंकड़ा रिलीज से चार दिन पहले 30.88 करोड़ रुपये पार था। 04 दिसंबर तक, इसने ओपनिंग-डे प्री-सेल्स में 63 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया था, जिसमें लगभग 21.4 लाख टिकट बिक गए थे। इसकी दुनिया भर में एडवांस बुकिंग 100 करोड़ को पार कर गई थी। इस हिसाब से रामायण अभी इन नंबर्स से काफी पीछे हैं। पुष्पा 2 को लेकर क्रेज इसलिए भी था, क्योंकि इसका पहला पार्ट काफी पसंद किया गया था। धुरंधर 2 भी ब्लॉकबस्टर है। इसका भी पहला पार्ट पसंद किया गया था। मगर, रामायण की बात करें तो इसका भी जुड़ाव लोगों से कम नहीं है। पीढ़ियों से लोगों की आस्था इसमें जुड़ी है। ऐसे में देखना होगा कि क्या जब इस पर फिल्म आ रही है तो क्या दर्शक अपने लिए टिकट बुक करेंगे और एडवांस बुकिंग का यह आंकड़ा अभी और बढ़ेगा? फिल्म रामायण को लेकर चर्चा शुरू से है। इसकी कास्ट से लेकर बजट तक हर चीज ने ध्यान आकर्षित किया है। इंडिया टुडे डिजिटल की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला का मानना है कि फिलहाल की चर्चा उम्मीदों के मुताबिक है। उन्होंने कहा, नॉर्थ में ज्यादा ट्रैक्शन है, जबकि साउथ में थोड़ी कम, लेकिन उम्मीद जगाने वाली तस्वीर है। यश और साई पल्लवी की मौजूदगी रीजनल डबिंग दिलचस्पी जगाने में मदद कर सकती है। प्रमोशनल पुश भी अब ज्यादा एग्रेसिव हो रहा है। जब से फिल्म का एलान हुआ है, कास्टिंग चर्चा का विषय रही है। राम के रोल में रणबीर, सीता के रोल में साईं पल्लवी और रावण के रोल में यश हैं। तीनों ही चर्चित चेहरे हैं। इनका अपना फैन बेस है। मगर, तीनों की कास्टिंग पर एक धड़ा लगातार सवाल भी कर रहा है। खासकर सोशल मीडिया पर अलग ही माहौल देखने को मिला है। साईं पल्लवी की कास्टिंग ने पारंपरिक ब्यूटी स्टैंडर्ड्स को लेकर ऑनलाइन बहस तेज की। वहीं, कई सितारों ने रणबीर कपूर को इस किरदार के लिए ठीक नहीं बताया। ऐसे में देखना होगा इन सितारों की उपस्थिति क्या असर करती है। इस फिल्म की रिलीज से पहले ही इसका म्यूजिक काफी चर्चा में है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। फिल्म से एआर रहमान और हैंस जिमर के जुड़े होने पर उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं। मगर, अब तक तो फिल्म के गानों या बैकग्राउंड म्यूजिक ने कोई ऐसा बज नहीं क्रिएट किया है कि दर्शक थिएटर जाने पर मजबूर दिखें।

लद्दाख में केसर की खेती का प्रयोग सफल-उपराज्यपाल

लेह/जम्मू (आससे)। लद्दाख में केसर की प्रायोगिक खेती के शुरुआती नतीजे उत्साहजनक रहे हैं। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने रविवार को कहा कि लेह में हाल में बहाल की गयी बंजर भूमि पर फूल खिलने के पहले चार दिनों में करीब 22 ग्राम शुद्ध केसर एकत्र किया गया है। उपराज्यपाल ने कहा कि फूल रेकार्ड 30 दिनों में ही खिल गये, जबकि आमतौर पर इसमें करीब दो महीने लगते हैं। यह केंद्र शासित प्रदेश में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कृषि की संभावनाएं तलाशने के प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस प्रायोगिक केसर खेती परियोजना की शुरुआत दो अक्तूबर को की गयी थी। इसका उद्देश्य भारत के ऊंचाई वाले ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर केसर की खेती शुरू करना है। यह पहल क्षेत्र में लिलियम की खेती की सफलता पर आधारित है। इस परियोजना के तहत लद्दाख की ऊंचाई और कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल ईरान से लाये



गये करीब 90 हजार उच्च गुणवत्ता वाले केसर के कंदों में से लगभग 800 किलोग्राम कंद लेह जिले के स्पितुक फरका में पहले बंजर रही 4,000 वर्ग मीटर भूमि पर लगाये गये। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि लद्दाख के ऊंचाई वाले कृषि क्षेत्र में एक नयी शुरुआत! यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि लेह में हाल ही में बहाल की गयी बंजर भूमि पर केसर की प्रायोगिक खेती में फूल खिलने शुरू हो गये हैं। पहली बार फूल खिलने में आमतौर पर लगने वाले दो महीने के मुकाबले रेकार्ड 30 दिनों का समय लगा। केसर के फूलों को देखने और खेत का निरीक्षण करने आये सक्सेना ने कहा कि रोजाना औसतन 20 से 25 फूल खिल रहे हैं, जबकि एक दिन सुबह 72 फूल खिले थे। उन्होंने कहा सिर्फ चार दिनों में करीब 22 ग्राम शुद्ध केसर एकत्र किया गया है। इस उपलब्धि को पर्यावरणीय लचीलेपन और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में खेती की अप्रयुक्त संभावनाओं का प्रमाण बताते हुए उन्होंने कहा इस पहल से कृषि विविधीकरण, कृषि आधारित उद्यमिता और आजीविका सृजन के नये रास्ते खुलने की उम्मीद है।



02.11.1883 को अविभाजित भारत के सिलहट जिले (बंगाल) में जन्मे **स्वतंत्रता सेनानी 'बसंत कुमार दास जी'** की आज 143वीं जयंती पर **'मातृभूमि सेवा संस्था'** तथा हिन्दी दैनिक समाचार पत्र **'आज'** इन्हें कोटिशः नमन करती है। एक निर्धन परिवार में जन्मे बसंत कुमार दास जी ने अपने परिश्रम से वकालत की परीक्षा उत्तीर्ण की और सिलहट में वकालत करने लगे। सन् 1921 में कांग्रेस में सम्मिलित हुए बसंत कुमार दास जी ने असहयोग आंदोलन में अपना योगदान देने के लिए अपनी वकालत छोड़ दी। बसंत कुमार दास जी ने सन् 1923 में पं. मोतीलाल नेहरू और सी. आर. दास की स्वराज्य पार्टी में सम्मिलित हो गए। स्वराज्य पार्टी के टिकट पर सन् 1926 से 1929 तक असम कौंसिल के सदस्य रहें और फिर कांग्रेस के निश्चय पर त्यागपत्र दे दिया। सन् 1932 में इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और 2 वर्ष की सजा हुई। बसंत कुमार दास जी सन् 1937 में असम असेम्बली के सदस्य चुने गए और कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में उसके स्पीकर बने। सन् 1946 में बसंत कुमार दास जी के असम के गृहमंत्री रहते हुए सिलहट में श्जनमत संग्रहश हुआ कि यह जिला भारत में बना रहेगा या पाकिस्तान में जाएगा। जब जनमत संग्रह का परिणाम पाकिस्तान के पक्ष में गया तो गृहमंत्री के रूप में फिर बसंत कुमार दास की आलोचना हुई। बाद में पता चला कि कांग्रेस का उच्च नेतृत्व पहले ही श्सिलहटश को भारत से अलग करने के लिए मन बना चुका था। असम के बहुत से नेता भी, असम में बंगालियों का प्रभाव कम करने के लिए श्सिलहटश के अलग होने के पक्ष में थे। विभाजन के बाद, अन्य नेताओं की भाँति, बसंत कुमार दास जी भी भारत नहीं आए। ये हिन्दू अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के लिए पूर्वी पाकिस्तान में ही रहे। वहाँ की राजनीति में इन्होंने सक्रिय भाग लिया। ये ईस्ट पाकिस्तान नेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए और वहाँ की विधान सभा में कुछ समय तक विरोधी दल के नेता रहे। फिर वित्त मंत्री तथा शिक्षा और श्रम मंत्री बने। सन् 1958 में ये अंतर्राष्ट्रीय श्रम संघ के अध्यक्ष चुने गए। - **'राकेश कुमार'**



मध्य प्रदेश समाचार

प्लॉट और मकान भू-स्वामी का पक्की रजिस्ट्री का पैसा सरकार देगी-मुख्यमंत्री

भोपाल (आससे)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्लॉट और घर के साथ उसके पक्के राजस्व दस्तावेज होना भी बेहद जरूरी है, क्योंकि ये दस्तावेज ही भू-स्वामी को उसका मालिकाना हक दिलाने के साथ उसे अपनी सम्पत्ति के क्रय-विक्रय का अधिकार भी दिलाते हैं।



सरकार ने प्रदेश के ऐसे सभी भू-स्वामियों (जिनके पास उनके प्लॉट या मकान के पट्टे तो उपलब्ध हैं, परंतु पक्की रजिस्ट्री नहीं है), इन सभी को उनकी सम्पत्ति की पक्की रजिस्ट्री कराकर निःशुल्क उपलब्ध कराने की योजना प्रारंभ की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के तहत सभी पात्रताधारियों को उनकी जमीन के पट्टे की पक्की रजिस्ट्री कराकर दी जाएगी। पक्की रजिस्ट्री के लिए लगने वाली स्टॉम्प शुल्क की राशि राज्य सरकार अपने खजाने से भरेगी। इससे प्लॉट या मकान भू-स्वामी का होगा, रजिस्ट्री भी भू-स्वामी की ही होगी, परंतु उन्हें इस पक्की रजिस्ट्री का पैसा नहीं देना होगा। यह राशि सरकार खुद वहन करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना% की अब तक की प्रगति की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को इस महती योजना को एक बड़े अभियान के रूप में चलाकर जल्द से जल्द प्रदेश के सभी पात्र भू-स्वामियों के पट्टे की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम

लक्ष्मी-गणेश की पूजा के पीछे एक गहरा रहस्य



धन, सफलता और ऐश्वर्य का पूर्ण फल तभी मिलेगा, जब वह लक्ष्मी और गणेश की एक साथ आराधना करेंगे।

हिंदू धर्म में दीवाली के पर्व को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस अवसर पर माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करने का विधान है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, लक्ष्मी और गणेश की साधना करने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और धन लाभ के योग बनते हैं। माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा अत्यंत फलदायी और कल्याणकारी मानी जाती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि मां लक्ष्मी का गणपति बप्पा से क्या संबंध है? गणेश पुराण में बताया गया है कि मां लक्ष्मी ने भगवान गणेश को अपना दत्तक पुत्र बनाया था। अब ऐसे में सवाल उठता है कि धन की देवी मां लक्ष्मी ने गणेश जी को दत्तक पुत्र क्यों बनाया? पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार बैकुंठ धाम में जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के बीच चर्चा हो रही थी। चर्चा के दौरान देवी ने भगवान विष्णु से कहा, मैं अपने भक्तों को धन-धान्य, ऐश्वर्य और सौभाग्य प्रदान करती हूं। मेरी कृपा से ही भक्तों को जीवन में सभी तरह के सुखों की प्राप्ति होती है। इसलिए मेरी पूजा ही सर्वश्रेष्ठ है। भगवान विष्णु उनका यह अहंकार समझ गए। प्रभु ने देवी के अहंकार को दूर करने का फैसला लिया और कहा, देवी, आप श्रेष्ठ जरूर हैं, लेकिन आपका नारीत्व अभी भी अधूरा है। भगवान विष्णु ने आगे कहा, जब तक किसी स्त्री को मातृत्व का सुख नहीं मिलता, तब तक उसे पूर्ण नहीं माना जाता। यह बात सुनकर मां लक्ष्मी अत्यंत दुखी हुईं। इसके बाद वे माता पार्वती के पास पहुंचीं और उन्हें अपनी यह पीड़ा बताई। तब माता पार्वती ने अपने पुत्र गणेश को उन्हें दत्तक पुत्र के रूप में सौंप दिया। भगवान गणेश को पुत्र के रूप में पाकर मां लक्ष्मी अत्यंत प्रसन्न हुईं। उन्होंने उसी समय यह वरदान दिया कि किसी भी भक्त को धन, सफलता और ऐश्वर्य का पूर्ण फल तभी मिलेगा, जब वह लक्ष्मी और गणेश की एक साथ आराधना करेगा। यही वजह है कि दीवाली के दिन मां लक्ष्मी के साथ भगवान गणेश की उनके दत्तक पुत्र के रूप में पूजा-अर्चना करने का विधान है। सनातन परंपरा में मां लक्ष्मी के साथ उल्लू और मोर, दोनों का संबंध बहुत गहरा है। उल्लू अंधेरे में भी देख सकता है, जिससे हमें हमेशा चौकन्ना रहने, आगे की सोचने और समझदारी से काम लेने की सीख मिलती है। वहीं दूसरी तरफ, मोर सुंदरता और पवित्रता की निशानी है। यह बुराई को मिटाने और सादगी के साथ जीवन में संपन्नता लाने का प्रतीक है। मां लक्ष्मी द्वारा गणेश जी को दत्तक पुत्र बनाने से यह संदेश मिलता है कि व्यक्ति को जीवन में दिखावे या अहंकार में आकर अपना विवेक और समझदारी नहीं खोनी चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान गणेश की साधना करने से सही फैसले लेने की बुद्धि मिलती है और शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। मां लक्ष्मी की पूजा के दौरान लक्ष्मी-विनायक मंत्र का जप जरूर करना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस मंत्र का जप करने से धन लंबे समय तक टिकता है और बचत में वृद्धि होती है। साथ ही नौकरी, करियर या व्यापार में आ रही अड़चनों को भगवान गणेश दूर करते हैं।

गणेश पुराण में बताया गया है कि मां लक्ष्मी ने भगवान गणेश को अपना दत्तक पुत्र बनाया था।







धनलक्ष्मी के आगमन का पर्व धनतेरस

दीपोत्सव पर्व पर धनतेरस का पावन पर्व काफी हर्ष व उल्लास के साथ मनाने की पौराणिक परम्परा है। धनतेरस से ही दीपावली पर्व का शुभारम्भ हो जाता है। इस बार 6 नवम्बर, शुक्रवार, कार्तिक कृष्णपक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन धनतेरस का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। ज्योतिषविद् विमल जैन ने बताया कि कार्तिक कृष्णपक्ष की त्रयोदशी तिथि 6 नवम्बर, शुक्रवार को दिन में 10 बजकर 31 मिनट पर लगेगी, जो कि 7 नवम्बर, शनिवार को दिन में 10 बजकर 49 मिनट तक रहेगी, तत्पश्चात् चतुर्दशी तिथि लग जाएगी। हस्त नक्षत्र 5 नवम्बर, गुरुवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 3 बजकर 56 मिनट से 6 नवम्बर, शुक्रवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 4 बजकर 44 मिनट तक रहेगा, तत्पश्चात् चित्रा नक्षत्र प्रारम्भ हो जाएगा। विष्कुंभ योग 5 नवम्बर, गुरुवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 5 बजकर 10 मिनट से 6 नवम्बर, शुक्रवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 4 बजकर 10 मिनट तक रहेगा। धनतेरस के दिन आरोग्य के देवता आयुर्वेद शास्त्र के जनक श्री धन्वन्तरि जी का जन्म महोत्सव भी धूम-धाम से मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि समुद्र मन्थन के समय धन्वन्तरि जी अमृत का कलश लेकर अवतरित हुए थे। भगवान धन्वन्तरि जी को आयुर्वेद के प्रवर्तक तथा श्रीविष्णु भगवान के अवतार के रूप में माना जाता है। इस दिन धन्वन्तरि जी की पूजा-अर्चना से आरोग्य-सुख तथा उत्तम स्वास्थ्य का सुयोग बनता है। व्यवसायी एवं व्यापारी वर्ग शुभ मुहूर्त में बही-खाता एवं प्रयोग में आनेवाली अन्य वस्तुएँ भी खरीदते हैं। धनतेरस को सम्पूर्ण दिन में अभिजीत मुहूर्त दिन में 11 बजकर 36 मिनट से 12 बजकर 24 मिनट तक सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त माना गया है। धन-सम्पत्ति के लिए धनाधिपति श्रीकुबेर देवता की भी पूजा करनी चाहिए। देवकक्ष में पूजा स्थल पर दीपक प्रज्वलित करना चाहिए। पूजा का सर्वोत्तम समय (काशी में) वृषभ लग्न सायं 5 बजकर 45 मिनट से रात्रि 7 बजकर 41 मिनट तक रहेगा। प्रदोषकाल का समय विभिन्न शहरों का अलग-अलग होता है, जो कि स्थानीय पंचांगों में दिया रहता है। धनतेरस के दिन शुरू किए हुए शुभकार्यों में स्थायी लाभ के साथ ही अच्छी सफलता का सुयोग बनता है। घर, कार्यस्थल व व्यावसायिक प्रतिष्ठान को आलोकित (प्रकाशमय) रखना चाहिए। धनतेरस का पर्व अपने पारिवारिक धार्मिक परम्परा के साथ मनाना शुभ रहता है।

कलश की अवधारणा को लेकर नये बर्तन और आभूषण खरीदना शुभ फलकारी



धनतेरस के पावन पर्व पर लक्ष्मी-गणेश जी मूर्ति के साथ ही पूजन सामग्री खरीदने की परम्परा है। इस बर्तन के अतिरिक्त नवीन वस्त्र, रजत व स्वर्ण के आभूषण व सोने-चाँदी के सिक्के एवं अन्य मांगलिक वस्तुएँ खरीदने से सौभाग्य में अभिवृद्धि होती है। आज के दिन बर्तन खरीदने से अधिक लाभ एवं लक्ष्मी का स्थायी निवास मिलता है। सायंकाल स्नान के पश्चात् स्वच्छ (धुले हुए) वस्त्र धारण करके अपने आराध्य देवी-देवता की पूजा-अर्चना के बाद प्रदोषकाल व शुभ मुहूर्त में संकल्प लेकर श्रीगणेश जी, श्रीलक्ष्मीजी तथा धन के देवता श्रीकुबेर जी की श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए। पूजा-अर्चना में काले-नीले रंग के वस्त्र धारण नहीं करने चाहिए। आज के दिन खरीदे गए नवीन बर्तन में उत्तम मिष्ठान्न, फल एवं मेवे आदि माँ भगवती लक्ष्मीजी को अर्पित करने चाहिए। देशी घी का दीपक प्रज्वलित करना चाहिए। अखण्ड ज्योति जलाने की भी मान्यता है। भगवती लक्ष्मीजी की पूजा कमल के फूल से करनी चाहिए तथा कमलगट्टा के माला से श्रीलक्ष्मीजी के मन्त्र 'श्रीं', 'ॐ श्रीं नमः', 'ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं' अथवा 'ॐ श्री महालक्ष्म्यै नमः' का जप करना लाभकारी रहता है।

यम के निमित्त प्रज्वलित करें दीपक

धनतेरस से दीपावली या भैयादूज तक सायंकाल प्रदोषकाल में घर के प्रवेश द्वार के बाहर दोनों ओर यम के निमित्त एक पात्र में अन्न रखकर उसके ऊपर दीप दान करने से यमराज भी प्रसन्न होते हैं, इसको यमदीप कहा जाता है। दीपक की चावल, फूल, धूप, सुगन्ध आदि से पूजा-अर्चना करने से जीवन में अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता।

सुख-समृद्धि के लिए जन्म तारीख/राशि के अनुसार करें खरीददारी

जन्म तारीख के अनुसार- जन्मतिथि किसी भी माह की 1, 10, 19 व 28 हो, उनके लिए लाल, गुलाबी, केसरिया। 2, 11, 20 व 29 वालों के लिए सफेद व क्रीम। 3, 12, 21 व 30 के लिए सभी प्रकार के पीला व सुनहरा पीला। 4, 13, 22 व 31 के लिए सभी प्रकार के चमकीले, चटकीले मिले-जुले व साथ ही हल्का स्लेटी रंग। 5, 14 व 23 के लिए हरा, धानी व फिरोजी रंग। 6, 15 व 24 के लिए सफेद व चमकीला सफेद अथवा आसमानी नीला। 7, 16 व 25 के लिए चमकीला, स्लेटी व ग्रे रंग। 8, 17 व 26 के लिए काला, ग्रे व नीला रंग। जबकि 9, 18 व 27 के लिए लाल, गुलाबी व नारंगी रंग।

राशि के अनुसार करें रंगों का चयन-मेष-लाल, गुलाबी एवं नारंगी। वृषभ-सफेद एवं क्रीम। मिथुन-हरा व फिरोजी। कर्क-सफेद व क्रीम। सिंह-केसरिया, लाल व गुलाबी। कन्या-हरा व फिरोजी। तुला-सफेद व हल्का नीला। वृश्चिक-नारंगी, लाल व गुलाबी। धनु-पीला व सुनहरा। मकर व कुम्भ-भूरा, स्लेटी व ग्रे। मीन-पीला व सुनहरा।

रम्भा एकादशी

भारतीय सनातन परम्परा के हिन्दू धर्मग्रन्थों में हर माह के विशिष्ट तिथि की खास पहचान है। सभी तिथियों पर देवी-देवताओं की विशेष पूजा-अर्चना करने की मान्यता है। तिथि विशेष पर पूजा-अर्चना करने पर अभिलाषा की पूर्ति का सुयोग बनता है। इसी क्रम में रम्भा एकादशी का व्रत 5 नवम्बर को रखा जाएगा। रम्भा एकादशी के दिन आकाश में दीपदान करने की भी महिमा है। प्रख्यात ज्योतिषविद् विमल जैन ने बताया कि कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की एकादशी तिथि 4 नवम्बर को दिन में 11 बजकर 04 मिनट पर लगेगी जो कि 5 नवम्बर को दिन में 10 बजकर 36 मिनट तक रहेगी। उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र 4 नवम्बर को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 3 बजकर 31 मिनट से 5 नवम्बर, गुरुवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 3 बजकर 56 मिनट तक रहेगा। ऐन्द्रयोग सम्पूर्ण दिन रहेगा। जिसके फलस्वरूप उदयातिथि के अनुसार 5 नवम्बर को रम्भा एकादशी का व्रत रखा जाएगा। रम्भा एकादशी का व्रत महिला पुरुष दोनों के लिए समानरूप से फलदायी है। व्रत के दिन व्रतकर्ता को ब्रह्म मुहूर्त में उठकर अपने समस्त दैनिक कृत्यों से निवृत्त होकर गंगा-स्नानादि करना चाहिए। गंगा-स्नान यदि सम्भव न हो तो घर पर ही स्वच्छ जल से स्नान कर स्वच्छ (धुले हुए) वस्त्र धारण करना चाहिए। अपने आराध्य देवी-देवता की पूजा-अर्चना के पश्चात् रम्भा एकादशी के व्रत का संकल्प लेना चाहिए।

धनतेरस की खरीदारी में शामिल करें छह शुभ वस्तुएं

धनतेरस पर सोना और चांदी खरीदने की परंपरा काफी पुरानी है। माना जाता है कि इस दिन खरीदे गए सोने-चांदी से घर में लक्ष्मी का स्थायी निवास होता है। यदि सोना खरीदना संभव न हो तो चांदी का सिक्का या छोटी वस्तु भी खरीदी जा सकती है। नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। खासकर पीतल, तांबा या स्टील के बर्तन खरीदने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार नए बर्तन घर में समृद्धि और शुभता लेकर आते हैं। झाड़ू को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। धनतेरस के दिन नई झाड़ू खरीदकर घर लाने से आर्थिक परेशानियां दूर होने और घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होने की मान्यता है। कई लोग दीपावली की सफाई के लिए इसी दिन नई झाड़ू खरीदते हैं। धनिया के बीज खरीदना भी बेहद शुभ माना जाता है। पूजा के बाद इन बीजों को घर के बगीचे या गमले में बोया जाता है। मान्यता है कि इससे धन और समृद्धि में वृद्धि होती है। अगर घर में नई लक्ष्मी-गणेश प्रतिमा स्थापित करनी हो तो धनतेरस का दिन बेहद शुभ माना जाता है। दीपावली पूजन के लिए इस दिन प्रतिमा खरीदना शुभ फलदायी माना जाता है और इससे घर में सकारात्मकता बनी रहती है। धार्मिक मान्यताओं में कौड़ी और शंख को माता लक्ष्मी से जुड़ा हुआ माना गया है। धनतेरस पर इन्हें घर लाकर पूजा स्थल में रखने से आर्थिक उन्नति और शुभ फल की प्राप्ति होने की मान्यता है।

ब्रह्मा मंदिर- तीन कमल पुष्पों से जुड़ी पौराणिक कथा

राजस्थान के पुष्कर को हिंदू धर्म के प्रमुख और पवित्र तीर्थस्थलों में गिना जाता है। यहां बना ब्रह्मा मंदिर देश के उन खास मंदिरों में से एक है, जहां भगवान ब्रह्मा की पूजा-अर्चना होती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, पुष्कर का संबंध ब्रह्मदेव के यज्ञ और तीन कमल के फूलों से जुड़ा है। पुष्कर सरोवर, ब्रह्मा मंदिर और माता गायत्री व सावित्री के मंदिर इस जगह को विशेष धार्मिक महत्व देते हैं। यहां आने वाले भक्त सबसे पहले पुष्कर सरोवर के पवित्र घाटों पर स्नान करते हैं। इसके बाद ब्रह्मदेव के दर्शन करते हैं और माता गायत्री, सावित्री व सरस्वती के मंदिरों में पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, एक बार भगवान ब्रह्मा यज्ञ करने के लिए किसी पवित्र स्थान की तलाश कर रहे थे। इसके लिए उन्होंने तीन कमल के फूल आकाश से पृथ्वी पर गिराए। ये तीनों फूल अलग-अलग स्थानों पर गिरे और वहां पवित्र तीर्थों की स्थापना हुई। पहले फूल



के गिरने से ज्येष्ठ पुष्कर, दूसरे से मध्य पुष्कर और तीसरे से कनिष्ठ पुष्कर तीर्थ बना। मान्यता है कि ब्रह्मदेव ने ज्येष्ठ पुष्कर को अपने यज्ञ के लिए चुना था। पुष्कर सरोवर में स्नान करने के बाद श्रद्धालु ब्रह्मा मंदिर पहुंचते हैं। यहां भक्त 'ब्रह्मदेवाय नमः' मंत्र का जाप करते हुए भगवान के दर्शन करते हैं। मंदिर परिसर में चांदी से बनी कछुए की प्रतिमा आकर्षण का केंद्र है। इसके अलावा यहां एक छोटा चांदी का मंदिर भी है, जिसमें भगवान ब्रह्मा की संगमरमर से बनी सुंदर प्रतिमा स्थापित है। मंदिर के बाहर ब्रह्मदेव के वाहन हंस की प्रतिमा भी देखने को मिलती है। भक्त यहां इंद्र और भगवान शिव की प्रतिमाओं के दर्शन भी करते है। पुष्कर सरोवर को हिंदू धर्म के पांच प्रमुख पवित्र सरोवरों में विशेष स्थान प्राप्त है। मान्यता है कि इसमें स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है और आत्मिक शांति प्राप्त होती है। ब्रह्मा मंदिर के दर्शन के बाद श्रद्धालु पास ही स्थित माता गायत्री के मंदिर पहुंचते हैं। यहां भक्त माता से अपनी मनोकामनाएं पूरी करने और परिवार की खुशहाली की प्रार्थना करते हैं। पुष्कर यात्रा के दौरान श्रद्धालु पर्वत पर बने माता सावित्री के मंदिर भी जाते हैं।

कहां हैं महाभारत के अश्वत्थामा

महाभारत की कहानियों में कुछ ऐसे पात्र हैं, जिनका जिक्र आज भी लोगों के मन में उत्सुकता पैदा करता है। इन्हीं में से एक हैं अश्वत्थामा। मान्यता है कि महाभारत युद्ध के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें ऐसा श्राप दिया था, जिसके कारण उन्हें हजारों साल तक धरती पर भटकना पड़ेगा। कहा जाता है कि अश्वत्थामा आज भी जीवित हैं और अलग-अलग जगहों पर दिखाई देते हैं। मध्य प्रदेश के असीरगढ़ किले से लेकर कई प्राचीन शिव मंदिरों तक उनके दिखाई देने की कहानियां प्रचलित हैं। हालांकि, उनके आज भी जीवित होने का कोई ऐतिहासिक या वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर

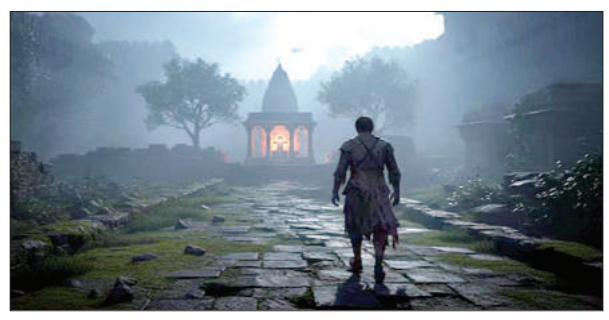

अश्वत्थामा कौन थे और उनसे जुड़ी ये मान्यताएं कहां से आईं? अश्वत्थामा महाभारत के प्रमुख पात्रों में से एक थे। वे गुरु द्रोणाचार्य और कृपी के पुत्र थे। उनके पिता कौरवों और पांडवों दोनों के गुरु थे। अश्वत्थामा को युद्ध कला में निपुण और शक्तिशाली योद्धा माना जाता था। वे कौरवों की ओर से महाभारत के युद्ध में शामिल हुए थे। उनके पास दिव्य अस्त्रों का ज्ञान भी था। महाभारत में उन्हें एक ऐसे योद्धा के रूप में दिखाया गया है, जो अपने पिता की मृत्यु के बाद क्रोध में आकर युद्ध के नियमों का उल्लंघन करता है। महाभारत की कथा के अनुसार, युद्ध के अंतिम दिनों में अश्वत्थामा के पिता द्रोणाचार्य की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद वे बदले की भावना से भर गए। रात के समय उन्होंने पांडवों के शिविर में जाकर सो रहे द्रौपदी के पांचों पुत्रों की हत्या कर दी। इस घटना से पांडव बेहद क्रोधित हो गए। बाद में अश्वत्थामा और अर्जुन के बीच दिव्य अस्त्रों का प्रयोग हुआ। जब अश्वत्थामा ने ब्रह्मास्त्र का इस्तेमाल किया, तब स्थिति गंभीर हो गई। मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने अश्वत्थामा को उनके इस अपराध के लिए श्राप दिया। कहा जाता है कि उनके माथे पर मौजूद मणि निकाल ली गई और उन्हें लंबे समय तक कष्ट सहते हुए धरती पर भटकने का श्राप मिला। अश्वत्थामा को लेकर भारत के कई हिस्सों में अलग-अलग कहानियां प्रचलित हैं। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में स्थित असीरगढ़ किले की होती है। यह किला सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला में स्थित है। यहां एक प्राचीन शिव मंदिर भी है। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिला प्रशासन की वेबसाइट के मुताबिक, इस मंदिर से जुड़ी मान्यता है कि अश्वत्थामा यहां भगवान शिव की पूजा करने आते थे। कहा जाता है कि सुबह मंदिर में शिवलिंग पर फूल और चंदन चढ़ा हुआ मिलता है। हालांकि, इन घटनाओं की पुष्टि नहीं हुई है। इसके अलावा नर्मदा नदी के आसपास के इलाकों में भी अश्वत्थामा को देखे जाने की कहानियां सुनने को मिलती हैं। कुछ स्थानीय मान्यताओं में दावा किया जाता है कि वे जंगलों और सुनसान जगहों पर भटकते हैं। हालांकि, इन दावों को साबित करने वाला कोई विश्वसनीय प्रमाण मौजूद नहीं है।

नरक चतुर्दशी पर अभ्यंग स्नान की परंपरा का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में नरक चतुर्दशी के पर्व का बहुत महत्व है। इसे दिवाली से ठीक एक दिन पहले मनाया जाता है, जिसे छोटी दिवाली या रूप चौदस भी कहते हैं। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय होने से पहले अभ्यंग स्नान करने का विधान है। इसके अलावा इस दिन यमराज और भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पूजा करने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और शुभ परिणाम मिलते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर नरक चतुर्दशी के दिन अभ्यंग स्नान क्यों किया जाता है और इसके पीछे की क्या वजह है? हिंदू धर्म में नरक चतुर्दशी पर अभ्यंग स्नान की एक बेहद खास और प्राचीन परंपरा निभाने का विधान है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर तिल के तेल और उबटन से स्नान किया जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से पापों और अकाल मृत्यु के भय से छुटकारा मिलता है। पौराणिक कथा के अनुसार, नरकासुर ने इंद्रदेव को हराकर उन्हें स्वर्ग से निकाल दिया था। इसके बाद नरकासुर ने तीनों लोकों पर कब्जा कर लिया था और वह देवताओं व ऋषियों पर अत्याचार करने लगा। इसलिए कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वधकिया। युद्ध समाप्त होने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने शरीर पर लगे रक्त को साफ करने के लिए तेल और उबटन से स्नान किया था, जिसे अभ्यंग स्नान कहा जाता है। इसलिए नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले अभ्यंग स्नान करने का विशेष महत्व है। नरकासुर वध का वर्णन श्रीमद्भागवत पुराण और विष्णु पुराण में मिलता है। नरक चतुर्दशी ७ को है। इस दिन सूर्योदय सुबह ६ बजकर ३७ मिनट पर होगा। इसलिए इस समय से पहले ही अभ्यंग स्नान कर लें। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठें और दिन की शुरुआत देवी-देवता के ध्यान से करें। इसके बाद शरीर और बालों में तिल के तेल की अच्छी तरह मालिश करें। फिर हल्दी, चंदन और बेसन से बना उबटन लगाएं। इसके बाद साफ पानी से स्नान करें।

नरक चतुर्दशी पर अभ्यंग स्नान की एक बेहद खास और प्राचीन परंपरा निभाने का विधान है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर तिल के तेल और उबटन से स्नान किया जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से पापों और अकाल मृत्यु के भय से छुटकारा मिलता है।

